जयपुर

माहेश्वरी पत्रिका

वर्ष 11 । अंक 7 । दिसम्बर 2020 । मूल्य 10 रु.

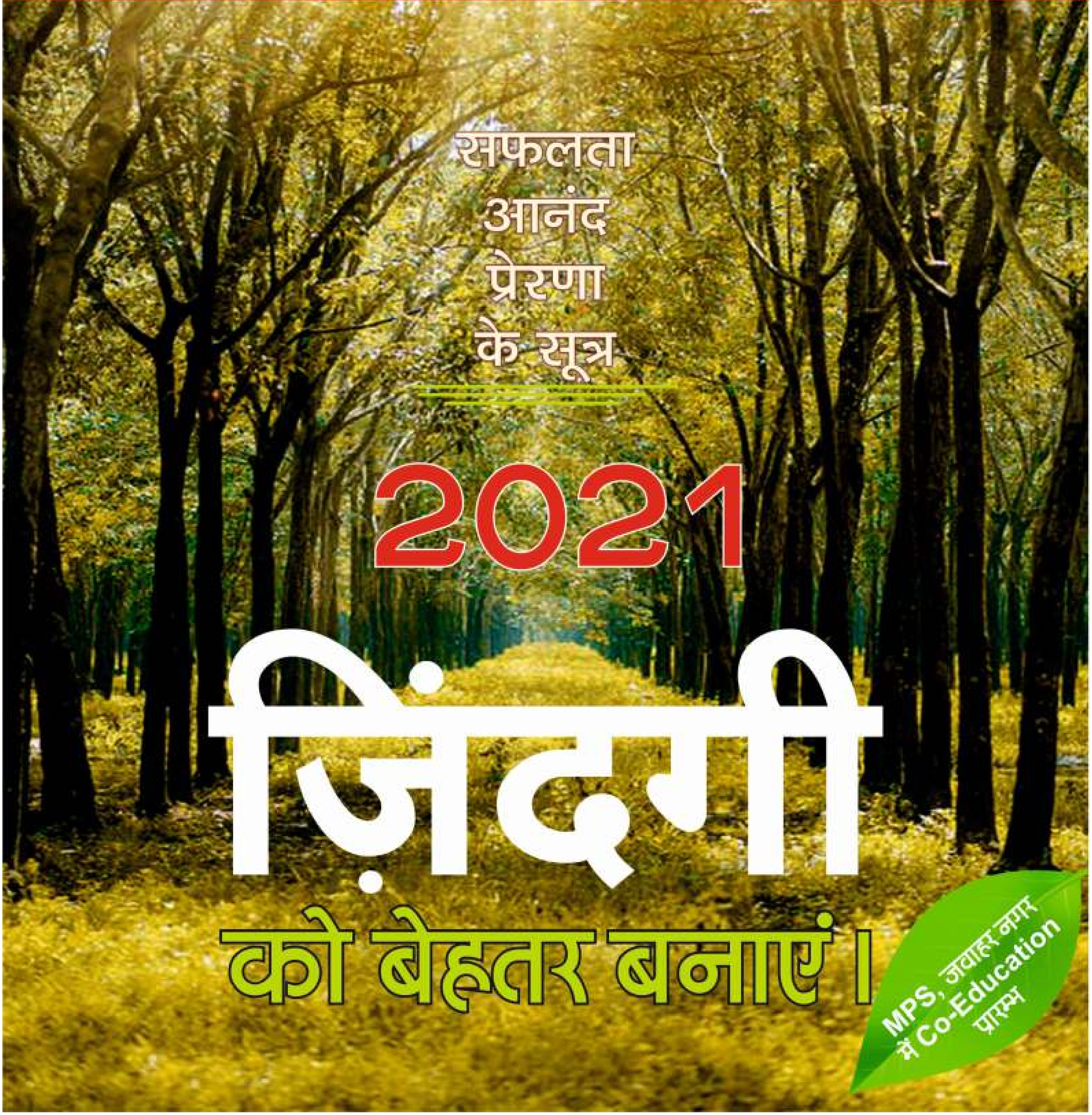

माहेश्वरी चाय

आपके कप की चाय

भुला दो बीता हुआ कल, दिल में बसाओ आने वाला कल
दिल से हमारी यही है कामना,
आपके लिए खुशियां लेकर आए आने वाला हर पल

नववर्ष की
हार्दिक शुभकामनाएं

हमारा इरादा,
आपकी संतुष्टि
ज्यादा से ज्यादा

प्रत्येक 5 किलो
माहेश्वरी चाय की खरीद पर
पायें एक स्क्रेच कार्ड और जीतिये
रु. 10 से 10,000 तक नकद ईनाम*
योजना 17 अक्टूबर 2020 से 15 जनवरी 2021 तक

VOCAL FOR LOCAL

स्थापित 1961

माहेश्वरी टी कम्पनी प्रा. लि.

नाहरगढ़ रोड, चांदपोल बाजार, जयपुर (राज.) फोन : 0141-2740919, 2312723
E-mail : contact@maheshwaritea.com • www.maheshwaritea.com

माहेश्वरी चाय के अलावा अन्य कोई उत्पाद हमारी कम्पनी का नहीं है।

SIDDHI

नकली पैकिंग एवं मिलते-जुलते नाम से सावधान !!!

खुश रहना है तो

खुशियों को बांटना शुरू करें

खुशहाल जीवन जीने के लिए आशावादी होना बहुत जरूरी है। कैसी भी समस्या हो, हमें निराश नहीं होना है, क्योंकि ऐसी कोई समस्या नहीं, जिसका समाधान न हो। इसलिए आत्मविश्वास बनाए रखें।

जीवन के अनेक रंग होते हैं, कभी खुशी, कभी गम। कभी धूप, कभी छांव, व्यक्ति को इन सबका सामना करना पड़ता है। वर्ष 2020 ने हम सबको अच्छी तरह इसका अहसास करवा दिया और हमें अनेक कटु अनुभव दिए। कोरोना महामारी ने एक ओर हमें जहाँ अनेक कष्ट दिए, दूसरी ओर वहीं हमें जीवन का एक यादगार पाठ पढ़ाया गया कि मानवता से बढ़कर और कुछ भी नहीं। इस महामारी के दौरान मनुष्य का करुणामय रूप सामने आया। अपने कष्टों, अपनी परेशानियों की चिंता किए बगैर वह मानवता की सेवा में लगा रहा, खुद भूखा रहकर उसने दूसरों को भोजन कराया। जरूरतमंदों की जरूरतें पूरी कीं। उसकी इस निःस्वार्थ सेवा से कइयों की आंखों के आंसू पुंछ गए, उनके चेहरों पर मुस्कान आ गई।

अब 2021 आपके स्वागत के लिए बांहें पसारे खड़ा है। हालांकि अभी भी कुछ कटु यादें बाकी हैं, लेकिन उनकी चिंता किए बगैर हमें एक नई राह पर चलना है। ईश्वरीय शक्ति पर तो किसी का भी वश नहीं चलता, पर एक मानव के रूप में तो हम अच्छे और जनहित के काम कर सकते हैं। इससे हमें पीछे नहीं हटना चाहिए। किसी की आंखों से आंसू पोंछना सबसे बड़ा धर्म है।

इस अंक में जीवन को खुशहाल बनाने सम्बन्धी सामग्री दी गई है। अनेक विद्वानों, दार्शनिकों व चिंतकों के लेखों को पत्रिका में संकलित किया गया है। सबने खुश रहने के सूत्रों में इस बात को मुख्य रूप से बताया कि परोपकार से बड़ा कोई पुण्य नहीं। उन्होंने यह भी कहा कि यदि जीवन को खुशहाल बनाना है, तो खुशियों को बांटना शुरू करें। आप जितनी अधिक खुशियां बांटेंगे, जीवन उतना ही खुशहाल बनेगा। इसलिए यदि जीवन में खुश रहना है, तो हर स्थिति में संतुष्ट रहना सीखें। भौतिक वस्तुओं के पीछे भागने से कुछ हासिल नहीं होगा। जो भी आपके पास है, उसमें संतुष्ट रहें।

खुश रहने का एक सूत्र यह भी है कि हम अपने समाज, परिजनों, विशेषकर माता-पिता का विशेष ध्यान रखें। जिस घर में माता-पिता का सम्मान होता है, वहां खुशियां अपने आप बरसने लगती हैं। कुल मिलाकर यह कहा जा सकता है कि खुशियों को कहीं तलाश करने नहीं जाना पड़ता, वह हमारे अंदर ही हैं। साथ ही खुशहाल जीवन जीने के लिए आशावादी होना बहुत जरूरी है। कैसी भी समस्या हो, हमें निराश नहीं होना है, क्योंकि ऐसी कोई समस्या नहीं, जिसका समाधान न हो। इसलिए आत्मविश्वास बनाए रखें।

अंत में एक बात और कहना चाहूंगा कि खुशी के पलों को संजोना सीखें, वर्तमान में जिएं, अतीत को भुला दें, क्योंकि उसमें डूबे रहने से निराशा ही मिलेगी।

सभी को नववर्ष की शुभकामनाएँ!

प्रदीप बाहेती

D.P. Biyani

J B Jewellers
Manglam Jewellers

The Name of Divine Jewellery

Deals in:* *Mfg.& Wholesaler of Diamond Jewellery, Available Certified Diamonds & Precious Stones

Note:- Also Deals in Kundan Meena Jewellery

SIDDHI

329. F-5, Lalaniyon Ka Chowk, Gopal Ji Ka Rasta, Johari Bazar, Jaipur- 302003
(O) 0141-2560108,(M) 9414042208 E-Mail : jbjewellersjaipur@gmail.com

वर्ष 11 | अंक 7 | दिसम्बर, 2020
RNI NO. RAJBIL/2010/36984

2621644
2623500
2621100

जयपुर
माहेश्वरी पत्रिका
JAIPUR MAHESHWARI PATRIKA

प्रशासनिक कार्यालय : तृतीय तल, एम.पी.एस. इंटरनेशनल स्कूल, तिलक नगर, जयपुर
पंजीकृत कार्यालय : श्री माहेश्वरी भवन, सिंधी जी का रास्ता, चौड़ा रास्ता, जयपुर
Email : shrimaheshwarisamaj.jaipur@gmail.com
jmpatrika@gmail.com
Website : www.maheshwarisamajjaipur.com

विशेषांक सम्पादन :
चन्द्रमोहन शारदा
सलाहकार :
रमेश चन्द जाखोटिया
(संगठन मंत्री)
बृजमोहन बाहेती
संध्या चितलांग्या
राजेन्द्र गट्टानी
जयकृष्ण पटवारी
प्रबन्ध सम्पादक :
सुनील अजमेरा (मालवीय नगर)
सह-प्रबन्ध सम्पादक :
विनोद अजमेरा
सह-सम्पादक :
सी.ए. राजकुमार गट्टानी
सी.ए. दिलीप सारड़ा
निरंजन राठी
सतीश नागौरी (टोंकवाला)
किशन स्वरूप कालानी
रमेश सोढानी
पंकज काबरा
प्रवीण भूतड़ा
पंकज चितलांग्या
सम्पादकीय टीम :
सुनील कुमार नौगजा
सुभाष काबरा
द्वारका प्रसाद तापड़िया
कमल किशोर मूंदड़ा
बालकृष्ण जाजू 'बालक'
सी.ए. वरूण धूत
महेश अजमेरा
विज्ञापन समन्वयक :
श्रीकिशन अजमेरा
रामकृष्ण बागला
विज्ञापन सह-संयोजक :
नवलकिशोर माहेश्वरी (टोंकवाला)
अंकुर बल्लभ चितलांगिया
विज्ञापन संकलन टीम :
देवेन्द्र झंवर, गोपाल तामड़ी
जयकुमार चांडक
सी.ए. योगेश जाजू
अरविन्द आगीवाल
अमित चांडक, डॉ. रमेश मालू
साज-सज्जा
कैलाश प्रजापत

आभार : दैनिक भास्कर, राजस्थान पत्रिका
गोपाल लाल मालपानी-महामंत्री द्वारा श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर के लिए प्रकाशक व मुद्रक

गोपाल लाल मालपानी
महामंत्री

सतीश कुमार सारडा
प्रचार मंत्री

रामदास कोठ्यारी
संपादक

नई उमंग, नई खुशियों के संग नववर्ष का स्वागत करें

जीवन एक अनबूझ पहेली है जो कभी चेहरे पर मुस्कराहट लाती है तो कभी रुलाती है। जीवन का नाम ही है ''कभी खुशी कभी गम''। दु:ख से कभी भागों मत, उनका सामना करों क्यों कि दु:ख से जितना दूर भागोगे दु:ख उतना ही आपका पिछा करेगा। सुखी रहना है तो अपनी नजरें बड़े लोगों की हवेली पर नही वरन् गरीब की झोपड़ी पर रखना होगा। आपका खुश रहना ही आपके दुश्मनों के लिये सबसे बड़ी सजा है। सब दु:ख दूर होने के बाद मन प्रसन्न होगा ये आपका भ्रम है। मन प्रसन्न रखो सारे दु:ख स्वत: ही दूर हो जाएंगे।

जिन्दगी कभी किसी की आसान नहीं होती। इसे आसान बनाना पड़ता है, कुछ नजर अंदाज करके, कुछ बर्दाश्त करके और कुछ सही समय पर सही फैसले करके। कर्मभूमि की दुनिया में सभी को श्रम करना पड़ता है क्यों कि भगवान हमें सिर्फ लकीरें देता है, रंग तो हमें स्वयं ही भरना पड़ता है। यदि जीवन में हम बदलाव चाहते है तो महापुरुषों के विचार पढ़ कर नहीं वरन् उनके विचारों पर चलकर ही संभव है। अतीत कभी बदला नहीं जा सकता लेकिन आने वाला कल हमेशा हमारे हाथ में होता है।

जिन्दगी का एक और वर्ष कम हो गया। गत वर्ष की पुरानी यादें पीछे छोड़ गया। कुछ ख्वाहिशें दिल में रह गई, कुछ बिन मांगे मिल गई। कुछ छोड़ कर चले गये, कुछ नये जुड़ेंगे इस सफर में। नया सवेरा, नयी किरण के साथ नववर्ष आपका इन्तजार कर रहा है। आरम्भ का अंत हो जाना, गिनती का नम्बर बदल जाना, वर्तमान का इतिहास बन जाना, उदय होते सूरज का ढल जाना, खिले फूल का डाल से उतर जाना ही तो नया साल है। गुजरे वक्त के अंधेरे को मिटाने, दिलों में नई उम्मीदें एवं नये अरमानों को जगाने, बीते साल के कटु अनुभव एवं विषम परिस्थितियों को भुलाकर नवीन वर्ष की और कदम बढ़ायें। एक नया कोंपल, एक नया जीवन, एक नई उमंग, नई खुशियों के संग, नई आशाओं की छांव देने एवं नये सपनों का संसार बसाने के लिए हम सभी नववर्ष का स्वागत करें।

हमारी कामना हैं कि नये साल में महेश नवमी उत्सव, होली मिलन, दीपावली स्नेह मिलन एवं अन्य सामाजिक कार्यक्रम न केवल पूर्व वर्षो से भी अधिक उत्साह एवं भव्यता के साथ मनायें वरन् एक साथ एकत्रित होकर मनायें। होली मिलन समारोह के अवसर पर चंग एवं ढफ की स्वर लहरियों के साथ ठंडाई पीते हुए धमाल का आनन्द लें। सभी समाज बन्धु 'सामूहिक गोठ' में चूरमा-दाल-बाटी एवं दीपावली स्नेह मिलन पर आयोजित अन्नकूट प्रसादी का अपने सगे-सम्बधियों के साथ फिर से लुत्फ लें, यही महेश भगवान से प्रार्थना है।

पुराने साल की बीती यादों को भुला कर हम सभी नये साल के स्वागत की तैयारी करें। नववर्ष का एक एक पल आप सभी के लिए मंगलमय हो। इसी कामना के साथ.......

रामदास कोठ्यारी
-सम्पादक

HAPPY NEW YEAR 2021

ॐ कैटर्स

A Sweet Shop

(A UNIT OF OM SODHANI)

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं

केसरिया फीणी 450/- KG

गोंद के लड्डू 450/- KG

गाजर का हलवा 360/- KG

मूंग दाल हलवा 400/- KG

गजक तिलपट्टी

स्पेशल दाल पकोड़ी 160/- KG

पिसी हुई पकोड़ी की दाल 100/- KG

PURE DESI GHEE

सांभर स्पेशल फीणी
मिनी फीणी

अमृत पेडा 360/- KG

A Healthy Sweet Made In Milk & Blended With Sugar, Gond, Cashew & Topped With Shredded Coconut

मीठी सोंठ चटनी (आगरा स्पेशल)

350/- KG

हमारी स्वादिष्ट चटनी खाने में लगे च्यवनप्राश, जो बनाये आपके हर पकवान को खास

Kaju Katli	500/-	Per KG
Badam Katli	750/-	Per KG
Gulab Jamun	320/-	Per KG
Rasgulla	220/-	Per KG
Kachori	10/-	
Samosa	10/-	Per Pc.
Pyaz Kachori	15/-	Per Pc.
Mirchi Bada	15/-	Per Pc.
& All Other Sweets Available		Per Pc.

D-2, Om Catters, Jp Colony, Tonk Phatak, Jaipur

Contact:- 96806-58815, 94143-58815

Payment Modes: COD, Card, Paytm, Other UPI Payments

All Covid-19 Measures Are Followed As Per Govt. Regulations

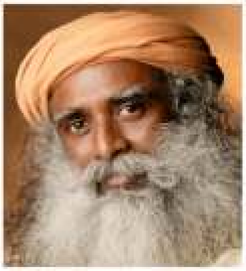

सद्गुरु,
ईशा फाउंडेशन
पद्म विभूषण से सम्मानित
सदगुरु योगी और
बेस्टसेलिंग लेखक हैं।

तीन ऐसी चीजें जो आपको बनाएंगी शानदार इंसान

हम सब शानदार इंसान बनने की कोशिश कर सकते हैं। हम सब शानदार इंसान बन भी सकते हैं। आपको ऐसा करने से कोई नहीं रोक सकता। इसके लिए एक सरल प्रक्रिया अपनाएं। ऐसी तीन चीजें लिखें, जो आपके अनुसार किसी इंसान को एक शानदार इंसान बनाती हैं, फिर उन्हें अपने जीवन की एक सच्चाई बनाएं। उसे अपने जीवन में उतारें।

आपको कोई ऐसा काम नहीं करना जो कोई अन्य व्यक्ति चाहता है। वो करें जो आप चाहते हैं, जो आपको सबसे ऊंचा लगता है। अगर वो नहीं करेंगे, जो आप चाहते हैं तो आपका जीवन व्यर्थ हो जाएगा।

तीन अनजान लोगों को देखकर मुस्कुराएं

सुनिश्चित करें कि आप सड़क पर कम से कम तीन अनजान लोगों को देखकर मुस्कुराएंगे। उन्हें बस एक बड़ी सी मुस्कान दें। कृपया ऐसा करें और अपने आसपास की दुनिया में कुछ रोशनी फैलाएं। ध्यान रखें, मुस्कुराने का मतलब सिर्फ होंठों से नहीं, आपको आंखों से भी मुस्कुराना सीखना होगा।

जीवन ऐसा जिएं कि मरने के बाद आपकी कमी हो महसूस

हो सकता है आप एक बार में अपनी वो सारी सीमाएं, पूर्वधारणाएं और फिजूल की बातें न छोड़ पाएं, जिससे लोग आपसे परेशान होते हैं, पर आप कम से कम एक चीज छोड़कर नई शुरुआत कर सकते हैं।

खुद में कुछ ऐसे बदलाव लाएं कि लोग आपकी उपस्थिति पसंद करें। जब तक जीवित हैं, दूसरे आपके साथ जीना चाहें और जब आप मर जाएं तो वे आपकी कमी महसूस करें।

मृत्यु शैय्या पर बैठें हर रात

हम सभी के लिए समय एक ही गति से खिसक रहा है। आप सोच सकते हैं, 'मैं फिल्म देखने गया', 'मैं खरीददारी करने गया' लेकिन जहां तक आपके शरीर का सवाल है, वह हर कदम और सांस के साथ कब्र के पास जा रहा है।

इसका मतलब मानसिक उन्मादी बनना नहीं है। अगर आप जागरूक हैं कि आप नश्वर हैं, तो आप इस जीवन को बेहतरीन बनाएंगे। अगर भूल जाएंगे कि आप नश्वर हैं तो आप फालतू की चीजें करेंगे, जिनका कोई मतलब नहीं। हर रात इसका सरल अभ्यास करें। सोने जाने से पहले, अपने पलंग पर बैठिए और सोचिए कि ये आपकी मृत्युशैय्या है। आपके पास जीने के लिए सिर्फ एक और मिनट बचा है। पीछे मुड़कर देखिए कि आज आपने जो किया है, क्या वह सार्थक है? क्योंकि अब मैं मर रहा हूं।' अगर आप ऐसा करेंगे तो आप एक सार्थक जीवन जी सकते हैं।

न बनें ज्यादा गंभीर

बर्ट्रेंड रसल ने एक बार कहा था कि अगर आप यह सोचने लगे हैं कि जो आप कर रहे हैं वह ही महत्त्वपूर्ण है तो आपको गंभीरता से छुट्टी पर जाने की जरूरत है। गंभीरता मूल रूप से आपकी आत्म-महत्त्व की भावना से पैदा हुई है। समझिए, इस अनंत ब्रह्माण्ड में आप धूल के एक कण की तरह हैं। इस अनंत सृष्टि में, ये सौर मंडल एक छोटे से कण जैसा है। अगर कल ये सौर मंडल गायब हो जाएं तो सृष्टि में इस पर ध्यान भी नहीं दिया जाएगा। इस छोटे से कण जैसे सौर मंडल में, धरती ग्रह एक बहुत छोटा कण है। इस बहुत छोटे से कण जैसे ग्रह में, जिस शहर में आप रहते हैं, वह एक सूक्ष्म कण है। उसमें, आप एक बड़े आदमी हैं! ये दृष्टिकोण की गंभीर समस्या है।अपने जीवन में थोड़ी सहजता लाएं। थोड़ा ज्यादा हंसें। खुद को अपने आस-पास के लोगों में शामिल करें। बहुत जरूरी है कि आप सरल काम करें। पूरी दुनिया के स्वाभाविक रूप से आध्यात्मिक न होने का एक कारण यह है कि वे अपने जीवन को लेकर ज्यादा गंभीर हैं। अगर वे थोड़ा सा आराम से रहें, अगर वे जीवन आनंद से जी सकें, अगर वे खुद पर हंस सकें, तो वे खुद को और अपने आस-पास की स्थिति को थोड़ी ज्यादा स्पष्टता से देख पाएंगे। अगर आपमें खुद के बारे में और आसपास की दुनिया के बारे में थोड़ी ज्यादा स्पष्टता हो तो आप स्वाभाविक रूप से दुनिया में कोई भी काम करने में ज्यादा सक्षम बन जाएंगे।

JYOTI NURSING HOME
JAIPUR
We Care For Lives

ज्योति हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशियलिटी हॉस्पिटल

NABH ACCREDITED
NABL ACCREDITED

विश्वकर्मा पुलिस थाने के पास, रोड़ नं.– 4, सीकर रोड़, जयपुर – 13

24X7 Helpline 9024490244, 7821008174

डॉ. जे. पी. माहेश्वरी

MS Ortho(SMS Medical College)

जोड़ प्रत्यारोपण, आर्थ्रोस्कोपी एवं जटिल ट्रोमा विशेषज्ञ
22 वर्षों का अनुभव
एम्स दिल्ली से विशेष प्रशिक्षण (जोड़ प्रत्यारोपण)
CEMAST मुम्बई (घुटनें की आर्थ्रोस्कोपी)
KEM मुम्बई (कन्धें की आर्थ्रोस्कोपी)

MRI सरकारी दरों पर

माहेश्वरी परिवार के लिए विशेष छूट

CT SCAN की सुविधा

क्यों चुने हमें ?

- डॉ. जे.पी. माहेश्वरी का लम्बा अनुभव (20+Years)
- पूर्व में किये गये ऑपरेशनों के बढ़िया परिणाम
- उत्कृष्ट फिजियोथैरेपी सेवाऐं
- मॉड्यूलर ऑपरेशन थियेटर
- सर्जिकल आई सी यू
- अनुभवी जोड़ प्रत्यारोपण टीम
- स्टराईल यूनिट (संक्रमण के न्यून्तम अवसर)

SIDDHI

सरकारी एवं अर्द्धसरकारी व प्रमुख इन्श्योरेन्स कम्पनी, CGHS (केन्द्रीय कर्मचारी) ECHS (भूतपूर्व सैनिक) Railway (रेलवे कर्मचारी), अमूल डेयरी, पायस डेयरी, पेंशनर्स सरकारी, आयुष्मान भारत (भामाशाह कार्ड धारक) कम्पनियों से अधिकृत

आइए जिंदगी को बेहतर बनाएं!

क्यों न कुछ नया करने की बजाय जिंदगी को कुछ बेहतर बनाने का संकल्प किया जाए, कुछ ऐसा जो हमें ख़ुशी, सुकून और स्वास्थ्य से सराबोर कर दे।

हम सभी ख़ुश रहना चाहते हैं, पर रोज़ दर रोज़ के तनाव, आपाधापी और अपेक्षाएं हमारा काफी कुछ छीन लेती हैं। हम कई बार क्या सही है, क्या गलत, किसने क्या कहा, क्या नहीं कहा, इसी उधेड़बुन में फंसकर मन का सुकून और शांति खो देते हैं। अब हमें खुशी को बाहरी और भौतिक चीजों में तलाशने की बजाय अपनों की खुशियों पर फ़ोकस करना, ख़ुद से प्रेम करना, हर हाल में सतुष्ट रहना सीखना होगा। जहा खुशी है वहां हंसी और स्वास्थ्य है।

सदियों से संत, गुरु, विशेषज्ञ यही कहते आ रहे हैं कि ख़ुश रहने के लिए कृतज्ञ बनें। कृतज्ञता एक ऐसी अनमोल शैली है, जो न केवल आपको बेहतर इंसान बनाती है, बल्कि आपके आसपास के हर व्यक्ति को अच्छा महसूस कराती है। यह जरूरी नहीं कि केवल अपने सगे-संबंधियों, घरवालों का आभार मानें, बल्कि अपने दोस्त, पड़ोसी, साथ काम करने वाले, आपके लिए काम करने वाले, ड्राइवर, गार्ड, पुलिस आदि को अचानक धन्यवाद दें इससे उनका मन खिल उठेगा।

एक्सेप्टेंस यानी अपने आस-पास के लोगों, परिस्थितियों, जीवनशैली को स्वीकार करने से तनाव कम हो जाता है। हमें इस बात के लिए ख़ुद को तैयार करना होगा कि जो जैसा है, उसे वैसा ही हमें स्वीकार करना है। न हर कोई हमारे हिसाब से होता है और न हमारे मन मुताबिक़ चलता है, स्थितियां भी हमारे नियंत्रण में नहीं रहतीं, इन सब पर किसी का जोर नहीं चलता फिर भी ये सब हमें भीतर तक विचलित करते हैं और हमारी परेशानी का सबब बनते हैं।

क्षमा समस्याओं पर काबू पाने, क्रोध को जीतने, दर्द को दूर करने और पश्चाताप से बचने का सबसे बड़ा हथियार है। प्रसिद्ध दार्शनिक कंफ्यूशियस के अनुसार किसी का बुरा चाहना या किसी के अन्याय का शिकार होना उतना कष्टकर नहीं होता, जितना कि मन ही मन बार-बार उन बातों को याद कर घुटते रहना। इस घुटन से बचने का एक मात्र उपाय यही है कि मन में किसी से भी दुश्मनी या दुर्भाव न रखो और क्षमा कर दो। अहंकार को दफ़ना कर माफ़ करना सीखें आगे बढ़कर गले लगा लें और देखें जीवन कितना हल्का-फुल्का हो जाता है।

अंग्रेजी में एक कहावत है, Fake it until you make it. जी हां मुस्कुराइए नक़ली ही सही, तब तक मुस्कराएं, जब तक यह आपकी आदत न बन जाए। कहते हैं हंसी संक्रामक होती है, जितनी बिखेरोगे उतनी फैलती जाएगी। जब आप हंसते हैं, तो सब आपका साथ देते हैं, रोने में कोई साथ नहीं देता। हंसी स्वास्थ्य के लिए उत्तम उपचार है। हंसी आपको युवा रखती है। इससे आपके व्यक्तित्व में निखार, चेहरे पर कांति, शरीर में रक्त का बढ़िया संचार होता है। चीनी कहावत है कि यदि आप हंस नहीं सकते, तो अपनी दुकान बंद कर लीजिए।

आज के मल्टी टास्किंग वाले इस दौर में हर कोई घर, परिवार, ऑफ़िस के कामों में भागता-दौड़ता रहता है, कहते हैं दौड़ना चाहते हैं तो धीरे चलो, यानी स्लो डाउन। ऐसा कुछ नहीं है, जिसे रोककर न रखा जा सके। हम अपने ही निर्धारित लक्ष्यए टार्गेट, सनकी डेडलाइन्स में खुद को झोंक देते हैं। क्योंकि वक़्त की दौड़ में कोई भी पिछड़ना नहीं चाहता, पर किस क़ीमत पर? हृदय रोग, हाइपर टेंशन, उच्च रक्तचाप या अन्य रोग? सफलता आनंद देती है, किंतु काम और जीवन का संतुलन ज्यादा आनंद से भर देता है। हर दिन कम से कम 10 से 15 मिनट का वक़्त ख़ुद को दें, इस दौरान यूं ही आसमां में उड़ते पक्षियों को निहारें, सूरज का उगना, ढलना देखें या समुद्र किनारे टहलें, तारों या चांद को निहारें, लहलहाते खेतों, पेड़ों पर नजरें टिकाए नाचें, गाएं ध्यान करें या ऐसा कुछ करें जिसमें मजा आए। हर महीने या साल में ब्रेक अवश्य लें। कोई हॉबी पालें, कुछ नया सीखें, जिससे जीवन में नयापन और उत्साह बना रहे। यदि आप जिंदगी से ज्यादा पाने की उम्मीद रखते हैं, तो इसमें ज्यादा निवेश भी करें।

कहते हैं Expectation is mother of tension. हां अपेक्षाएं तनाव को जन्म देती हैं। हम लगातार ख़ुद से और अन्य लोगों से तमाम अपेक्षाएं करते रहते हैं और जब वे पूरी नहीं होती तो परेशानी, दुख और बेचैनी शुरू हो जाती है। ऐसे में जरूरी है कि हम 'लेट गो' यानी ख़ुद से 'ऑल इज वेल' कहना सीखें। स्थितियां हमारे बस में नहीं होती, चीज़ों और लोगों के साथ तालमेल यानी, एडजस्ट करने की आदत डालने पर जीना आसान हो जाता है। कमजोरियों को जानते हुए अपनी खूबियों और अच्छाइयों पर अपना ध्यान रखें, तो जीवन का आनंद बढ़ जाता है। सही समय पर घूमना-फिरना, खाना-पीना, सोना-जागना यानी अनुशासित जीवन आदमी को दवाइयों से दूर रखता है, कार्यक्षमता बढ़ाता है, चुस्त-दुरुस्त रखता है। अपने लाइफ स्टाइल को सुनियोजित करने से हर काम के लिए समय रहता है और हर काम समय पर होता है। जब तक व्यक्ति ख़ुद को मैनेज नहीं करता तब तक बड़ी से बड़ी कुशलता या गहरा अनुभव भी व्यक्ति को प्रभावशाली नहीं बना सकता है।

हमारे 90 प्रतिशत तनाव हमारी 10 प्रतिशत की असावधानी और अव्यवस्था की वजह से होते हैं। व्यवस्थित बनने के लिए तमाम पुरानी चीजें, जिनका सालों तक कोई प्रयोग नहीं हुआ है, उन्हें निकाल देना यानी डिक्लस्टर करना भी जरूरी होता है, साथ ही अपने दिमाग को भी डिक्लस्टर यानी बेवजह की चिंताओं, ख्यालों से मुक्त करने का निरंतर प्रयास करना जरूरी है। जब भी आप खुद को ऐसी स्थिति में पाएं कि आपकी मदद से सकारात्मक परिणाम मिल सकते हैं, तो आगे बढ़कर मदद का हाथ अवश्य बढ़ाएं। किसी को विपत्ति या परेशानी में देखें, तो उसे कतई नजरअंदाज़ न करें। कुछ नहीं तो पुलिस, एंबुलेंस आदि को फ़ोन अवश्य करें, जो किसी को जीवन का वरदान दे सकती है। वक़्त पड़ने पर काम न आने पर आप ख़ुद को शायद जीवन भर माफ़ न कर सकें। आए दिन ऐसी ख़बरें पढ़ने और देखने को मिलती हैं, जहां सरेआम कोई मदद की गुहार कर रहा था और भीड़ देखती रही, साथ ही मानवीयता की मिसाल कायम करने वाली अनगिनत ख़बरें भी दिखाई देती हैं, जो इस दुनिया को एक बेहतर और जीने लायक जगह बनाती हैं।

जीवन बहुत छोटा है, तो क्यों न जीवन को बिना किसी शर्त या सीमा के गले लगाएं? जब आप ख़ुद से और आस-पास से प्रेम करते हैं तो हर पल की क़द्र करना सीख जाते हैं। हर पल की क़ीमत को समझते ही ज्यादा से ज्यादा खुशी हासिल करना आपका लक्ष्य बन जाता है और जीवन उत्सव बन जाता है।

Dr. B. L. Maheshwari
& Vatsal Maheshwari
AQUAPROOF GROUP
AN ISO 9001 : 2015 ★ ISO 14001 : 2004 ★ OHSAS 18001 : 2007 COMPANY
Construction Chemicals Products
Waterproofing
Concrete Protection
Plaster & Putty
Tile & Stone Care
Repairing Products
Sealant
Water Repellent
Industrial Floors
Industrial Grouts
Admixture
Coatings
Epoxy
Home Care Products
Manufacturing Plants :
★ Kalol (Baroda), Gujarat ★ Rajim (Raipur), Chhattisgarh
★ Raila (Bhilwara), Rajasthan ★ Alwar, Rajasthan ★ Ranchi, Jharkhand
AQUAPROOF
Quality Building Material Solutions
Corporate Office: 601, Corporate Arena, Off Aarey Piramal Cross Rd, Goregaon (W), Mumbai - 400062
Tel: 022-28782493/95 Email: info@aquaproofindia.com
Website: www.aquaproofindia.com
Facebook: www.facebook.com/aquaproofindia

सेवा में निर्मल भाव होगा तभी उसका फल मिलेगा

बी.के. शिवानी
ब्रह्मकुमारी

सेवा ही एक ऐसा माध्यम है, जो सभी को जोड़ती है। हमारा सेवा भाव, हमारी एकता और पवित्रता की शक्ति ही इस धरती पर सतयुगी सृष्टि का निर्माण करेगी। एक चीज जो हम सबने बीते महीनों में अनुभव की है कि हम अपने घर के वे सारे काम कर रहे हैं, जिनके लिए हमारे पास सहयोगी हुआ करते थे। अगर कभी कोई छुट्टी ले लेता या देर से आता था तो हम कितने नाराज हो जाते! अभी देखो, हम सब काम कर रहे हैं। अब जब कुछ दिनों बाद सब नॉर्मल हो जाएगा। तो हमें अपना नॉर्मल बदलना है। अगर किसी दिन कोई नहीं आया या कोई लेट आया तो हम उनसे प्यार से बात करेंगे क्योंकि वो हमारे कार्य में सहयोग दे रहे हैं। हम उनसे प्यार से बात करके, उनको तनख्वाह के साथ दुआएं देकर, उनसे सम्मान भरा व्यवहार करेंगे। उनके बारे में सोचेंगे, तो उनका भी व्यवहार बदल जाएगा।

हम वही लोग हैं जो अगर कोई छुट्टी लेता था तो उसकी तनख्वाह काट लिया करते थे। आज हम उनको कह रहे हैं आप घर पर रहो, ध्यान रखो, आपको सैलरी मिल जाएगी। आज इसको समाज कह रहा है, न्यू नॉर्मल। सच में कहा जाए तो यही नॉर्मल है। ये स्वभाव, संस्कार, बात करने का तरीका, दूसरों का ध्यान रखने का तरीका, अपने से पहले दूसरों के बारे में सोचने का तरीका, यह नॉर्मल है और इसे आध्यात्मिक शक्ति कहा जाता है। अब हमें इसमें सिर्फ एक छोटी सी चीज जोड़नी है कि हम सब घर-बाहर का सारा काम कर रहे हैं, औरों के लिए भी कर रहे हैं। हमें सिर्फ उस पर फोकस नहीं करना है, बल्कि हम किस मन:स्थिति से कर रहे हैं, उस पर ध्यान देना है। हमारी मन की स्थिति ठीक होगी तभी हमारे अंदर आध्यात्मिक शक्ति बढ़ेगी।

यदि हम दु:खी, मजबूर होकर कर रहे हैं कि क्या मुसीबत आ गई सिर पर, ये वायरस कब खत्म होगा, मतलब ये भगवान का कहर है...ये तो हमको सजा मिल रही है। अगर हम इस तरह की सोच के साथ कार्य करेंगे तो वो सेवा नहीं होगी और हमारी आत्मिक शक्ति भी नहीं बढ़ेगी। आत्मिक शक्ति बढ़ाने के लिए हमारी हर सोच, हमारे भाव और भावना सही होनी चाहिए। परमात्मा के महावाक्य हैं, सेवा कितनी भी करते हो लेकिन जमा का खाता हुआ या नहीं हुआ उसकी निशानी है तीन शब्द- 'निमित्त भाव, निर्माण भाव और निर्मल वाणी।' ये तीन शब्द चाहिए आत्मिक शक्ति को बढ़ने के लिए। परमात्मा कहते हैं तीनों में से एक भी कम होगा तो सेवा भले कितनी भी करो लेकिन जमा का खाता नहीं होगा, मतलब आत्मा की शक्ति नहीं बढ़ेगी। फिर परमात्मा कहते हैं, सेवा में अहंकार आया तो उससे भी जमा नहीं होता है।

यदि मैं किसी कार्य को करने का निमित्त बनता हूं तो निर्माण भाव स्वत: आ जाता है। जब निर्माण भाव आएगा तो निर्मल वाणी आएगी। जिससे हमारे शब्द बहुत ही मधुर होंगे। ईश्वरीय महावाक्य हैं ये, 'कितनी भी मेहनत करो, रात-दिन भागदौड़ करो, दिमाग चलाओ, लेकिन निमित्त भाव, निर्माण भाव, निर्मल वाणी नहीं हैं तो जमा नहीं होगा। मतलब आपने बहुत मेहनत की, उसका तो बल मिलेगा, लेकिन अगर चिड़चिड़ा रहे हैं, किसी पर स्नैप कर रहे हैं, गुस्सा भी कर रहे हैं, तो आत्मा की पांच प्रतिशत ही शक्ति बढ़ेगी। अगर निमित्त भाव होगा, ह्युमिनिटी होगी, निर्मल वाणी होगी तो फिर पूरा जमा होगा। क्योंकि हमारे हर कर्म से आत्मिक शक्ति बढ़ती है। ये बहुत महत्वपूर्ण है। हम सेवा कर रहे हैं, कुछ महीने नहीं जीवनभर सेवा करेंगे। निमित्त भाव, निर्माण भाव और निर्मल वाणी से किया गया हर वो कार्य सेवा होता है जो हम करते हैं।

एक होता है कल्याण की भावना से सेवा करना और दूसरा होता है स्वार्थ से सेवा। मतलब स्व के अर्थ मतलब मेरे प्रति कुछ होना चाहिए। अब एनर्जी एक ही दिशा में फ्लो हो सकती है या तो देने की एनर्जी या तो मुझे कुछ चाहिए उसकी एनर्जी। इसमें लेने की एनर्जी आ गई। तो ये स्व अर्थ हो गया। इसलिए उसको स्वार्थ कहते हैं। सेवा नि:स्वार्थ होनी चाहिए मतलब जिसमें स्व अर्थ कुछ नहीं है। तब उस सेवा की एनर्जी, उस सेवा की शक्ति, सिर्फ देने की ही दिशा में फ्लो करेगी। तब हमारी आत्मा की शक्ति बढ़ेगी और पुण्य का खाता जमा होगा।

सेवा नि:स्वार्थ होनी चाहिए मतलब जिसमें स्व अर्थ कुछ नहीं है। सेवा में अहंकार आया तो उससे भी जमा नहीं होता है।

•••••

स्वभाव, संस्कार, बात करने का तरीका, दूसरों का ध्यान रखने का तरीका, अपने से पहले दूसरों के बारे में सोचने का तरीका, यह नॉर्मल है और इसे आध्यात्मिक शक्ति कहा जाता है।

•••••

सेवा कितनी भी करते हो लेकिन जमा का खाता हुआ या नहीं हुआ उसकी निशानी है तीन शब्द- 'निमित्त भाव, निर्माण भाव और निर्मल वाणी।'

ज़िंदगी हमारी परीक्षा लेती है ताकि हम बदलाव ला सकें

महात्रया रा
आध्यात्मिक गुरु

महान प्रेरणादायी कहानियों के लिए हमें इतिहास की किताबों की जरूरत नहीं है। वे हमारे आस-पास ही हैं।

•••••

जिंदगी विचारों के स्तर पर परीक्षा लेती है। यह आपको मानसिक रूप से अस्थिर या व्यथित करेगी। वह यह देखना चाहती है कि जो बदलाव आप लाना चाहते हैं, आप उसके योग्य हैं या नहीं और उसे लाने में सक्षम हैं या नहीं।

•••••

जब हम यह साबित कर देते हैं कि हम क्या कर सकते हैं, जिंदगी हमारे सामने झुक जाती है।

ज़िंदगी कई बार हमारी परीक्षा लेती है। कई बार वह शरीर की परीक्षा लेती है। यह कोई बीमारी हो सकती है या कोई चोट। फिर जिंदगी विचारों के स्तर पर आपकी परीक्षा लेती है। यह आपको मानसिक रूप से अस्थिर करेगी। आप किसी एक दिशा में सोच रहे होंगे कि अचानक उसमें कोई व्यवधान आ जाएगा, विचारों को कोई बाधित कर देगा। इससे विचारों का सिलसिला टूट जाएगा, उनका पैटर्न बदल जाएगा। कभी-कभी ऐसा होना आपके मूल्य तंत्र को भी चुनौती देगा। इस संसार में अयोग्य या बिना शर्त बदलाव जैसा कुछ नहीं है। उदाहरण के लिए मान लीजिए कि आप सारे जीवन में झूठ बोलते रहे और सबकुछ सही चल रहा था। लेकिन एक दिन किसी गलती के बाद आपने तय किया कि अब हमेशा सच बोलना है। यह तय करते ही कोई चुनौती सामने आ जाएगी। आपका मन तुरंत ललचाएगा कि आप झूठ बोलकर इस स्थिति से बच सकते हैं। लेकिन सच बोलते हैं तो ढाई लाख रुपए जुर्माना चुकाना होगा। हमेशा ही ऐसी कोई चुनौती आएगी।

वास्तव में आपको कभी ईश्वर पर आस्था नहीं थी और जिंदगी में सबकुछ ठीक-ठाक चल रहा था। और अचानक आपके जीवन में यह आस्था का कारक आया और आपके अंदर बहुत सारी आस्था जागी। उसके बाद हो सकता है कि ऐसा हो कि आप जो चाहते थे, वह जीवन में तब न मिले। फिर आप ये सोचने लगते हैं कि क्या आस्था वाकई में काम करती है, क्या इसका कोई अर्थ है? इसीलिए बिना शर्त के, अयोग्य बदलाव जैसा कुछ भी नहीं है।

जिंदगी के हर पहलू में आप सोचेंगे कि आप खुद में बदलाव लाए हैं, और जिंदगी तुरंत आपके बदलाव की परीक्षा के लिए कोई अनुभव दे देती है। इस परीक्षा में कई लोग टूट जाते हैं, लेकिन कुछ इसे पार भी करते हैं। इसे एक उदाहरण से समझते हैं। जब बीज धरती में बोया जाता है, तब धरती कभी भी किसी बीज के प्रति दयावान नहीं रहती। वास्तव में धरती बीज की मदद नहीं कर सकती, बल्कि वह तो उसके खिलाफ काम करती है। धरती बीज पर जो दबाव डालती है, उसी से उसमें अंकुर फूटते हैं। यानी बीज को धरती के विरुद्ध होना ही पड़ता है। अगर धरती बीज के प्रति नरमी बरते तो अंकुरण होगा ही नहीं। और कई बीज धरती का दबाव नहीं झेल पाते और मर जाते हैं। हम उनके बारे में कभी नहीं जान पाते। लेकिन कुछ बीज धरती का दबाव झेलते हैं और छोटी-सी, नाजुक-सी हरी कोपल बाहर आती है। फिर यह अजीब बात होती है कि जो धरती अब तक उस बीज के खिलाफ काम कर रही थी, वह बीज के लिए काम करने लगती है और उसकी पेड़ बनने में मदद करती है। यानी जब तक आप साबित नहीं करते कि आपकी क्या क्षमता है, वह आपके विरुद्ध काम करती है। एक बार आप साबित कर देते हैं कि आप क्या कर सकते हैं, तो वह आपके पक्ष में काम करने लगती है और एक खूबसूरत संरचना तैयार हो जाती है।

ऐसा ही जिंदगी के साथ होता है। वह आपको चुनौती देती है, परीक्षा लेती है, वह चाहती है कि आप बदलाव के योग्य बनें। एक बार आप बदलाव साबित कर देते हैं, तो वह जिंदगी जो आपके खिलाफ काम कर रही थी, आपका साथ देने लगती है। इसीलिए वह आपके मूल्यों की परीक्षा लेती है, आपकी भावनाओं को चुनौती देती है। जिंदगी कई बार भावनात्मक रूप से खलबली मचा देती है। और फिर वह एक गलती करती है। जिंदगी इंसान की आत्मा, उसके उत्साह को चुनौती देती है। और जब वह ऐसा करती है तो इंसान का बड़प्पन, उसकी महानता, उसकी क्षमता आपके अंदर से उभरती है और बताती है कि आप क्या कर सकते हैं। पहली बार जिंदगी किसी व्यक्ति के आगे झुकती है।

जब आप इंसानों का उत्साह देखते हैं कि वे जिंदगी की चुनौतियों से लड़ते हैं और जिस तरह से उनसे उबरते हैं, वे महान प्रेरणादायी कहानियां बन जाती हैं। इनके लिए आपको इतिहास की किताबें पढ़ने की जरूरत नहीं है। अपने आसपास देखिए, अपने परिवार में देखिए। हम जिन लोगों के साथ रहते हैं उन्हीं के बीच इतनी प्रेरणा है कि वे हमें जिंदगी में कुछ बड़ा हासिल करने के लिए प्रेरित कर सकते हैं। बस हमें इंसान की आत्मा की शक्ति, उसके उत्साह ही शक्ति का इस्तेमाल करने की जरूरत है।

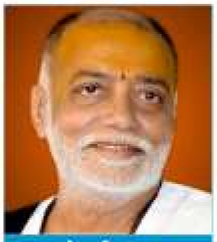

मोरारी बापू
आध्यात्मिक गुरु
और राम कथाकार

जीवन में यश मिले, तो उसे दूसरों को समर्पित कर दें

जीवन विधाता के हाथ में है लेकिन सहजीवन हमारे हाथ है। हम संयुक्त हैं, सामूहिक साधना हमारे हाथ है। मरण विधाता के हाथ में है।

•••••

हानि-लाभ, जीवन-मरण, यश-अपयश ....ये छह वस्तुएं विधाता के हाथ में हैं। लेकिन इन छह बातों से जुड़े दूसरे पहलू हमारे हाथ में हैं।

•••••

जिसके जीवन में ज्ञान और विज्ञान का सम्मिलन है। जिसे ज्ञान और विज्ञान, दोनों का अनुभव है। यही महामुनि होने के लक्षण हैं।

रामचरित मानस में दशरथजी के मृत्यु के प्रसंग 'मानस' कार कहते हैं कि विलाप में ही रात बीत गई। और फिर महामुनि आए। यहां महामुनि के रूप में वशिष्ठजी की ओर संकेत है। वशिष्ठजी महामुनि हैं। इसे यूं भी समझ सकते हैं : समाज में जो विशिष्ट है, वो वशिष्ठ है। इतना ही नहीं, समाज में जो वरिष्ठ है वो वशिष्ठ है। समाज में जो वरिष्ठ हो, विशिष्ट हो उसको पहचानना थोड़ा मुश्किल हो सकता है। क्योंकि इसकी पहचान के लिए राग-द्वेषमुक्त आंखें चाहिए। राग होगा तो आसक्ति हो जाएगी। इसी तरह अगर द्वेष होगा तो शत्रुता पैदा हो जाएगी।

रामचरित मानस में दशरथजी की मृत्यु के पश्चात भरत को आश्वासन देते हुए वशिष्ठजी का एक दूसरा रूप हमारे सामने आता है, वहां वशिष्ठजी कैसे दिखते हैं?

सुनहु भरत भावी प्रबल बिलखि कहेउ मुनिनाथ।
हानि लाभु जीवन मरनु जसु अपजसु बिधि हाथ।।

भरतजी बहुत रोए कि मेरे भाई और मेरे पिता चले गए। वशिष्ठजी ने भरत के कंधे पर हाथ रखा और प्राथमिक रूप से समझाया- हे भरत! छह वस्तु विधि के हाथ में हैं। हानि-लाभ, जीवन-मरन, यश-अपयश....। यह वशिष्ठजी का एक और रूप है। हालांकि, महामुनि होना तब सिद्ध होता है, जब हम भी इन छह वस्तुओं को किसी और दृष्टि से देखें। हानि विधाता के हाथ है, लेकिन कुछ भी हो 'मैं ठानी'। यानी यह बात मैंने ठानी है। इसी सोच का होना महामुनि होना है। आपने कोई कार्य किया, और उसमें हानि हो गई। तो वो हानि चलेगी, लेकिन ग्लानि नहीं चलेगी। यानी आप अपने प्रयास में लगे रहिए।

आइंस्टीन एक प्रयोग में लगे हुए थे। बार-बार प्रयास के बाद भी विफल हो रहे थे। ऐसे में उनके सहयोगी ने कई बार कहा- अब इस प्रयोग को त्याग देना चाहिए। लेकिन आइंस्टीन ने कुछ तय किया हुआ था। उन्होंने अपने सहयोगी से इतना ही कहा- तुम्हारी उम्र अभी सिर्फ 20 साल की है और तुम इतनी जल्दी बूढ़े हो गए। हानि भले ही विधाता के हाथ में हो सकती है, लेकिन हमारा कर्त्तव्य यही है कि हम कुछ ठानकर कार्य करते रहें। अब लाभ की बात। लाभ भी विधाता के हाथ में हो सकता है, लेकिन शुभ कार्य हमारे हाथ में है। हम लाभ के पीछे पड़े हैं। लेकिन हमें ध्यान रखना चाहिए कि प्रत्येक लाभ शुभ नहीं होता। प्रत्येक शुभ, लाभ जरूर होता है। लाभ भले ही हमारे हाथ में नहीं है। लेकिन शुभ तो हमारे हाथ में है।

जीवन विधाता के हाथ में है लेकिन सहजीवन हमारे हाथ है। संजीवनी हमारे हाथ में है। बिनोबा के सूत्र देखो, हम संयुक्त हैं, सामूहिक साधना हमारे हाथ है। मरण विधाता के हाथ में है। देह विलय तो प्रारब्ध के हाथ की वस्तु थी, लेकिन 'विठ्ठल विठ्ठल' तो तुकाराम के हाथ की वस्तु थी। 'राम हरि' बिनोबा के हाथ की वस्तु थी। 'हे राम' गांधीजी के हाथ की वस्तु थी।

इसी तरह देखिए- जय जयकार श्रीराम की हुई। लेकिन जैसे ही श्रीराम को यह यश मिला। उन्होंने तुरंत कहा- 'हे भालू! हे बंदर! ये यश मैं आपको देता हूं।' आज स्थिति यह है कि हम दूसरों का यश भी छीन लेते हैं। भूल चाहे दूसरे की हो, लेकिन क्षमाशीलता के कारण यह अपयश हम अपने हाथ ले सकते हैं। हानि-लाभ, जन्म-मरण, यश-अपयश, ये भले ही विधाता के हाथ है, लेकिन उसके दूसरे पहलू हमारे हाथ में है। और ये जो हमारे हाथ में है, उसे कोई बिरले महापुरुष ही करके दिखाते हैं। जो यह कर पाते हैं। वे सब महामुनि हैं। महामुनि द्वारा सकारात्मक सोच जीवन के लिए बहुत बड़ा संबल बन सकती है।

तो पुनः रामचरित मानस की ओर लौटते हैं। वशिष्ठजी शोकमय वातावरण में जब आते हैं। तो सभी को ढांढस बंधाते हैं। सभी का शोक निवारण करते हैं। जिसको अपने ज्ञान का और विज्ञान का अनुभव है। जिसके जीवन में अध्यात्म और विज्ञान का सम्मिलन हुआ है। जो दूसरों से यह कह सके कि मत रो...। जो अपने ज्ञान से सभी का शोक हर ले। यही महामुनि के लक्षण हैं।

खुद को दोगुनी शक्ति से रीलॉन्च करने का समय है।

गौर गोपाल दास

अंतर्राष्ट्रीय जीवन गुरु

निराशा में हम परिस्थिति का सामना करने में अक्षम हो जाते हैं। लेकिन यह कहना आसान है कि उम्मीद बनाए रखें। अभी उम्मीद केवल भावना केंद्रित नहीं बल्कि इतिहास केंद्रित होनी चाहिए। एक पुराना गीत है, 'गम की अंधेरी रात में दिल को न बेकरार कर, सुबह जरूर आएगी सुबह का इंतजार कर।' सुबह का इंतजार करना होगा। लेकिन वह अपने हिसाब से होगी। इसी तरह परिस्थितियां अपने हिसाब से बदलती हैं। दुनिया में ऐसी महामारियां, समस्याएं पहले भी आ चुकी हैं और हम इनसे बाहर निकले हैं। यही इतिहास केंद्रित उम्मीद है।

फिर न्यू नॉर्मल अपनाना हमारे लिए कौनसी नई बात है। जैसे पहले बैलगाड़ी थी, फिर गाड़ी आई, फिर रेलगाड़ी आई, हवाईजहाज आया, हम सब अपनाते गए। शुरुआत में थोड़ी कठिनाई हुई, लेकिन हम थोड़ी मेहनत से, थोड़ी अनुकूलता लाकर उसे अपना लेते हैं। पहले औद्योगिक क्रांति आई, तब लोग जीने के लिए नौकरी करते थे। फिर आईटी क्रांति आई, लोग जीवनस्तर बेहतर बनाने के लिए नौकरी करने लगे। अब हम डिजिटल और सोशल क्रांति को अपना रहे हैं। कितनी बार हमारा नॉर्मल बदला है और हमने न्यू नॉर्मल अपनाया है। मैं अक्सर कहता हूं, 'अपने विचारों पर ध्यान दें, वे शब्दों में बदलते हैं। शब्दों पर ध्यान दें, वे कार्य में बदलते हैं। कार्यों पर ध्यान दें, वे आदत में बदलते हैं। आदतों पर ध्यान दें, वे चरित्र में बदलती हैं और अपने चरित्र पर ध्यान दें, यह आपकी किस्मत बदलता है।' यानी सबकुछ विचारों से शुरू होता है। इसलिए उन्हें बदलना जरूरी है। हम जितना अपनी क्षमता को पहचानेंगे, उतना ही हम जीवन को रीडिजाइन और रीस्टार्ट कर पाएंगे।

स्टीव जॉब्स ने अपने एक भाषण में बताया था कि जब उन्होंने एपल इंकॉर्पोरेशन की शुरुआत की तो कई लोगों को नियुक्त कर बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स बनाया और इसी बोर्ड ने मिलकर स्टीव को बाहर निकाल दिया। वे निराश हो सकते थे। जिन लोगों को नौकरी दी, उन्हीं ने आपको, आपकी ही कंपनी से निकाल दिया। लेकिन स्टीव ने अपने रिश्तों, जीवन, पेशेवर कामकाज, आध्यात्म पर काम किया। वे 10 साल एपल से दूर थे। इसी दौरान शादी हुई, पिक्सार और नेक्स्ट एनिमेशन बना, आध्यात्मिक जीवन पर भी काम किया। वे भारत आकर नीम करौली बाबा से मिले। यानी 10 सालों में उन्होंने अपने लिए भावनात्मक, पेशेवर और आध्यात्मिक सहारा बना लिया। उन्हें बढ़ता देख बोर्ड ने उन्हें वापस ले लिया। तो मुझे लगता है कि आप भी दोगुनी ताकत व ऊर्जा से जीवन को रीस्टार्ट कर सकते हैं।

सुबह का इंतजार करना होगा। जिंदगीभर रात नहीं रहेगी। लेकिन सुबह अपने हिसाब से होती है, हमारे हिसाब से नहीं।

• • • • •

जब हम खुद के लिए कुछ चुनते हैं तो सकारात्मकता आती है। जैसे जब डॉक्टर कुछ खाने से मना करे तो कुंठा होती है। लेकिन खुद चुनते हैं कि डाइटिंग करना है तो हम उम्मीद के साथ आगे बढ़ते हैं।

सीख- *लंबे इंतजार से निराशा होती है। हमें धैर्य की जरूरत है। लेकिन धीरज का मतलब केवल इंतजार करना नहीं होता बल्कि इंतजार के दौरान सही मनोभाव रखना भी होता है।*

पवित्र संदेश

श्रीमद्वाल्मीकीय रामायण से

बुद्धिमान कौन है? एक बुद्धिमान व्यक्ति को त्रासदी का अनुमान लगाकर उसे रोकने के लिए कदम उठाना चाहिए। तभी वह सुरक्षित और अच्छा जीवन जी सकता है।

आनंद

बड़ी समस्या का आसान समाधान

एक आदमी को दुनिया का कोई भी ताला खोलने में महारत हासिल थी। कितना ही जटिल लॉक हो, वह खोल लेता था। उसके हुनर के प्रदर्शन के लिए लोगों ने एक कार्यक्रम रखा, जिसमें आदमी को चेंबर में बंद कर लॉक कर दिया गया और चेंबर पानी में डाल दिया। आदमी को चेंबर के दरवाजे में लगे लॉक को खोलकर बाहर आने की चुनौती दी गई थी, जिसे उसने स्वीकार कर लिया। चेंबर में एक इमरजेंसी अलार्म भी था, जिसे आदमी लॉक न खोल पाने की स्थिति में बजा सकता था। खेल शुरू हुआ। आदमी ने तार निकाला और लॉक के छेद में डालना शुरू किया। पर इस बार उसे ज्यादा समय लग रहा था। धीरे-धीरे उसका दम घुटने लगा पर लॉक नहीं खुला। उसने हार मानते हुए अलार्म बजा दिया। चेंबर पानी से निकाला जा रहा था। हार से निराश आदमी दरवाजे से टिककर बैठ गया। जैसे ही चेंबर बाहर निकला, दरवाजा अपने आप खुल गया। तब उस आदमी को अहसास हुआ कि दरअसल चेंबर लॉक था ही नहीं। लेकिन उसने एक बार भी नहीं सोचा कि लॉक खुला भी हो सकता है।

सीख : कभी-कभी समाधान आसान होता है, लेकिन हम ज्यादा सोचने के कारण उस पर ध्यान ही नहीं देते।

प्रेरणा

- आपके व्यक्तित्व और खूबसूरती में निखार लाने का एक आसान तरीका है मुस्कुराहट।
  -जवाहरलाल नेहरू
- पहले अपने मित्र बनें, फिर किसी और के मित्र बन सकते हैं। -स्वामी विवेकानंद
- महान लोग आपको इस बात की अनुभूति कराते हैं कि आप भी वास्तव में महान बन सकते हैं।
  -मार्क ट्वेन

संकल्प की शक्ति से खत्म हो सकती है निगेटिविटी

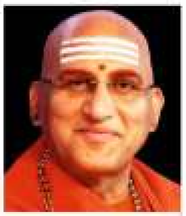

आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरी

जूना पीठाधीश्वर

आशा अनंत ऊर्जा का स्रोत है। सकारात्मक व्यक्ति हर परिस्थिति में भी अनुकूलता ढूंढ लेता है। विकट हालातों की यही सर्वोत्तम चाबी है।

• • • • •

जैसे ही हम सकारात्मक होते हैं वैसे ही सम्पूर्ण प्रकृति सहायक होने लगती है। सकारात्मकता ही जीवन सिद्धि का मूल मंत्र है।

इस वैश्विक संकट ने हमारी सम्पूर्ण जीवनचर्या को विराम दे दिया है। समूचा विश्व इस वायरस का इलाज खोज रहा है। कोविड-19 ने संपूर्ण विश्व में असुरक्षा का भाव व्याप्त कर दिया है। लॉकडाउन के इस काल में तनाव, व्याकुलता एवं अवसाद तेजी से उभर कर सामने आ रहा है। इसी नकारात्मकता के बीच भारतीय धर्म दर्शन व आध्यात्म के उज्ज्वल पक्ष सामने आ रहे हैं।

भारत सहित समूची दुनिया ने फिलहाल लॉकडाउन के रूप में तात्कालिक हल खोजा है। इससे एक हद तक सफलता भी मिली है। लेकिन लॉकडाउन की सबसे बड़ी चुनौती स्वयं को स्वस्थ और संतुलित बनाए रखने की है। आध्यात्मिक जीवन शैली ने हम भारतीयों को सिखाया है कि प्रतिकूल परिस्थितियां कष्टकारक तो होती हैं, लेकिन सकारात्मकता और आत्मविश्वास के सामने ये प्रतिकूल परिस्थितियां टिक नहीं पातीं। जैसे स्वर्ण तपकर ही मूल्यवान बनता है। वैसे ही धैर्य और संयम के साथ इन विषमताओं का सामना करेंगे तो अवसर भी उभरेंगे। और यदि आपके भीतर प्रतिकूलता में छिपे अवसर को पढ़ने और समझने की दृष्टि है तो नि:संदेह ये विपरीत स्थितियां भी एक अवसर ही है। प्रतियोगी परीक्षाओं में वही प्रतिभागी उत्तीर्ण होता है, जो दिन के प्रकाश और रात्रि के घनघोर अंधकार में अंतर किए बिना अपने लक्ष्य सिद्धि हेतु तत्पर रहता है। नि:संदेह वर्तमान समय कठिन परीक्षा का है। लेकिन हमें यह समझना होगा कि इसी लॉकडाउन ने स्नेह, आत्मीयता का अभूतपूर्व अनुभव कराया है।

लॉकडाउन ने हमें फिर से प्राकृतिक जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित किया है। जरा सोचकर देखिए, इस लड़ाई में सकारात्मकता, आत्मविश्वास और संयम ही सबसे कारगर शस्त्र साबित हुए हैं। हमारे अन्त:करण में सकारात्मकता, आत्म-संयम और अनुशासनात्मक दृष्टिकोण का जो अभ्यास हुआ है, वही हमारी सबसे बड़ी उपलब्धि और सामर्थ्य है। हम अपने साथ कुछ अनुभवों की पूंजी समेटने में भी सफल हुए हैं। अब जरूरत यह है कि हम अपने इन विचार मूल्यों को संभाल कर रखें। सकारात्मक विचारों में अद्वितीय सामर्थ्य है।

रात्रि के घनघोर तिमिर में भी चन्द्रमा शीतलता-प्रकाश देता है, इसी तरह विषम परिस्थितियां कष्टप्रद प्रतीत होती हैं किन्तु उनमें अनेक अवसर छिपे होते हैं। हमें सिर्फ अवसर पहचानने की दृष्टि चाहिए। इसलिए निराशा से बाहर निकलिए। जीवन में सफलता का मूल मंत्र सिर्फ सकारात्मकता है।

सीख- *हमारा जीवन अंतहीन संभावनाओं से भरा हुआ है। इससे पहले भी अनेक विषमताएं और कठिनाइयां हमारे जीवन में आई हैं। लेकिन वे बड़ा अवसर भी सिद्ध हुई हैं।*

पवित्र संदेश

अथर्ववेद से

सही रास्ता कौन-सा है? दूसरों को देखकर अपना रास्ता न चुनें। अपने मन को जागृत करें, अपने अनुभवों को इकट्ठा करें और अपने लिए रास्ता स्वयं तय करें।

आनंद

झूठ का सहारा लेने से चीजें उलझती हैं

तीन साधु ज्ञान की खोज में हिमालय पहुंचे। रास्ते में लोगों से जो मिलता खा लेते। एक दिन सिर्फ दो रोटियां बचीं। उन्होंने तय किया कि वे भूखे सोएंगे। सपने में आकर ईश्वर जिसे रोटी खाने का संकेत देंगे, वही रोटियां खाएगा। आधी रात के बाद अचानक तीनों उठकर एक-दूसरे को अपना सपना सुनाने लगे। पहले ने कहा, 'मैं सपने में एक दिव्य स्थल पहुंचा। वहां ईश्वर ने मुझसे कहा तुमने जीवनभर त्याग किए हैं, इसलिए ये रोटियां तुम्हारी हैं।' दूसरे साधु ने सपना सुनाया, 'मैंने देखा कि ईश्वर प्रकट हुए और बोले, 'कठिन तपस्या कर तुम औरों से श्रेष्ठ हो गए हो। इसलिए रोटियां तुम्हारी हैं।' अब तीसरे साधु की बारी थी। उसने कहा, 'मुझे सपने में न ईश्वर मिले, न ही उन्होंने मुझे रोटियां खाने को कहा। आधी रात को अचानक भूख से मेरी नींद खुली और मैंने रोटियां खा लीं।' दोनों साधु चिल्लाए, 'तुमने हमें क्यों नहीं बताया?' 'कैसे बताता, तुम दोनों गहरी नींद में ईश्वर से साक्षात्कार में लगे थे। मुझे ईश्वर ने तीव्र भूख का अनुभव कराया और मेरी नींद खुल गई। यही संकेत पर्याप्त था कि मुझे रोटियां खा लेनी चाहिए!'

सीख : सहज प्रतिक्रिया हमें सही रास्ता दिखाती है। चीजें उलझाने या झूठ का सहारा लेने से बात बिगड़ती है।

प्रेरणा

- कामनाएं समुद्र की तरह अतृप्त हैं। पूर्ति का प्रयास करने पर उनका कोलाहल और बढ़ता है। **-स्वामी विवेकानंद**
- विद्वता आश्चर्य के साथ शुरू होती है। **-सुकरात**
- दौलत और पद मिलने पर जो विवेकहीन न हो और छिनने पर विक्षिप्त न हो, वही मनुष्य सही ज्ञानी है। **-तुलसीदास**

प्रकृति नई हो रही है, क्या हम नया नहीं कर सकते ?

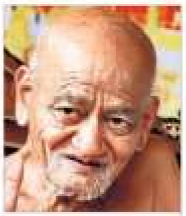

आचार्य श्री विद्यासागरजी महाराज

एक वृक्ष धूप, हवा, सर्दी, गर्मी, वर्षा, सभी को समता से सहन करता है, फिर हम शिकायत क्यों करते हैं? हमें भी शारीरिक-मानसिक प्रतिकूलता को प्रसन्न रहते हुए सहना चाहिए। यह देखना चाहिए कि इस संकट ने क्या सिखाया है।

• • • • •

संसार का प्रत्येक प्राणी कष्ट से बचना चाहता है, लेकिन कष्ट के कारणों से नहीं बचना चाहता। अब हम कष्ट के कारण से बचना सीख रहे हैं, क्योंकि हमें कष्ट यानी बीमारी से बचना है। ध्यान रखिए कर्म हमने बांधा है तो उदय का रास्ता भी हम ही बनाएंगे।

मनुष्य का इतिहास देखेंगे तो पाएंगे कि कितनी भी विकट परिस्थितियां हों, जीने की इच्छा इतनी बलवती रही है कि उसने हर हताशा और निराशा को परास्त किया है। उठकर, जीवन की ओर नई आशा से, नई ऊर्जा से देखा है। हर विपत्ति का हमने धैर्य, विवेक और कर्मठता से सामना किया है। हताश और निराश होने की आवश्यकता नहीं क्योंकि हममें जीने की अथक जिजीविषा है।

यह समय हमें नए अनुभव दे रहा है। थोड़ा ठहरकर ध्यान लगाकर इसे देखने की कोशिश कीजिए। हमें ऐसा ध्यान लगाना है, जो आत्मकल्याण में सहायक हो और इसके लिए बैठकर आत्मचिंतन करना होगा। अपने प्रति, अपने परिवार के प्रति और दूसरों के प्रति, देश के प्रति। संघर्षमय जीवन का उपसंहार ही हर्षमय होता है। एक-दूसरे के प्रति प्रेम ही जीवन की सार्थकता है। इसलिए पहले आपको चिंता का त्याग करना है। इसमें बहुत ऊर्जा और समय नष्ट होता है। इसलिए चिंता छोड़ो, साहस को जोड़ो। जब आप यात्रा करते हैं और गाड़ी खराब हो जाती है तो क्या करते हैं? यात्रा रोककर गाड़ी ठीक करते हैं और फिर आगे की ओर बढ़ते हैं। मानकर चलिए कि हम अभी ऐसी ही यात्रा में हैं। हमें इसे मिलकर ठीक करना है। साहस से ही गाड़ी आगे की ओर बढ़ चलेगी। लेकिन इसके लिए अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। अगर रास्ते बंद हैं तो इनका भी मूल्य समझिए, हम जीवन को फिर से नए ढंग से जीना सीख रहे हैं।

क्या हम इस शांत और रुके समय में स्वयं को साहस के साथ नया नहीं कर सकते? बदल नहीं सकते? धैर्य और संयम के साथ विवेक और कर्मठता के साथ। अब लोगों को मालूम पड़ रहा है कि संयम का क्या महत्व है। जैसे ऑपरेशन थिएटर में हर किसी को प्रवेश नहीं मिलता, डॉक्टर भी पूर्ण संक्रमणरहित होकर ही भीतर जाते हैं, ऐसे ही हमें व्यवहार में भी अपनाना चाहिए।

दरअसल सिर्फ प्रकृति के साथ तालमेल रखने वाला व्यक्ति ही हर्ष का जीवन बिता सकता है। हर्षमय जीवन का एक अर्थ यह भी है कि एक-दूसरे से ऐसे प्रेम करो कि स्वर्ग भी धरती पर आने को आतुर हो जाए। और यह प्रेम सिर्फ मनुष्य के साथ ही नहीं, पेड़-पौधों, जीव-जंतुओं, हवा और पानी से भी हो। इसी प्रेम से धरती पर स्वर्ग आएगा। अहिंसा का सिद्धांत इसके मूल में है। प्रकृति में रहने वाला मनुष्य ही अपनी आत्मा का उद्धार कर सकता है। प्रकृति विरुद्ध आचरण करने वाला कितना भी ज्ञान प्राप्त क्यों न कर ले, वह ज्ञान उसके किसी काम नहीं आता है।

सीख- आज सोशल डिस्टेंसिंग की बात हो रही है। परीक्षा के समय भी तीन-तीन हाथ दूर बिठाया जाता है। आज भारत एक साथ परीक्षा देने बैठा है। दूर रहकर ही हमें ये प्रश्न हल करने हैं।

पवित्र संदेश

ऋग्वेद से

ईश्वर का सच्चा भक्त कौन है? प्रभु का सच्चा भक्त वही है, जो अपने शरीर को अच्छा यानी स्वस्थ रखने की कामना करता और उसके लिए नियमित जतन करता है।

आनंद

सफलता के लिए साहस जरूरी है

कोलंबस जब अपनी महान यात्रा पर निकले तो गांव के सभी नाविक उत्साहित थे। लेकिन फ्रोज डरा हुआ था और सभी को जहाज के लंबे सफर को लेकर डरा रहा था। नाविकों में पिजारो नाम का साहसी नाविक भी था। फ्रोज ने उसे भी डराने की कोशिश की। उसने पिजारो से पूछा, तुम्हारे पिता की मृत्यु कहां हुई थी?' पिजारो बोला, 'समुद्र में, तूफान में फंसकर।' फ्रोज बोला, 'और तुम्हारे दादा, परदादा?' पिजारो ने जवाब दिया, वे दोनों भी समुद्र में डूबकर मरे।' तब फ्रोज तंज भरे लहजे में बोला, 'जब तुम्हारे सारे पूर्वज समुद्र में डूबकर मरे तो तुम कोलंबस के साथ जहाज पर जाने की मूर्खता क्यों कर रहे हो।' इस पर पिजारो बोला, 'अच्छा तुम्हारे पिताजी कहां मरे थे?' फ्रोज बोला, 'अपने बिस्तर पर।' पिजारो ने फिर पूछा, 'और तुम्हारे दादा, परदादा?' फ्रोज गर्व से बोला, 'वे भी बिस्तर पर सोते-सोते ही मर गए।' अब तंज की बारी पिजारो की थी। वह बोला, 'जब तुम्हारे सारे पूर्वज बिस्तर पर मरे, तो तुम रोज बिस्तर पर जाने की मूर्खता क्यों करते हो?'

सीख : दूसरे की असफलता देखकर पीछे हटने की बजाय साहस अपनाकर कुछ भी हासिल कर सकते हैं।

प्रेरणा

- मनुष्य का जीवन एक महानदी की तरह है, जो अपने बहाव से नई दिशाओं में रास्ते बना लेती है।

  -रवींद्रनाथ टैगोर

- वही उन्नति करता है, जो स्वयं अपने को आदेश देता है। **-स्वामी रामतीर्थ**

- मैं दुनिया का सबसे विद्वान जीवित इंसान हूं। क्योंकि मुझे पता है कि मैं कुछ नहीं जानता।

  -सुकरात

धैर्य, दूरदर्शिता और हिम्मत से हर चुनौती हार सकती है

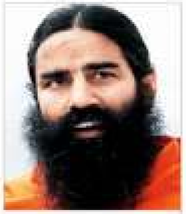

बाबा रामदेव

योग गुरु, पतंजलि योगपीठ

शरीर, मन, विचार और भावनाओं के दिव्य परिवर्तन के लिए इस साल का उपयोग करें। अब अपने आपको और तैयार कर लें।

जब चुनौतियों का सामना करना हो तो सबसे पहला सत्य होता कि जो अपने बस में नहीं है, उसे भगवान या प्रकृति पर छोड़ देना श्रेयस्कर है। जहां हम कुछ कर ही नहीं सकते, वहां चिंता और अवसाद में जाकर अपने शरीर को, अपने जीवन को संकट में डालकर हमें क्या हासिल होगा। हम जिस परिस्थिति में हैं, उसमें जो बन पा रहा है, उसमें सर्वश्रेष्ठ करना चाहिए। संस्कृत में कहावत है, 'यत्ने कृते यदि न सिध्यति कोऽत्र दोष:'। यानी यत्न करने के बावजूद कार्य सिद्ध न हो तो उसमें मानव का क्या दोष?

मैंने अपने जीवन में अलग-अलग परिस्थितियों में कम से कम सात बार अपने सामने मौत को देखा है। कई बड़े संकट देखे हैं। मैंने इनका सामना तीन चीजों से किया- धैर्य, दूरदर्शिता और हिम्मत। इन तीनों की मदद से अगर मैं नहीं उबरता तो खत्म हो गया होता। कुछ लोग जीवन में एक आदर्श के रूप में अपना एक मार्ग निर्धारित करते हैं। कोई ध्यानमार्गी है, कोई भक्तिमार्गी, कोई कर्मयोगी। लेकिन मैंने जीवन में समग्रता, संतुलन और पुरुषार्थ की पराकाष्ठा में ही बड़ी से बड़ी समस्या को धराशायी होते देखा है। चुनौतियों को मैंने अपनी मजबूती में बदला है। अब जैसे हमारे पास लोकल को ग्लोबल बनाने की चुनौती है। इसके लिए ऐसे जज्बे, स्वाभिमान और ब्रैंड्स के प्रति ऐसे जुनून की जरूरत है जैसा मैंने कोरिया, जापान, इजराइल में देखा है। हमें सामूहिक स्वाभिमान और सामूहिक संकल्प की जरूरत है। द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद से पूरी दुनिया राजनैतिक कॉलोनाइजेशन से आर्थिक कॉलोनाइजेशन पर आ गई। जो इसमें पिछड़ जाएगा, वो दुनिया में कहीं नहीं रहेगा। फिर बात आती है गुणवत्ता और तकनीक की। एफएमसीजी का ही उदाहरण ले लें। इसमें ऐसी कोई चीज नहीं जो हम नहीं कर सकते। हम तकनीक, पैकेजिंग, पेशेवर रवैये, गुणवत्ता में, किसी भी मामले में पीछे नहीं हैं।

अब आत्मनिर्भर भारत में स्वास्थ्य में भी आत्मनिर्भरता लानी होगी। इसका मतलब है कि हमें दवाइयों और अस्पतालों के इक्विपमेंट के भरोसे नहीं जीना है। हम ऐसे आत्मनिर्भर बनें कि कल कोई नया वायरस आए तो हमारी प्रतिरोधक क्षमता ऐसी हो कि हम परिस्थितियों से लड़ सकें। दूसरा परिवर्तन यह लाना होगा कि लोग जीवन में सादगी, आत्मसंयम, सात्विकता और अहिंसक जीवन पद्धति की ओर लौटें और तमाम दिखावों से बचें। लोग अब आहार, विचार, वाणी और व्यवहार के मामले में मूल संस्कारों की ओर लौटेंगे। बड़ों ने जो सीख दी हैं, उनकी ओर लौटेंगे।

यह स्वास्थ्य में भी आत्मनिर्भर बनने का समय है। अब हमें खुद को इतना मजबूत बना लेना चाहिए कि कल को कोई नया वायरस आए तो हम इससे लड़ने को पूरी तरह तैयार हों।

सीख- देश में आत्मनिर्भरता के लिए सामूहिक स्वाभिमान और संकल्प की जरूरत है। अब सादगी, आत्मसंयम और सात्विकता के साथ मूल संस्कारों की ओर लौटना होगा।

पवित्र संदेश

ऋग्वेद से

ईमानदारी का महत्व : न्याय और परिश्रम की कमाई ही मनुष्य को सुख देती है। इससे आत्मा पवित्र रहती है और हमें अच्छे कर्म करने की प्रेरणा मिलती है।

आनंद

हताशा भरी बातों से बचना जरूरी

एक बार एक सीधे पहाड़ को चढ़ने की प्रतियोगिता हुई। प्रतियोगियों को पहाड पर चढ़ते देखने के लिए बहुत भीड़ जमा हो गई। हर कोई यही कह रहा था, 'यह तो बहुत सीधी चढ़ाई है, इस पर चढ़ना तो नामुमकिन है।' कुछ प्रतियोगी यह सुनकर ऊपर चढ़े ही नहीं, तो कुछ थोड़ा ऊपर जाकर गिर गए और फिर प्रयास नहीं किया। उन्हें देख लोग और जोर से कहने लगे कि यह प्रतियोगिता कोई नहीं जीत सकता क्योंकि इस पहाड़ पर चढ़ना असंभव है। इससे बचे हुए प्रतियोगी भी हताश हो गए। लेकिन उन्हीं के बीच एक प्रतियोगी बार-बार गिरने पर भी कोशिश करता रहा और अंतत: वह उस सीधे पहाड़ पर चढ़ गया। उसे विजेता घोषित किया गया। वहां खड़े कुछ लोगों ने उससे पूछा कि तुमने यह असंभव काम कैसे किया? तुम्हारी सफलता का राज क्या है? लेकिन उस प्रतियोगी ने किसी भी सवाल का कोई जवाब नहीं दिया। तभी पीछे से एक आवाज आई, 'अरे उससे क्या पूछते हो... वह तो जन्म से ही कुछ सुन नहीं सकता।'

सीख : सफलता पाने के लिए हताशा भरी नकारात्मक बातों को अनसुना करना ही बेहतर है।

प्रेरणा

- सबसे खुश लोगों के पास सबसे अच्छी चीजें नहीं होतीं। वे बस उन साधारण चीजों की सराहना करते हैं, जो उनके पास हैं। **– वॉरेन बफे**
- उद्देश्य की पवित्रता, धैर्य और जिद, सफलता के लिए तीन सबसे जरूरी चीजें हैं। **– स्वामी विवेकानंद**
- इंतजार न करें। शुरुआत का कोई सही समय नहीं है। **– नेपोलियन हिल**

जिंदगी ऐसी जियो जैसी आपने कल्पना की है

नारायण मूर्ति

(15 फरवरी 2006 को बेलगाम में 'वीटीयू' के दीक्षांत समारोह में)

सकारात्मक बदलाव लाने के लिए, आप जो कुछ भी करते हैं, उसमें आपको अपनी आकांक्षाओं को और बढ़ाना होगा। जैसा कि लेखक सैमुअल जॉनसन ने कहा, 'हमारी आकांक्षाएं हमारी संभावनाएं हैं।' आकांक्षाएं ऊंची हों, तो हमें परिस्थितियों की सीमाओं को पार करने के लिए स्फूर्ति देती हैं, उम्मीद बनाए रखती हैं, जो कि प्रगति के लिए मुख्य ईंधन की तरह काम करती हैं। ये हमें सफलता के लिए अधीर बनाती हैं और निरंतर बढ़ने की राह में आने वाली बाधाओं को दूर करने की ताकत देती हैं।

जब भी बदलाव होगा, आप पहले से जमी व्यवस्थाओं, व्यवहार और समाज से गहरे प्रतिरोध का सामना करेंगे। आपके पास अपने विश्वास की हिम्मत और जोखिम लेने की इच्छा होगी। साथ ही उन दीर्घकालिक लक्ष्यों के लिए त्याग करना होगा जिन्हें आप पाने की उम्मीद करते हैं। यह आसान नहीं है, हम सभी ऐसे कॅरिअर में हैं जो आरामदायक और सुरक्षित हों।

हालांकि, मैं टोनी मॉरिसन से सहमत हूं जिन्होंने कहा, 'मैं आपको ऐसा कुछ भी चुनने या कोई भी निर्णय लेने से हतोत्साहित करना चाहता हूं क्योंकि यह सुरक्षित है।' हर समय, आपको अपने फायदे की बजाए लोगों के फायदे को आगे रखना चाहिए। लंबे समय में आपके लिए यह अच्छा होगा। इसका मतलब है कि किसी भी लेन-देन में किसी व्यक्ति के हित के आगे सार्वजनिक संस्थान- देश, राज्य, शहर, कंपनी का हित मानना। एक सभ्य समाज के नागरिकों के रूप में, यह सबसे महत्वपूर्ण सिद्धांत है जिसका आपको पालन करना चाहिए।

आपको अपने सभी लेन-देन में एक सच्चा प्रोफेशनल होना चाहिए। व्यक्तिगत संबंधों को अपने प्रोफेशनल रवैये में रुकावट ना बनने दें। व्यावसायिकता को बौद्धिक स्वतंत्रता की जरूरत है। मैंने ऐसे प्रतिभावान लोगों को देखा है,जो अपने मालिकों द्वारा बताया जाना पसंद करते हैं कि उन्हें क्या करना है। हमें इस रवैये पर काबू पाने की जरूरत है, और अगर हम सच्चा प्रोफेशनल बनना चाहते हैं, तो स्वतंत्र रूप से सोचना चाहिए।

आज तक, आपके प्रयासों को व्यक्तिगत हितों पर केंद्रित किया गया है। आपको टीम में काम करना सीखना चाहिए। सफल होने के लिए किसी भी पहल के लिए मजबूत टीमवर्क जरूरी है। लेखक एच ई लुकोक ने इसे अच्छी तरह से बताया जब उन्होंने कहा, 'आप अकेले ही सिम्फनी नहीं बजा सकते, इसे बजाने के लिए एक ऑर्केस्ट्रा चाहिए।'

आपके जीवन में ऐसी घटनाएं होंगी जब आपकी अखंडता को परखा जाएगा और आपके द्वारा चुने गए विकल्प जटिल होंगे। यह आपके मूल्यों और विश्वासों की स्पष्टता है, जो आपको चुनौती और भ्रम के समय में सही निर्णय लेने में सक्षम बनाएगा। वास्तव में, मेरा मानना है कि प्रभावी नेतृत्व का स्रोत आपकी प्रतिभाओं और कौशल को आपके सर्वोत्तम और गहरे मूल्यों से जोड़ने की क्षमता है। यह आपको अपने आस.पास के लोगों को प्रेरित करने और आपके कार्यों के माध्यम से मिसाल पेश कर प्रेरित करने में समर्थ बनाएगा।

आप एक तेजी से बदलते और रोमांचक माहौल में रह रहे हैं, जहां प्रतिभाशाली और ऊर्जावान लोगों के लिए अवसर कभी शानदार नहीं रहे हैं। निर्णय आप लीडर के रूप में करते हैं, और आप जिस जीवन का नेतृत्व करते हैं वह आने वाले पीढ़ियों के लिए देश के भविष्य को आकार देगा।

हेनरी थोरो के शब्दों में, 'अपने सपनों की दिशा में आत्मविश्वास से बढ़ो। जिन्दगी ऐसी जियो जैसी आपने कल्पना की है।'

पवित्र संदेश

श्रीमद्भगवद्गीता से

संदेह और खुशी का संबंध क्या है? जो व्यक्ति हमेशा संदेह करता है, उसे इस लोक में तो क्या, किसी भी लोक में प्रसन्नता नहीं मिल सकती है।

आनंद

सफलता की पहले से तैयारी जरूरी

शहर से कुछ दूर एक बुजुर्ग दंपती रहते थे। वो जगह बिलकुल शांत थी और इक्का-दुक्का लोग ही नजर आते थे। एक दिन सुबह उन्होंने देखा कि एक युवक फावड़ा लिए साइकिल से कहीं गया और चंद घंटों बाद ही लौट आया। अगले दिन वह व्यक्ति फिर वहां से गुजरा और कुछ देर बाद वापस आ गया। एक हफ्ते तक यह क्रम चलता रहा। बुजुर्ग दंपती को उस निर्जन इलाके में उस व्यक्ति की गतिविधियां संदिग्ध लगीं। और उन्होंने उसका पीछा करने का फैसला किया। अगले दिन दोनों बूढ़े पति-पत्नी उसके पीछे-पीछे गाड़ी से चलने लगे। कछ देर बाद वह व्यक्ति एक खेत में गया और फावड़े से जमीन खोदने लगा। दंपती का शक और बढ़ गया। नजदीक जाकर उन्होंने पूछताछ की, तब उस युवक ने बताया कि 'अगले हफ्ते उसे एक किसान के यहां काम मांगने जाना है, उसे ऐसा आदमी चाहिए जिसे खेतों में काम करने का अनुभव हो। चूंकि मैंने पहले कभी खेतों में काम नहीं किया इसलिए कुछ दिनों से यहां आकर काम करने की तैयारी कर रहा हूं।' दंपती उसकी तैयारी और लगन देखकर हैरान थे।

सीख : सफलता के लिए उसकी तैयारी करने की जरूरत होती है। आनंद सफलता में हैं, तो तैयारी में भी है!

प्रेरणा

- चरित्र एक पेड़ की तरह है और इज्जत एक परछाईं की तरह। हम परछाईं के बारे में सोचते हैं। जबकि पेड़ असली विषय है। **–अब्राहम लिंकन**
- जानना काफी नहीं है, हमें उसे लागू भी करना चाहिए। **–ब्रूस ली**
- कुबेर भी अगर अपनी आय से ज्यादा खर्च करे, तो कंगाल हो जाएगा। **–चाणक्य**

श्रीमद्भागवत गीता में श्रीकृष्ण ने बताया कि- *मुसीबत का सामना करने वाला ही खुशी पाने का हकदार है*
'जो भी मनुष्य अपने जीवन में दृढ़ संकल्पों में स्थिर है, वह समान रूप से संकटों के आक्रमण को सहन कर सकता है,
और निश्चित रूप से वह व्यक्ति खुशियां पाने का पात्र है।'

ज्ञान वह इन्वेस्टमेंट है जिसका मुनाफा जीवनभर मिलता है

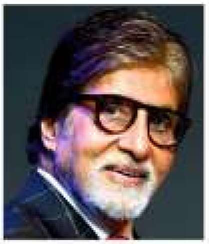

अमिताभ बच्चन

(12 जून, 2016 को 'रोबोमैट' एप लॉन्चिंग के दौरान)

मेरे टीचर्स और बड़ों से जो मैंने सीखा उसने मेरे दिल और दिमाग पर गहरा असर छोड़ा। उनकी दी हुई सीख मुझे आज आपके सामने खड़े होने योग्य बना रही है उसके लिए उन सबको बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूं। इसलिए वहां बैठे सभी गुरुजनों, टीचर्स को मैं प्रणाम करता हूं।

मैं कोई ज्ञानी नहीं हूं, पर ज्ञान का प्रेमी जरूर हूं। मैं कोई साइंटिस्ट नहीं हूं, पर लाइफ में एक्सपेरीमेंट जरूर करता हूं और उससे सीखता भी हूं। मेरे विचार एप्रेहेन्शन से नहीं ऑब्जर्वेशन से बनते हैं। शिक्षा का महत्व मैंने बचपन से ही देखा है। मेरे माता-पिता का मानना था कि ज्ञान वह इन्वेस्टमेंट है जिसका डिविडेंट यानी मुनाफा जीवन के अंत तक मिलता रहता है। बड़े-बड़े गुणी जनों, साहित्यकारों का हमारे घर आना-जाना हुआ करता था। उन्हीं के बीच बैठकर उन्हीं से बहुत कुछ सीखने का मुझे सौभाग्य भी प्राप्त हुआ।

मैं ऐसा मानता हूं कि एक सामान्य जिंदगी जीने के लिए रोटी, कपड़ा और मकान के अलावा अगर किसी चीज की सबसे ज्यादा जरूरत होती है तो वह है शिक्षा। आपके पास यदि धन है तो आप उसे गोल्ड में कंवर्ट कर सकते हैं। धन हो या सोना दोनों के कम होने का या खो जाने का डर हो सकता है और यह धन हम ज्ञान में बदल देते हैं तो कभी कम नहीं होगा और ना ही उसकी चोरी हो सकती है। पैसा तो कोई भी चुरा सकता है लेकिन शिक्षा को कोई आपसे नहीं चुरा सकता। इसलिए मैं समझता हूं कि शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए महिलाओं और बेटियों को शिक्षित करना बहुत ही आवश्यक है। इस अभियान में मैं अपना योगदान देता रहता हूं।

देखिए जीवन में मुझे बहुत.सी बातों ने प्रभावित किया है। मेरे ये अनुभव सुनने में शायद साधारण लगे, लेकिन इनमें छिपा सारा असाधारण है, अनमोल है। यदि मैं आपसे पूछं कि सबसे शक्तिशाली व्यक्ति कौन है? तो कोई कहेगा कि जिसके पास पावर है, शस्त्र है, धन है, किसी देश का राजा या किसी सल्तनत का वारिस है, लेकिन मेरा ऐसा मानना है कि शस्त्र, धन, किसी को शक्तिशाली नहीं बनाते, अगर बनाते भी है तो कुछ समय के लिए ही बनाते हैं। दौलत आज होगी कल नहीं, शस्त्र का ज्ञान तभी तक काम आएगा जब तब वो शस्त्र चल सकता है। लेकिन शास्त्र का ज्ञान कभी नहीं रुकता। शास्त्र का ज्ञान, शस्त्र ज्ञान से ज्यादा असरदार, प्रभावशाली और शक्तिशाली होता है। अब देखिए राजा ने कितने राज्यों पर विजय प्राप्त की, कौन-कौन से शस्त्रों का इस्तेमाल किया, कितने सैनिक थे ये शायद आपको याद न हो। लेकिन जीरो की खोज किसने की, राष्ट्रगान किसने लिखा, ओथेलो... मैकबेथ की रचना किसने की, ये आपको जरूर याद होगा।

इतिहास गवाह है कि एक राजा अपनी शक्ति के बल पर वहीं तक पूजा जाता है जहां तक उसका साम्राज्य फैला होता है, वो केवल अपनी प्रजा का प्रिय होता है। लेकिन अपने ज्ञान की कीर्ति फैलाने वाले अलबर्ट आइंस्टाइन, विलियम शेक्सपियर, रबीन्द्र नाथ टैगोर सिर्फ अपनी जन्मभूमि में ही नहीं बल्कि पूरे विश्व में पूजे जाते हैं, सम्पूर्ण मानवजाति के लिए प्रेरणास्त्रोत बनते हैं। इसलिए आप सबसे मेरा आग्रह यही है कि सीखते रहिए। ज्ञान का धनी व्यक्ति हमेशा ही सम्मान और आदर योग्य होता है क्योंकि ज्ञान वह कवच है जो आपके जीवन में आने वाली कठिनाइयों से आपकी रक्षा करेगा फिर किसी भी शस्त्र की आपको आवश्यकता नहीं होगी।

खुद से प्रसन्न रहने से बड़ा कुछ नहीं

'वह जो अपने भीतर स्वयं से खुश रहता है, जिसका जीवन एक आत्मज्ञान है, जो खुद से संतुष्ट है, पूरी तरह से तृप्त है . उसे खुशी पाने के लिए अलग से कोई कर्म नहीं करना होता।'

सपनों का पीछा करो लेकिन शॉर्टकट मत लो

सचिन तेंदुलकर

(अपने रिटायरमेंट के वक्त, 16 नवंबर 2013 को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में)

दोस्तो, यकीन नहीं हो रहा है कि 22 याड्‌र्स के बीच चला, यह 24 साल लंबा सफर अब पूरा हो रहा है। जीवन में पहली बार मैंने अपने साथ एक लिस्ट रखी है ताकि शुक्रिया का हकदार कोई नाम रह न जाए। वाकई इस वक्त मेरे लिए बात करना बेहद मुश्किल हो रहा है लेकिन मैं संभाल लूंगा।

मेरे जीवन के सबसे महत्वपूर्ण इंसान, मेरे पिता, जिन्हें मैं 1999 से मिस कर रहा हूं जब वे गुजर गए। उनके मार्गदर्शन के बिना मुझे नहीं लगता कि मैं यहां आपके सामने खड़ा होता। उन्होंने मुझे 11 साल की उम्र में आजादी दी, और बताया कि मैं अपने सपनों का पीछा करूं लेकिन यह ध्यान रखू कि कोई शॉर्टकट नहीं अपनाऊं। राह मुश्किल होगी लेकिन हार कभी मत मानना... और मैं सिर्फ उनकी बातें मानता चला गया। इससे कहीं ज्यादा, उन्होंने मुझे अच्छा इंसान बनने को कहा, जो मैं अभी जारी रखना चाहूंगा और अपनी पूरी कोशिश करूंगा। जब भी मैं कुछ खास करता था और बल्ला ऊंचा करता था, वो मेरे पिता के लिए होता था।

मेरी मां, पता नहीं कैसे उन्होंने मेरे जैसे शरारती बच्चे को संभाला। मैं कभी भी आसान नहीं था। वे वाकई धैर्यवान होंगी। किसी भी मां के लिए सबसे महत्वपूर्ण होता है कि उसका बच्चा सुरक्षित और स्वस्थ रहे। उन्हें भी इसी बात की चिंता रहा करती थी। उन्होंने ही पिछले 24 साल में मेरा ध्यान रखा जब मैं भारत के लिए खेला करता था। वे तब से मेरे लिए प्रार्थना कर रही हैं जब मैंने खेलना शुरू किया था। वे प्रार्थना करती ही रहीं, मुझे तो लगता है कि ये उनकी प्रार्थनाओं और आशीर्वाद ने मुझे वो ताकत दी कि मैं जाऊं और परफॉर्म करूं। तो उन सारे त्याग के लिए बड़ा शुक्रिया जो उन्होंने मेरे लिए किए।

> एक बार जब मै फील्ड में पहुंच जाता हू तो वो मेरे लिए एक अलग जगह होती है और मेरी जीतने की भूख हमेशा वही होती है।'

भाई अजीत के बारे में मैं क्या बात करूं..मैं वाकई नहीं जानता। हमने यह सपना साथ जिया है। यही वो इंसान था जिसने अपना कॅरियर मुझ पर न्यौछावर कर दिया। उन्होंने मुझ में वो 'स्पार्क' महसूस किया था। वे ही आचरेकर सर के पास मुझे लेकर गए और वहीं से मेरी जिंदगी बदल गई। आप यकीन नहीं करेंगे कि पिछली रात भी उन्होंने मुझे कॉल किया और मेरे आउट होने के तरीके पर बात की, यह जानते हुए भी कि फिर से बैटिंग आने का मौका नगण्य है। यह आदत, यह रेपो हमने बना रखी है, शायद मेरे जन्म के वक्त से और यह आगे भी जारी रहेगी। जब मैं क्रिकेट नहीं खेल रहा होऊंगा, तब भी वे हम टैक्नीक डिस्कस जरूर करेंगे।

सबसे खूबसूरत बात 1990 में मेरे साथ हुई, जब मैं मेरी पत्नी अंजलि से मिला। वो खास साल थे। मैं जानता हूं अंजलि कि बतौर डॉक्टर, शानदार कॅरियर तुम्हारे सामने था। जब हमने अपना परिवार बढ़ाने के बारे में सोचा तो अंजलि ने कदम पीछे खींचे और कहा कि तुम क्रिकेट खेलो, मैं घर की जिम्मेदारी लूंगी। तुम्हारे बिना मैं इतना खुलकर और तनावरहित क्रिकेट नहीं खेल सकता था। एमएस धोनी ने जब 200वें टेस्ट मैच के लिए कैप मुझे दी तो मेरे पास टीम के लिए एक मैसेज था। मैं वो यहां बताना चाहूंगा। मैं सोचता हूं कि हम सब बेहद लकी हैं जो इस देश के लिए खेलने का गौरव हासिल हुआ है। आप सबको जानते हुए मैं कह सकता हूं कि आप सही तौर-तरीके से देश के लिए खेलते रहेंगे। हर पीढ़ी को मौका मिलेगा कि वो इस खेल का ध्यान रखे और अपनी क्षमताओं का पूरा उपयोग कर सके। आप सभी को शुभकामनाएं।

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ

बजरंगलाल बाहेती

चेयरमैन
'अभिनंदन' श्री माहेश्वरी समाज
जनोपयोगी भवन, जयपुर

ट्रस्टी एवं अध्यक्ष
श्री गिरीराज धरण माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट,
गोवर्धन (उ.प्र.)

ट्रस्टी एवं उपाध्यक्ष
• अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट, द्वारिका (गुजरात)
• अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट, जगन्नाथपुरी (उड़ीसा)

ट्रस्टी
• श्री राम शंकर गोशाला, छापर (चूरू)
• श्री माहेश्वरी भवन, छापर (चूरू)
• शेखावटी विकास परिषद, जयपुर

संरक्षक
महेश हॉस्पिटल, जयपुर

पूर्व उपाध्यक्ष
'उत्सव' श्री माहेश्वरी समाज
जनोपयोगी भवन, जयपुर

भूतपूर्व शिक्षा सचिव
श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर (2002-12)

कार्यकारिणी सदस्य
श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर (1999-2022)

कार्यकारी मण्डल सदस्य
अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा

निवर्तमान अध्यक्ष
सुजानगढ तहसील नागरिक परिषद, जयपुर

बाहेती जेम्स एण्ड ज्वेल्स (प्रा.) लिमिटेड

'गोकुल धाम', 2030, पीतलियों का चौक, जौहरी बाजार, जयपुर-03
दूरभाष : 2570415/75, मो. : 098290-79200
ई-मेल : bajrang@baheti.in
निवास : सी-1/401-402, कमल अपार्टमेंट-1, बनीपार्क, जयपुर-06

अपना भाग्य, स्वयं आप बनाते हैं...

बराक ओबामा

(8 सितंबर, 2009 को वर्जीनिया के आर्लिंगटन में वेकफील्ड हाईस्कूल में)

जब मैं छोटा था, तब मेरा परिवार कुछ सालों तक इंडोनेशिया में रहा। मेरी मां के पास मुझे उस स्कूल में भेजने के लिए भी पैसे नहीं थे जहां सभी अमेरिकी बच्चे जाते थे इसलिए उन्होंने मुझे पढ़ाने का फैसला किया। वह मुझे सोमवार से शुक्रवार सुबह 4:30 बजे पढ़ाने बैठा देती थीं। मुझे इतनी जल्दी सुबह उठना अच्छा नहीं लगता था। बहुत बार, मैं किचन की टेबल पर ही सो जाता। लेकिन जब भी मैं शिकायत करता, मेरी मां मुझे एक ही बात कहतीं, 'यह मेरे लिए कोई पिकनिक नहीं है।'

बच्चों... मैं आपकी शिक्षा के बारे में और आप सभी से क्या अपेक्षा है, इस बारे में बात करना चाहता हूं। मैंने शिक्षा को लेकर बहुत सारे भाषण दिए हैं। मैंने जिम्मेदारी के बारे में भी बहुत बात की है। मैंने प्रेरित करने के लिए आपके शिक्षकों से भी उनकी जिम्मेदारी के बारे में बात की है। मैंने माता-पिता से उनकी जिम्मेदारी के बारे में बात की है जिससे यह सुनिश्चित कर सकूँ कि आप ट्रैक पर रहें और अपना होमवर्क पूरा करें, और घंटों टीवी के सामने या एक्सबॉक्स के साथ खर्च न करें। लेकिन भले ही हमारे पास एक समर्पित शिक्षक और समझने व साथ देने वाले माता-पिता और दुनिया के सर्वश्रेष्ठ स्कूल हों... लेकिन इससे तब तक कोई फर्क नहीं पड़ता जब तक कि आप सभी अपनी जिम्मेदारियों को पूरा नहीं करते। जब तक आप शिक्षकों की बातों पर ध्यान नहीं देते, माता-पिता, दादा.दादी और बड़ों की बात नहीं सुनते... तब तक फर्क नहीं पड़ेगा। शिक्षा आपकी भी जिम्मेदारी है। आपकी खुद को लेकर जो जिम्मेदारियां हैं उन पर ध्यान दिलाना चाहता हूं। आपमें से हर एक के पास कुछ न कुछ अच्छा है। आपमें से हर एक के पास देने के लिए कुछ न कुछ है इसलिए आपकी खुद की जिम्मेदारी यह पता करना है कि वह आखिर है क्या! यही मौका आपको शिक्षा से मिल सकता है।

आप एक अच्छे लेखक हो सकते हैं। इतने अच्छे लेखक कि आप अखबार में लेख या किताब लिख सकें। लेकिन आप इसे तब तक नहीं कर सकते जब तक आप अपनी अंग्रेजी की क्लास का पेपर नहीं दे देते। आप एक इनोवेटर या एक आविष्कारक हो सकते हैं कि अगला आईफोन या एक नई दवा या वैक्सीन ले आएं। लेकिन आप इसे तब तक नहीं जान सकते जब तक आप अपने साइंस क्लास के लिए प्रोजेक्ट नहीं कर लेते। आप मेयर या सीनेटर या सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश हो सकते हैं, लेकिन आप तब तक यह नहीं जान पाएंगे,जब तक कि आप स्टूडेंट गवर्नमेंट या डिबेट टीम में शामिल नहीं होंगे। यह सिर्फ आपके अपने जीवन और अपने भविष्य के लिए महत्वपूर्ण नहीं है। आप अपनी शिक्षा से इस देश का भविष्य भी तय करेंगे। आज आप स्कूल में जो सीख रहे हैं वह यह निर्धारित करेगा कि क्या हम एक राष्ट्र के रूप में भविष्य में बड़ी चुनौतियों का सामना कर सकते हैं? हो सकता है कि आपके जीवन में ऐसे लोग न हों, जो आपको वह सहायता दें जिसकी आपको जरूरत है। हो सकता है कि आपके मित्र आपको उन चीजों को करने के लिए दबाव डाल रहे हैं जिन्हें आप नहीं जानते। लेकिन अंत में, आपके जीवन की परिस्थितियां... आपके होमवर्क को नजरअंदाज करने या गलत रवैये के लिए कोई बहाना नहीं हैं। अपने शिक्षक के बारे में पीठ पीछे बात करना या क्लास में न जाना... स्कूल छोड़ने का कोई बहाना नहीं है। जहां आप अभी हैं, आपको यह निर्धारित नहीं करना है कि आप कहां खत्म करेंगे।

परिश्रम से मिली खुशी अनमोल है

'जो खुशियां बहुत लम्बे समय के परिश्रम से मिलती हैं, जो दुख से निजात दिलाती हैं, जो पहले विष के समान होती हैं, परन्तु बाद में अमृत हो जाती हैं - इस तरह की खुशियां मन की शांति से जाग्रत होती हैं।'

दो चीजें इंसान जीवन में एक बार सीख लेता है तो कभी भूलता नहीं है।
एक है तैरना, दूसरा साइकिल चलाना। काश हम पढ़ाई भी इसी नजरिए से करें।

समस्या देख पाना ही उसे खत्म करने का पहला कदम है

बिल गेट्स

(साल 2007 में हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में)

जनवरी 1975 में हार्वर्ड में मेरा सबसे यादगार पल आया। यह वो पल था जब मैंने एक कंपनी को फोन किया जिसने दुनिया के पहले पर्सनल कम्प्यूटर बनाने की शुरुआत की थी। मैंने उन्हें सॉफ्टवेयर बेचने की पेशकश की थी। मुझे चिंता हो रही थी कि उन्हें लगेगा कि मैं बस होस्टल में रहने वाला छात्र हूं और वह बात नहीं करेंगे। लेकिन इसकी बजाय उन्होंने कहा, 'हम अभी तैयार नहीं हैं, महीने भर बाद हमसे मिलो।'

यह एक अच्छी बात थी, क्योंकि हमने अभी तक सॉफ्टवेयर नहीं बनाया था। उस पल से मैंने इस छोटे से प्रोजेक्ट पर दिन-रात काम किया, यह एक उल्लेखनीय यात्रा की शुरुआत थी। लेकिन जब मैं पीछे मुड़कर गंभीरता से देखता हूं.. तो मुझे एक बात का बड़ा अफसोस होता है। मैंने हार्वर्ड तब छोड़ा जब मुझे दुनिया में फैली असमानताओं के बारे कुछ पता नहीं था। मैं स्वास्थ्य, धन और अवसरों की वजह से होने वाली असमानताओं के बारे में अनजान था। मानवता की सबसे बड़ी प्रगति किसी खोज में नहीं है बल्कि इसमें है कि असमानता को कम करने के लिए खोजों का इस्तेमाल कैसे किया जाता है।

यदि आप मानते हैं कि हर व्यक्ति के जीवन का मूल्य समान है, तो यह जानना वाकई बुरा है कि कुछ जीवन बचाने लायक नजर आते हैं और कुछ नहीं।

जब मैंने कैम्पस छोड़ा तब मैं उन लाखों युवाओं के बारे में कम जानता था जिन्हें इस देश में शिक्षा के मौके नहीं मिले। मैं उन लाखों लोगों के बारे में कुछ नहीं जानता था जो विकासशफल देशों में गरीबी और बीमारी में रहते हैं। मुझे इनका पता लगाने में दशकों लग गए। कल्पना कीजिए कि किसी भले काम के लिए आपके पास सप्ताह में कुछ घंटे का वक्त है और कुछ डॉलर हैं... जाहिर है आप उस समय और धन को वहां खर्च करना चाहेंगे जहां जीवन को बचाने और सुधारने में इसकी सबसे ज्यादा जरूरत है। बताइए आप इसे कहां खर्च करेंगे?

मेलिंडा और मेरे लिए चुनौती एक ही है कि हम अपने पास मौजूद संसाधनों का सबसे अच्छा इस्तेमाल किस तरह कर सकते हैं? इस बात पर विचार करने के दौरान मेलिंडा और मैंने उन लाखों बच्चों के बारे में एक लेख पढ़ा, जो हर साल गरीब देशों में उन बीमारियों से मर रहे थे जिन्हें इस देश ने लंबे समय पहले हानिरहित बता दिया था। खसरा, मलेरिया, निमोनिया, हेपेटाइटिस बी, पीला बुखार इनमें शामिल थे। रोटा वायरस नाम की बीमारी जिसे मैंने कभी सुना भी नहीं था, हर साल आधे मिलियन बच्चों को मार रही थी, आश्चर्य तो यह कि इनमें से कोई भी अमेरिका में नहीं था।

हमने अपना काम उसी तरह से शुरू किया जिस तरह से यहां कोई भी शुरू करता। हमने पूछा, 'दुनिया इन बच्चों को कैसे मरने दे सकती थी?' जवाब आसान है और कठोर भी। बाजार ने इन बच्चों के जीवन को बचाने के लिए कभी इनाम नहीं दिया और सरकारों ने कोई सब्सिडी भी नहीं दी। बच्चे मरते रहे क्योंकि उनके माता-पिता के पास बाजार में कोई शक्ति नहीं थी और ना ही सिस्टम में उठाने लायक कोई आवाज, लेकिन आपके और मेरे पास दोनों हैं। हम ज्यादा रचनात्मक पूंजीवाद शुरू कर सकते हैं जिससे बाजारू ताकतें गरीबों के लिए बेहतर ढंग से काम करें। अगर हम बाजारू ताकतों की पहुंच बढ़ाएंगे तो असमानताओं में जी रहे ज्यादा लोग लाभ कमा सकेंगे। हम दुनियाभर की सरकारों पर दबाव डाल सकते हैं कि करदाताओं के पैसे को ऐसे खर्च किया जाए जिससे यह पैसा, इन्हें देने वाले लोगों के मूल्यों को बेहतर ढंग से दर्शाए।

ए.पी.जे. अब्दुल कलाम

2010 में आईआईटी मद्रास में दिए गए भाषण के चुनिंदा अंश।

उत्कृष्टता खुद पर लागू की हुई जीवन भर की प्रक्रिया है

हर युवा अपने आप में अलग होना चाहता है, जो कि आप हैं! पर आपके आसपास की दुनिया दिन-रात अपना सर्वश्रेष्ठ करके आपको 'बाकी सब' बनाने में जुटी हुई है। पहली नजर में बाकी सब जैसा होना सुविधाजनक लगता है, लेकिन लंबे वक्त में यह संतोषजनक नहीं होता।

यूनीक बनने के लिए आपको कठिन से कठिन रास्ते पार करने होंगे, जिनकी किसी इंसान ने कल्पना भी नहीं की होगी और तब तक जुटे रहना होगा, जब तक आप अपने मुकाम तक नहीं पहुंच जाते, यह आपका अद्वितीय होना है! यूनीक होने के लिए उत्कृष्टता की जरूरत होती है।

उत्कृष्टता खुद पर लागू की हुई और जीवन भर चलने वाली प्रक्रिया है। उत्कृष्टता अचानक हासिल नहीं की जा सकती। यह एक प्रक्रिया है, जहां कोई व्यक्ति.संस्थान या राष्ट्र खुद को बेहतर बनाने के लिए लगातार प्रयास करता रहता है।

उत्कृष्टता की प्रक्रिया में अपने प्रदर्शन के मानकों को खुद तय किया जाता है, सपनों को पाने के लिए पूरी तन्मयता से लगना पड़ता है और अनुमानित जोखिम लेते हुए और असफलताओं से भी लोहा लेना होता है। असफलताएं सपनों की ओर ले जाती हैं। इस प्रकिया में किसी और से नहीं, बल्कि खुद से प्रतिस्पर्धा होनी चाहिए।

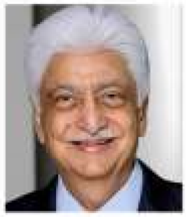

अजीम प्रेमजी

ख्यात बिजनेसमैन और परोपकारी

हम उसी का सम्मान करते हैं, जिसे हम अर्जित करते हैं : अजीम प्रेमजी

पहला सबक- हमें हमेशा यह याद रखना चाहिए कि हमारी ताकत क्या है। क्योंकि, यही ताकत हमारी कमजोरी को खत्म कर सकती है। स्कूलिंग के समय से ही प्रत्येक व्यक्ति यह देखने लगता है कि हम लोगों में गलत क्या है। इसी से जुड़ी कहानी सुनिए। एक खरगोश को रैबिट स्कूल में दाखिला दिलाया जाता है। वो कूदना तो अच्छे से सीख जाता है। लेकिन तैरना नहीं सीख पाता। एक समय आता है, जब उसके माता-पिता उससे कहते हैं कि तुम कूदने पर ध्यान मत दो, उसमें तो तुम अच्छे हो ही। तुम्हें तैरना सीखना चाहिए। सोचिए... आगे क्या होता है। खरगोश कूदना भूल जाता है।

दूसरा सबक- एक रुपया कमाना पांच रुपए पाने से ज्यादा बेहतर है। मेरे दोस्त ने अपनी भतीजी की कहानी मुझे बताई। उसे नाश्ते में कुछ भी पसंद नहीं आता था। आखिरकार, दोस्त बच्ची को सुपरमार्केट ले गया। वहां से उन्होंने रेडी-टू-ईट फूड के कुछ पैकेट खरीदे। घर आकर बच्ची ने फूड को बाउल में डाला, थोड़ा पानी मिलाया और माइक्रोवेव में रख दिया। दो मिनट बाद जब वह तैयार हो गया तो बच्ची ने खाकर देखा। वह बेहद संतुष्ट थी। इतना स्वादिष्ट खाना उसने कभी नहीं खाया था। कहने का आशय यह है, हम उसी का सम्मान करते हैं, जिसे हमने अर्जित किया होता है।

पवित्र संदेश

यजुर्वेद से

बुरे विचारों से बचना क्यों जरुरी? बुरे इरादों के साथ किया गया अच्छा काम अनिवार्य रूप से असफलता का कारण बनता है। इसीलिए व्यक्ति को बुरी प्रवृत्तियों से बचना चाहिए।

आनंद

संकट नहीं, इसका भ्रम दुःख देता है !

एक किसान के खेत में सांप और चूहे दोनों थे, लेकिन वह इससे अंजान था। एक दिन रात में खेत से गुजरते हुए सांप ने उसे पैर में काट लिया, पर जैसे ही उसने नीचे झुककर देखा, तो उसे भागता हुआ चूहा दिखा। किसान को लगा कि चूहे ने काटा है, इससे वो निश्चिंत हो गया और इलाज नहीं कराया। सौभाग्य की बात थी कि अधिकांश सांपों की तरह वह सांप भी जहरीला नहीं था, सो उस पर उसका कुछ असर नहीं हुआ। किसान अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में लग गया। बात आई-गई हो गई। कुछ महीनों बाद फिर से रात में खेत से गुजरते हुए अचानक उसे चूहे ने काट लिया, लेकिन इस बार नजर झुकाने पर उसकी नजर सांप पर पड़ी। सांप दरअसल चूहे का शिकार करने के लिए उसके पीछे लगा था। सांप को देखते ही किसान चक्कर खाकर नीचे गिर गया। इलाज हुआ, लेकिन उस पर कोई खास असर नहीं हुआ, क्योंकि मर्ज कुछ और था और इलाज किसी और का हो रहा था। धीरे-धीरे किसान की बीमारी मानसिक हो गई थी।

सीख : जीवन की अधिकांश चिंताएं भ्रम के कारण उपजती हैं। जीवन के संकटों पर गौर करके देखें, कहीं ये आपके भ्रम तो नहीं!

प्रेरणा

- मैं असफलता में यकीन नहीं रखती। अगर आपने प्रक्रिया का आनंद उठाया है तो ये असफलता नहीं है। -ओपरा विनफ्रे
- मैं आश्वस्त हूँ कि जो भी बदला है वो अस्थायी है। यह दोबारा बदलेगा। -सिडनी शेल्डन
- आप किसी को हमेशा कुछ न कुछ दे सकते हैं चाहे वह आपकी हमदर्दी ही क्यों न हो। - ऐन फ्रेंक

सफलता

मुश्किल दौर ही हमें बेहतर इंसान बनने में मदद करता है

महेंद्र सिंह धोनी

क्रिकेटर

2016 में आई फिल्म 'एमएस धोनी' के एक कार्यक्रम के दौरान दिए गए भाषण से

......

जीवन में ईमानदार होना बहुत जरूरी है। साथ में व्यावहारिकता भी होनी चाहिए। जोखिम लेना जरूरी है, लेकिन यह सोच-समझकर ही लिया जाए। हम सिर्फ यह नहीं कह सकते कि हमने यूं ही जोखिम ले लिया। हमें उस हुनर की तैयारी भी करनी चाहिए जो वह सफलता हासिल करने के लिए जरूरी है, जिसे हम पाना चाहते हैं।

पेशा कोई भी हो, मेहनत करना बहुत जरूरी है। इसके अलावा अपने से बड़ों का सम्मान करना भी बहुत जरूरी है। बिना उनके सम्मान और मार्गदर्शन के सफलता पाना बहुत मुश्किल हो जाता है।

मुश्किल दौर से गुजरिए, उसका सामना कीजिए। लेकिन अगर आप ये मुस्कुराते हुए करते हैं तो शायद आप उन 5% लोगों में शामिल हो जाएंगे, जो ऐसा कर पाते हैं। हम कई बार बुरे दौर को लेकर दु:खी होते हैं, लेकिन जरूरी यह है कि आप उसका डटकर सामना करें क्योंकि मुश्किल दौर ही आपको बेहतर इंसान बनाते हैं।

हमेशा विनम्र रहने की कोशिश करें। उदाहरण के लिए आप किसी बड़ी बिल्डिंग में जाते हैं, तो वहां जिस विनम्रता से पहले व्यक्ति से मिलते हैं, वैसा ही व्यवहार वहां के एमडी या किसी अन्य बड़े व्यक्ति के साथ होना चाहिए।

धैर्य के साथ ही नए-नए लक्ष्य तलाश कर हासिल कर सकते हैं

राहुल द्रविड

क्रिकेटर

बिट्स पिलानी में 2013 में दिए गए भाषण से

......

मुझे अक्सर चीनी बांस के पेड़ के बारे में बात करना अच्छा लगता है। आप चीनी बांस के बीज को मिट्टी में लगा दें, उसका पूरे साल ख्याल रखें, लेकिन उसमें से एक भी कोंपल नहीं फूटेगी। बल्कि पांच साल तक उसमें एक भी कोंपल नहीं आती। लेकिन एक दिन अचानक एक कोंपल फूटेगी और अगले 6 हफ्तों में चीनी बांस का पौधा, 90 फीट ऊंचा पेड़ तक बन सकता है। वह हर 24 घंटे में 39 इंच बढ़ सकता है। दरअसल पांच साल तक वह धैर्य से अपनी जड़ें जमाता है। फिर तैयार होकर 90 फीट तक ऊंचा होने के लिए बाहर निकलता है।

आप अपनी सफलताओं और असफलताओं से ही खुद को बेहतर ढंग से समझ पाते हैं। मैं जीवन में जैसे-जैसे आगे बढ़ा, मैं अपने लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करता गया। मैं लक्ष्यों को किसी पहाड़ की चढ़ाई की तरह देखता हूं। हम ध्यान केंद्रित कर उस पर चढ़ाई करते हैं। फिर लक्ष्य पर पहुंचने के बाद, किसी अच्छे पर्वतारोही की तरह अगले पर्वत यानी लक्ष्य की तलाश करते हैं। बस इन लक्ष्यों को धैर्य के साथ पाते रहना चाहिए। जब मैं अपने लक्ष्य पर पहुंचा तो मुझे अहसास हुआ कि आपको दुनिया में नंबर 1 नहीं बनना है, बल्कि खुद में नंबर 1 होना है।

पवित्र संदेश

श्रीमद्वाल्मीकीय रामायण से

क्रोध कितना हानिकारक है? क्रोध मित्र की शक्ल में दुश्मन की तरह है। यह उस धारदार तलवार की तरह है, जो सबकुछ नष्ट कर देती है।

आनंद

अपनी गलती को पहचानना सीखें

राजा कृष्णदेव के दरबार में एक चरवाहा आया और बोला कि महाराज मेरे पड़ोसी की दीवार के नीचे दबकर मेरी बकरी मर गई। मुझे न्याय चाहिए। राजा ने तेनालीराम से हल पूछा तो वे बोले दीवार गिरने के लिए सिर्फ पड़ोसी को दोषी नहीं मान सकते। राजा ने उनसे जांच करने को कहा। तेनालीराम ने पडोसी से पूछताछ की। वह बोला, 'इसमें मेरा दोष नहीं है। मिस्त्री ने दीवार ही कमजोर बनाई थी।' मिस्त्री से पूछा गया तो वह बोला, 'मेरा दोष नहीं है। मजदूर दोषी हैं, जिन्होंने गारे में पानी ज्यादा मिलाया, जिससे ईंटें चिपक नहीं पाईं।' मजदूरों से पूछताछ हुई तो वे बोले, 'दोष हमारा नहीं, पानी डालने वाले का है।' पानी डालने वाले की पेशी हुई तो वह बोला, 'महाराज उस व्यक्ति को पकड़ना चाहिए, जिसने मुझे पानी डालने के लिए जरूरत से ज्यादा बड़ा बर्तन दिया था।' पूछताछ में पता चला कि बर्तन उसी चरवाहे ने दिया था, जिसकी बकरी दीवार के नीचे दब गई थी। तब तेनालीराम चरवाहे से बोले, 'तुम्हारी गलती और लापरवाही ने ही तुम्हारी बकरी की जान ली। इसलिए दोषी तुम ही हो।'

सीख : कई बार गलती हमारी ही होती है, पर हम पहचान नहीं पाते और दूसरों को दोषी ठहराने लगते हैं।

प्रेरणा

- जब आप बोलते हैं तो वही दोहराते हैं, जो आप पहले से जानते हैं। लेकिन जब आप सुनते हैं तो कुछ नया सीखते हैं। **-दलाई लामा**
- असफलता से न डरें। महान प्रयासों में असफल होना भी बड़ी बात होती है। **-ब्रूस ली**
- भविष्य हर व्यक्ति का मूल्यांकन उसके काम के आधार पर ही करेगा। **-निकोला टेस्ला**

सफलता

जीवन में उद्देश्यपूर्ण रास्ता चुनने का कभी अफसोस नहीं होता

चैडविक बोजमैन

अमेरिकी अभिनेता

अगस्त, 2020 में चैडविक के निधन के बाद हॉर्वर्ड यूनिवर्सिटी में दी गई उनकी यह स्पीच चर्चा में रही।

......

मैं नहीं जानता कि आपका भविष्य क्या होगा लेकिन आप ज्यादा मेहनत वाला, जटिल रास्ता चुनने की इच्छा रखते हैं, एक ऐसा रास्ता जिसमें सफलताओं से कहीं ज्यादा असफलताएं हैं, लेकिन जिसमें यह भी साबित हो चुका है कि जीवन को ज्यादा मायने, ज्यादा जीत मिलेगी, तो आपको यह रास्ता चुनने का कभी अफसोस नहीं होगा।

आपकी वास्तविक लड़ाई किससे है, किस बारे में है, कभी-कभी यह जानने के लिए आपको हारना पड़ता है, गिरना पड़ता है। ऐसे में हमारे जीवन में चुनौती देने वाले, हमारे विरुद्ध संघर्ष करने वालों की भी हमें बहुत जरूरत होती है।

पढ़ाई पूरी कर सभी अगली नौकरी, आगे की शिक्षा के बारे में सोचने लगते हैं। यह सोचें, लेकिन नौकरी या कॅरिअर से कहीं ज्यादा जरूरी है जीवन में उद्देश्य। यह इतिहास के इस पल में आपके धरती पर होने का कारण है। आप कॅरिअर का जो भी रास्ता चुनें, बस याद रखें उस रास्ते का संघर्ष आपको उस उद्देश्य के लिए तैयार करने के लिए है।

. जीवन में पढ़ाई, सफलताएं सब पहाड़ पर चढ़ने जैसा है। जब चढ़ाई पूरी होती है तो ऊंचाई पर पहुंचकर हांफ जाते हैं, सांस लेने में तकलीफ होती है, लेकिन एक बार इस ऊंची चढ़ाई की आदत हो जाती है, तब हम सफलता का आनंद उठा पाते हैं।

बेचैन होना हमेशा बुरा नहीं होता, इसी से नई खोज हो पाती हैं

सुंदर पिचाई

गूगल के सीईओ

हाल ही में दी गई 2020 कमेंसमेंट स्पीच के मुख्य अंश

......

इस समय हममें से बहुत से लोगों को लग रहा है कि हमने जो योजनाएं बनाई थीं, वे सब पूरी नहीं हो पा रही हैं। ऐसे मुश्किल समय में उम्मीद रखना मुश्किल होता है। लेकिन मेरा यकीन करें, जीत आपकी ही होगी। मुझे ऐसा इसलिए लगता है क्योंकि पहले भी बहुत से लोग ऐसा कर चुके हैं। इसलिए आप भी उम्मीद न छोड़ें।

अपने लिए समय निकालें और ऐसी चीजें पता करें जो आपके अंदर सबसे ज्यादा उत्साह पैदा करती है। वे चीजें नहीं, जो आपके माता-पिता चाहते हैं या आपके दोस्त कर रहे हैं, या समाज आपसे करने की उम्मीद रखता है।

हम कई बार कुछ चीजों को लेकर अधीर हो जाते हैं। यह अधीरता बुरी नहीं है, क्योंकि यही आपको हल ढूंढने, कुछ नया खोजने में मदद करती है। जैसे आपको कोई तकनीक अधीर करती है, तो यही अगली तकनीक क्रांति लाने में मदद करेगी। अगली पीढ़ी ऐसी तकनीकें बनाएगी, जिसकी मेरी पीढ़ी ने कल्पना भी नहीं की है।

आप सभी दुनिया को अपने तरीके से बेहतर बना सकते हैं, भले ही आपको अभी यह न पता हो कि ऐसा कैसे करेंगे। जरूरी यह है कि आप अपने मन को खुला रखें, ताकि आप पता कर सकें कि आपको क्या पसंद है।

पवित्र संदेश

श्रीमद्‌भगवद्‌गीता से

वास्तविक जीवन क्या है? जीवन न तो भविष्य में है और न ही अतीत में है, जीवन तो केवल वर्तमान में है अर्थात इस पल का अनुभव ही जीवन है।

आनंद

धन का घमंड हमें अकेला कर देता है

एक चूहा शहर की जेवरात की सबसे बड़ी दुकान में घुस गया। वहां उसने एक करोड़ों का हीरा निगल लिया। उसे ऐसा करते, दुकान के एक नौकर ने देख लिया, लेकिन जब तक वह उसे पकड़ने के लिए दौड़ता, तब तक चूहा भाग गया। दुकान के मालिक ने विज्ञापन देकर घोषणा करवा दी कि जो भी चूहे का शिकार कर हीरा लाएगा, उसे लाखों रुपए इनाम में दिए जाएंगे। विज्ञापन देख कई लोग दुकान के पास उस इलाके में गए जहां सैकड़ों चूहे रहा करते थे। लेकिन सारे चूहे एक जैसे ही दिख रहे थे, तो कोई भी समझ नहीं पाया कि किस चूहे ने हीरा निगला है। आखिरकार एक आदमी आया और सीधे एक चूहे के पास गया और उसे पकड़कर, उसके पेट से हीरा बाहर निकाल लिया। यह देख दुकान मालिक हैरान रह गया। उसने आदमी को इनाम दिया और पूछा, 'इतने सारे चूहों में, तुम्हें कैसे पता चला कि इसी चूहे ने हीरा निगला है।' आदमी ने जवाब दिया, 'बस यही एक चूहा था, जो बाकी चूहों से अलग-थलग, ऊंची जगह पर अकेला बैठा था।'

सीख : अमीरी के घमंड में खुद को ऊंचा समझने पर व्यक्ति अकेला रह जाता है।

प्रेरणा

- कभी असफल न होना महानता नहीं है, बल्कि हर बार गिरकर खड़े होना महानता है।

  —नेल्सन मंडेला

- खुद को कमजोर मानना सबसे बड़ा पाप है।

  —स्वामी विवेकानंद

- लोग भूल जाएंगे आपने क्या कहा, क्या किया। लेकिन वे यह कभी नहीं भूलेंगे कि आपने उन्हें कैसा महसूस करवाया।

  —माया एंजेलो

ओम बिरला
अध्यक्ष-लोकसभा
भारत

सत्यमेव जयते

अध्यक्ष, लोकसभा

SPEAKER, LOK SABHA
INDIA

सन्देश

3478/HSO/2020

मुझे यह जानकर अतीव प्रसन्नता हुई कि मनीष मीडिया द्वारा 'ज्वेल्स ऑफ़ माहेश्वरी-लीडिंग ग्लोबल पेर्सनलिटीज़' नामक कॉफ़ी टेबल पुस्तक का प्रकाशन किया जा रहा है|

भगवान महेश के अनुयायी भारत सहित पुरे विश्व में फैले हुए है तथा जहां कहीं भी ये लोग हैं, उन सभी ने अपने क्षेत्र में अपने कौशल और परिश्रम से अपना विशेष स्थान बनाया हैं | अपनी उदयमिता तथा कमर्ठता से विश्व पटल पर उन्होंने भारत के साथ-साथ प्रवास वाले देश का नाम भी ऊंचा किया है | ऐसे विशिष्ट एवं प्रतिभावान व्यक्तित्व का परिचय नयी पीढ़ी से कराना एक प्रेरणादायी पहल है, जिसकी मैं मुक्तकंठ से प्रशंसा करता हूं | मैं आशा करता हूं कि इस पुस्तक के माध्यम से अधिकाधिक लोग इन प्रतिष्ठित जनों के व्यक्तित्व व कृतित्व से प्रेरणा लेकर भारत की प्रगति में सकारात्मक योगदान देंगे|

भगवान महेश की कृपा से स्थापित माहेश्वरी समाज की 5154वीं स्थापना दिवस पर मैं आप सबको बहुत-बहुत शुभकामनाएं देता हूं | माहेश्वरी समाज अपने सत्कार्यों द्वारा देश की सेवा में इसी प्रकार सदैव तत्पर और संलग्न रहेगा, ऐसी मंगलकामना के साथ-साथ इसी प्रकाशन के सफल होने की भी मैं कामना करता हूं|

(ओम बिरला)

MANEESHMEDIA
connecting beyond boundaries
INDIA • USA • CANADA
presents

ज्वैल्स ऑफ़ माहेश्वरी
5154 वें महेश नवमी 2021

जय महेश

आपको जानकारी देते हुए अत्यंत हर्ष का अनुभव हो रहा है कि मनीष मीडिया ने अभी तक 44 कॉफी-टेबल प्रकाशनों का प्रकाशन कर देश एवं विदेश में भारत का नाम रौशन किया है। जिसमें मुख्यः अमेरिका के राष्ट्रपति श्री बिल क्लिंटन, भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, पूर्व राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभादेवी सिंह पाटिल, उपराष्ट्रपति श्री भैंरोसिंह शेखावत एवं पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने 3 प्रकाशनों का विमोचन कर मान बढ़ाया है।

मनीष मीडिया द्वारा विश्व के ख्यातिनाम माहेश्वरी समाज की प्रख्यात हस्तियां, जिन्होंने अपने-अपने कार्यक्षेत्र में समाज एवं देश का नाम रौशन किया है और देश को स्वतंत्र कराने से लेकर आज तक भारत की उन्नति में विशेष योगदान दिया है। उन सभी समाजबंधुओं पर एक आगामी प्रकाशन "ज्वैल्स ऑफ माहेश्वरी", माहेश्वरी समाज के 5154वें स्थापना दिवस, महेश नवमी पर होटल अशोक, नई दिल्ली में प्रकाशित करने जा रहे हैं।

महेश नवमी के 5154वें स्थापना दिवस पर भारतीय डाक विभाग द्वारा विशेष संग्रहणीय डाक टिकट माहेश्वरी समाज के उद्गम स्थल लोहारगढ़ पर सम्मान स्वरूप जारी किया जायेगा।

"ज्वैल्स ऑफ माहेश्वरी-लीडिंग ग्लोबल माहेश्वरी पर्सनलटीज" प्रकाशन में मुख्यतः देश एवं विदेशों में रह रहे माहेश्वरी समाज बंधुओं का इतिहास, गोत्रों, त्यौहारों, रिति-रिवाजों एवं राष्ट्र विकास में योगदान मय जीवनी का सुन्दर चित्रण किया जायेगा।

सादर सहित

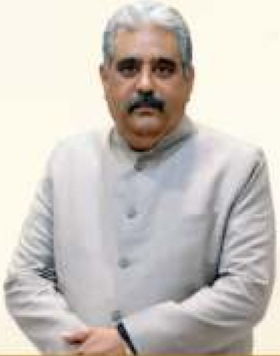

चाँदमल कुमावत, चेयरमैन

Around the World, With Mr Modi

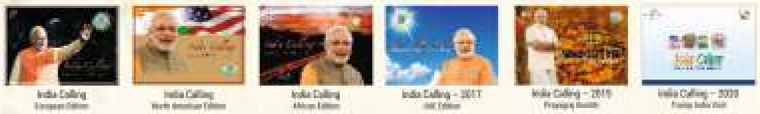

Guinness World Records Certificate

An anthology of inspiration

and many more...

ज्वेल्स ऑफ माहेश्वरी

Mr Om Birla
Hon Speaker of Indian Parliament

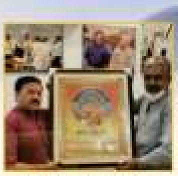

Mr Shyam Jaju
Vice President BJP, India

Padamshree
Rameshwar Lal Kabra
Founder RR Kabel, India

HE RC Lahoti
*Chief Justice of India

Mr Madhusudan Kela
MK Venture India

Mr Rajkumar Kalia
President All India Maheshwari Youth Sangthan

Mr R P Soni
*President All India Maheshwari Mahasabha

Mr Jodh Raj Laddha
*President all India Maheshwari Mahasabha

Mr Shyam Sunder Soni
President All India Maheshwari Mahasabha

Mr NK Karwa
India

Dr Prakash Madhav Heda
PBD Awardee, Kenya

Mr Ajay Jakotia
Hong Kong

Mr Satish Maheshwari
Thailand

Mr Jagdish Maheshwari
Ghana

Mr Jugal Malani
Houston USA

Mr Gokul Binani
London UK

Mr Rajesh Somani
Dubai, UAE

Mr Naval Bajaj
Toronto, Canada

Mr Bitthal Maheshwari
PBD Awardee, Italy

Mr Amit Lath
Poland

Mr Rajesh Toshniwal
Tokyo, Japan

Mr Kishore Lohiya
*President (MMNA), USA

Mr Pradeep Rathi
Grandson Seth Damodar Das Rathi Beawar

Mr Parag Bajaj
*President (MMNA), USA

HE Vijay Kalantari
Hon CG of Tajikistan

***Former**

Conceptualised & Organised By:

MANEESHMEDIA
connecting beyond boundaries
INDIA • USA • CANADA

Contact:-

Vidhya Chambers, 115 Vivek Vihar, Laxman Path,
Shyam Nagar, JAIPUR - 302 019 (INDIA) Tel.: +91 (0) 141-401 8811, 96804 78889
66 Hendricks Cres Brampton, Ontario L6Y 4L1 (CANADA) Tel.: +1 (647) 646 9301
1274, RXR Plaza, 12th Floor, West Wing, Uniondale, NEW YORK 11556 (USA)
info@maneeshmedia.com • www.maneeshmedia.com

सफलता

सही अवसर को सही तैयारी से मिलाने पर ही हम सफल होते हैं

आर. माधवन

अभिनेता

2016 में एक शिक्षण संस्थान में दिए गए भाषण से

......

मैं शायद जीवन में कई अवसरों के लायक नहीं था, लेकिन जब वे अवसर मुझे मिले तो मैंने खुद को उनमें झोंक दिया। लेकिन मुझे ये अवसर मिले क्योंकि मैंने अपने अंदर शिष्टाचार बनाए रखा। बहुत से लोग यह भी नहीं समझ पाते कि किसी से कैसे बात करनी चाहिए, खुद को कैसे पेश करना चाहिए। ये सब जरूरी है। कोई आपके पास आकर अवसर नहीं देता, हमें खुद को ऐसा बनाना होता है कि लोगों का ध्यान आपकी ओर जाए। लेकिन फिर जो अवसर मिले, उसमें अपना सर्वश्रेष्ठ दें। क्योंकि यही किसी भी पेशे में बने रहने का एकमात्र तरीका है।

जीवन में कभी भी, कुछ भी असंभव नहीं है। जीवन में कुछ भी हो सकता है। मैं बिहार में पैदा होकर, कोयंबटूर में बतौर स्टार लोगों से बात कर सकता हूं। सभी कहते हैं कि सफलता तब मिलती है, जब सही तैयारी के साथ सही अवसर भी मिले। लेकिन यह सही तैयारी और अवसर कब साथ आता है? ऐसा तभी होता है, जब हम पूरे जुनून के साथ चाहें कि ऐसा हो। यह तभी होता है, जब आप परिस्थिति के प्रति जागरूक रहें। आपको यह हमेशा पता होना चाहिए कि आपके आस-पास क्या हो रहा है। यानी हमें हर वक्त तैयार रहना होगा।

खुद को कम न आंकें, हर संकट का हल आपके अंदर ही छुपा है

मेगन मार्कल

ब्रिटिश रॉयल फैमिली की सदस्य

'2020 गर्ल अप लीडरशिप समिट' में दी गई स्पीच से

......

युवा पीढ़ी को डिजीटल युग का निवासी कहते हैं। ऑनलाइन दुनिया में सकारात्मकता बढ़ाने की शक्ति है तो नुकसान पहुंचाने की क्षमता भी। इसलिए हमारी कोशिश हो कि हम अपनी आवाज एक-दूसरे को मजबूत बनाने के लिए उठाएं। फिर वह ऑनलाइन हो या ऑफलाइन।

हमें कई बार पता नहीं होता कि क्या करना चाहिए। डर हमें निष्क्रिय कर देता है और बहादुर बनने से रोकता है। लेकिन खुद को कम मत आंकिए। जवाब आपके अंदर ही छुपे हैं। आपके अंदर ही वह दुनिया बनाने की क्षमता है, जो ज्यादा न्यायपूर्ण और दयालु हो।

अभी हम पर जो संकट है, वह इतना बड़ा है कि उसे देख भावुक हो जाना स्वाभाविक है। इसलिए अभी इस पल में रहें, इसमें अपनी सारी क्षमता से काम करें। आप जो बदलाव चाह रहे हैं, वह शायद अभी न हो। लेकिन भविष्य में आप देखेंगे कि सब वैसा हो गया है, जैसा आपने चाहा था।

इस समय मानवता को आपकी जरूरत है। मैं जानती हूं कि आपने पहले ही बहुत कुछ किया है, बहुत लोगों का जीवन बेहतर बनाया है। लेकिन अभी जिस दौर में हम हैं, यह हमसे और ज्यादा प्रयासों की मांग करता है। यह वह पल है जहां आपकी आवाज और काम की बेहद जरूरत है।

पवित्र संदेश

श्रीमद्वाल्मीकीय रामायण से

क्रोध से बचना क्यों जरूरी? क्रोध हमारा ऐसा शत्रु है जो दिखता मित्र की तरह है। ये वो तेज धार वाली तलवार है जो हमारा सबकुछ नष्ट कर सकता है।

आनंद

अतिरिक्त प्रयास से मिलती है सफलता

विवेक और राघव नाम के दो दोस्त थे। दोनों एक ही स्कूल, एक ही कॉलेज से पढ़े। संयोग से दोनों की एक ही कंपनी में नौकरी लग गई। प्रमोशन की बारी आई तो बॉस ने विवेक को प्रमोशन दिया। नाराज राघव बॉस से बोला, 'सर हम दोनों ही बराबर मेहनत करते हैं। ज्ञान में भी बराबर हैं। फिर विवेक को पहले प्रमोशन क्यों?' बॉस मुस्कुराया और बोला, 'तुम दोनों में कुछ तो अंतर है।' राघव जानना चाहता था, क्या। बॉस ने विवेक को बुलाया और दोनों को एक काम दिया। वे बोले, 'बाजार जाकर देखो कोई तरबूज बेच रहा है क्या?' दोनों आधे घंटे बाद लौटे। राघव बोला, 'एक तरबूज वाला मिला जो 30 रु. किलो में तरबूज बेच रहा था।' फिर विवेक बोला, 'एक तरबूज वाला है जो 30 रु. किलो में तरबूज बेच रहा है। लेकिन ज्यादा लेने पर वह 20 रुपए किलो में भी दे सकता है। ज्यादातर तरबूजों का वजन 2 से 3 किलो है। उसके पास 40 तरबूज हैं, जिसमें से 15 वह आज लाया है, वे ज्यादा ताजे हैं।' राघव को अब विवेक और उसमें अंतर समझ आ चुका था।

सीख : ज्ञान तभी काम आता है, जब हम अतिरिक्त प्रयास करते हैं और बारीकियों पर ध्यान देते हैं।

प्रेरणा

- ज्यादातर वे लोग असफल होते हैं जिन्हें यह अहसास नहीं होता कि हार मानने से पहले वे सफलता के कितने करीब थे। **–थॉमस एडीसन**
- जीवन आसान है। हम इसे जटिल बनने पर जोर देते हैं। **–कंफ्यूशियस**
- मुझे बताएं, मैं भूल जाऊंगा। मुझे पढ़ाएं, मुझे याद रहेगा। मझे शामिल करें, मैं सीख जाऊंगा। **–बेंजामिन फ्रैंकलिन**

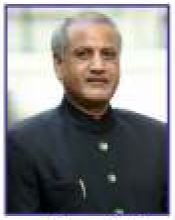

प्रदीप बाहेती
अध्यक्ष

नटवर लाल अजमेरा
महासचिव शिक्षा

Sanskriti
Pre Primary School

एमपीएस संस्कृति, तुलसी मार्ग, बनीपार्क

कोरोना वाइरस का कहर रुकने का नाम नहीं ले रहा है। भारत में संक्रमित लोगों की संख्या दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। दुनिया में इस महामारी से 3 करोड़ से अधिक लोग संक्रमित हो चुके है। ऐसे में हमें और आप सभी को सावधान रहने की आवश्यकता है। इसी को ध्यान में रखते हुए ऑनलाइन कक्षा का प्रचलन दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। लगभग सभी मीटिंग्स, कार्यक्रम, प्रोग्राम्स वर्चुवल करवाए जा रहे है।

संस्कृति द्वारा ई-लर्निंग क्लासेस जारी है। बच्चे उत्साह के साथ क्लासेस ले रहे है। बच्चों की कक्षा के दौरान लगभग 90% उपस्थिति दर्ज हो रही है। सभी बच्चे ई-लर्निंग शिक्षा को उत्साह के साथ ग्रहण कर रहे हैं। बच्चों ने भी पूरी तन्मयता के साथ टीचर्स के साथ तालमेल बिठाया हुआ है। अभिभावक भी इसी दिशा में अपना पूर्ण योगदान दे रहे है।

नवम्बर माह की थीम 'वेयर वी आर', सब-टॉपिक- फ्लावर, प्लांट्स और ट्रीस, कलर 'ब्राउन' व शेप 'कोन' थी। बच्चों को थीम, कलर व शेप से संबन्धित अनेक एक्टिविटीज जैसे फ्लावर बटन आर्ट, सनफ्लावर क्राफ्ट बाय पास्ता, ड्राइंग एक्सप्रेशन ऑन लीव्स, पार्ट्स ऑफ द प्लांट्स, पेटल्स सॉर्टिंग करवाई गई। उन्हें सजीव व निर्जीव वस्तुओं के विषय में जानकारी प्रदान की गई। इससे बच्चों को सभी जानकारी खेल-खेल में रचनात्मक कार्यों को करते हुए मिल रही है। बच्चों को कक्षा के दौरान शेप की जानकारी से अवगत कराने के लिए बर्थडे कैप क्राफ्ट करवाया गया।

ग्रोस मोटर स्किल्स डेवलपमेंट

बच्चों में ग्रोस मोटर स्किल डेवलप करने के लिए डांस व हॉपस्कॉच एक्टिविटीस करवाई गई जिसमें बच्चों के साथ-साथ बच्चों के अभिभावकों ने भी उत्साह दिखाया। यह एक्टिविटीज बच्चों के हाथ-आँख में समन्वय बढ़ाने के लिए उपयोगी है। क्रियात्मक विकास बच्चे के स्वस्थ रहने और स्वावलंबी होने एवं उचित मानसिक विकास में कार्यरत रहता है। यह बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ने में सहायता प्रदान करता है। यदि बच्चों को पर्याप्त क्रियात्मक विकास नहीं मिल पाता तो उनके कौशलों के विकास में रोक लग जाती है। इसी ज्ञान से यह एक अध्यापक का कर्तव्य है कि वह बच्चों के विभिन्न कौशलों का निरंतर विकास करें और संस्कृति की टीम इसी ओर अग्रसर होकर कार्य करती है।

दीपावली सेलिब्रेशन

दीपावली स्वच्छता अभियान का त्योहार है और कोरोनाकाल को देखते हुए यह अति-आवश्यक है कि हम अपने घर ही नहीं अपने आस-पास की स्वच्छता का ध्यान रखे। इस बार की दीपावली पिछले वर्षो की दीपावली से बिलकुल अलग रही चूंकि देश इस समय प्रदूषण और कोरोना जैसी महामारी के साथ-साथ कुछ अन्य चुनौतियों से भी दो-चार हो रहा है। सरकार द्वारा भी इस दिशा में कदम उठाए जा रहे है इसीलिए इस वर्ष पटाखों पर पूर्णत: रोक लगाई गयी। दीपावली के शुभ अवसर पर विद्यालय परिसर में लक्ष्मी पूजन का आयोजन किया गया। माँ लक्ष्मी के साथ-साथ नई बही- खाता व कलम का पूजन भी किया गया।

ब्राउन कलर डे सेलिब्रेशन

बच्चों को विभिन्न रंगों की जानकारी देने के लिए इस माह ब्राउन कलर डे सेलिब्रेट किया गया। जिसमें उनके घर पर उपलब्ध ब्राउन कलर से संबन्धित वस्तुए ऑनलाइन क्लास में एकत्रित करके रखवायी गई। बच्चों व अध्यापिकाओं ने भी इस दिन ब्राउन कलर के कपड़े पहने।

न्यू एजुकेशन पॉलिसी के बारे में सेशन लिया

स्कूल की प्रधानाध्यापिका श्रीमती भावना भाटिया द्वारा संस्कृति की तीनों ब्रान्चेस (कालवाड़ रोड, अजमेर रोड तथा बनी पार्क) की अध्यापिकाओं के लिए न्यू एजुकेशन पॉलिसी : 2020-21 के विषय में सम्पूर्ण सेशन लिया। उनके द्वारा एक पी.पी.टी. तैयार करके टीचर्स को न्यू एजुकेशन पॉलिसी में प्री : प्राइमरी एजुकेशन के महत्व पर विस्तृत जानकारी दी गई।

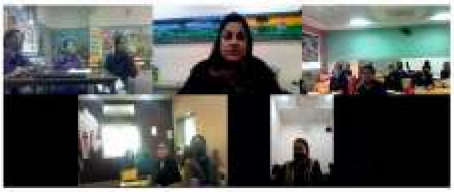

कुछ अपरिहार्य कारणों से 5 नवम्बर से 19 नवम्बर तक ऑनलाइन क्लासेस बंद रही। इस दौरान स्कूल की अध्यापिकाओं के लिए विभिन्न वेबिनार्स जैसे कम्युनिकेशन स्किल्स, एन्हेंस यूअर स्टोरी : टेल्लिंग स्किल्स, मोंटेसरी टीचिंग पैटर्न, मोक सेशन इत्यादि का आयोजन किया गया। टीचर्स ने बड़े उत्साह के साथ इन वेबिनार्स और ट्रेनिंग सेशन में भाग लिया।

20 नवम्बर से बच्चों की ऑनलाइन क्लासेस फिर से सुचारु रूप से प्रारंभ कर दी गई है। इस प्रकार नवम्बर माह विभिन्न एक्टिविटीज व सेलीब्रेशन के साथ सम्पन्न हुआ।

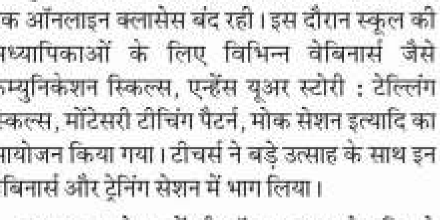

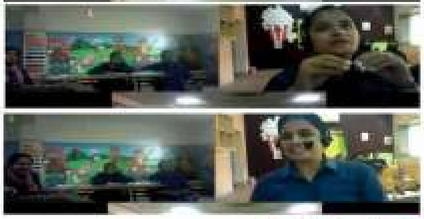

माहेश्वरी गर्ल्स पी.जी. कॉलेज, प्रताप नगर

माहेश्वरी कॉलेज में सत्र 2020-21 हेतु प्रवेश प्रक्रिया जारी

माहेश्वरी कॉलेज के द्वारा स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में नवीन सत्र 2020-21 के लिए आवेदन की प्रक्रिया जारी है जिसमें छात्राओं का कॉलेज के प्रति काफी अच्छा रुझान है। माहेश्वरी कॉलेज के द्वारा सत्र 2020-21 से नवीन विषय B.Sc. व अन्य डिप्लोमा पाठ्यक्रम भी शुरू किये जा रहे हैं। कोरोना महामारी को ध्यान में रखते हुए सभी पाठ्यक्रम को विश्वविद्यालय एवं राज्य सरकार के निर्देशानुसार संचालित किया जायेगा। सभी विषयों से संबंधित जानकारी सत्र प्रारम्भ होने से पहले कॉलेज की website पर उपलब्ध रहेगी एवं छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य को ध्यान में रखते हुए सभी विषयों के E-Notes भी कॉलेज की website पर उपलब्ध होंगे।

Admissions Open for Session 2020-21

Courses Offered: Apply Online at - maheshwaricollege.ac.in

B.SC Physics, Chemistry, Botany, Zoology, Geography, Economics, Maths

BBA | **B.COM** | **BA**

MHRM | **M.COM** ABST, EAFM, BADM | **MA** English, Sociology, Geography, Economics

दी एज्यूकेशन कमेटी ऑफ दी माहेश्वरी समाज (सोसायटी), जयपुर के अध्यक्ष श्री प्रदीप बाहेती ने कहा कि माहेश्वरी कॉलेज की विशिष्टता के कारण ही कॉलेज को देश में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी संस्थाओं में माना जाता है। आपने कहा कि सम्पूर्ण शिक्षा का मतलब सिर्फ किताबी या विषय सम्बन्धी जानकारी ही नहीं होता है। सम्पूर्ण शिक्षा के चार मुख्य पहलू होते हैं- पर्सनल, प्रोफेशनल, वैल्यू बेस्ड व सोशल । माहेश्वरी कॉलेज में छात्राओं को इन सभी तरह कि शिक्षा दी जाती है जिससे वे आगे चलकर समाज व् देश कि प्रगति में अपना योगदान दे सकें ।

Eco Friendly दीपावली का Online आयोजन

माहेश्वरी कॉलेज में दीपावली उत्सव का आयोजन Online किया गया। Covid-19 के कारण कॉलेज अभी आरम्भ नहीं हुए इसके बावजूद भी कॉलेज की सभी शिक्षिकाओं द्वारा छात्राओं के लिए दिवाली पर प्रतियोगिताओं का आयोजन रखा गया। जिसमें रंगोली, थाली सजावट, दीया मेकिंग, मेहंदी आदि प्रतियोगिताएं रखी गई। कॉलेज की सभी छात्राओं ने इन प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया ।

कॉलेज के सचिव श्री कैलाश चन्द अजमेरा ने सभी छात्राओं को दीपावली की शुभकामनायें दीं और कहा कि दिवाली के दिन आपको खुशियों के उपहार जीवन में हमेशा मिलते रहे तथा यश वैभव बना रहे ।

दी एजुकेशन कमिटी ऑफ दी माहेश्वरी समाज के अध्यक्ष श्री प्रदीप बाहेती ने छात्राओं को इन प्रतियोगिताओं के माध्यम से फाइन आर्ट्स जैसे रचनात्मक विषय में रुझान बढ़ाने हेतु प्रेरित किया और कहा कि कल्पनाशील एवं सृजनात्मक व्यक्ति हमेशा ही परिश्रमी, सकारात्मक सोच वाला एवं संवेदनशील एवं एकाग्रचित होता है।

संविधान दिवस का आयोजन

माहेश्वरी कॉलेज में Constitution Day का आयोजन किया गया। छात्राओं को कॉलेज के व्याख्याताओं द्वारा संविधान के Article(A) के सम्बन्ध में विस्तार से समझाया गया। इसमें मुख्य रूप से मौलिक कर्त्तव्यों के बारे में जागरूकता पैदा की गई ताकि छात्राएं अपने अधिकारों के साथ-साथ कर्त्तव्यों के निर्वहन में भी अपनी सक्रिय भागीदारी निभाकर कर राष्ट्र निर्माण में योगदान दें। भारत में दो साल 11 महीने और 18 दिन की लंबी मेहनत के बाद संविधान तैयार किया गया था। भारतीय संविधान देश के सभी नागरिकों को हर क्षेत्र में समानता का अधिकार देता है। 26 नवम्बर 1949 को भारत का संविधान तैयार हुआ था और 1950 में 26 जनवरी के दिन इसे लागू किया गया।

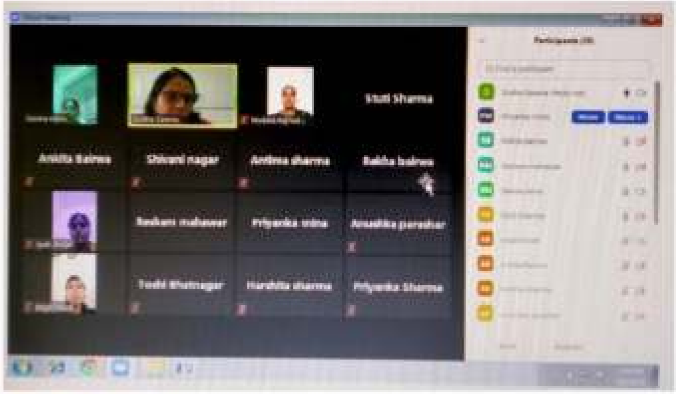

माहेश्वरी गर्ल्स हॉस्टल

माहेश्वरी गर्ल्स हॉस्टल में माहेश्वरी कॉलेज में अध्ययनरत छात्रायें, शहर के विभिन्न माहेश्वरी विद्यालयों में अध्ययनरत छात्रायें, अन्य विद्यालयों की छात्रायें एवं अन्य महाविद्यालयों की छात्राओं के लिए रहने की विशेष सुविधा उपलब्ध है। हॉस्टल संयोजक श्री सांवरमलजी परवाल ने बताया कि वर्तमान सत्र 2020-21 हेतु निर्णय लिया गया है कि हॉस्टल में एक छात्रा को एक रूम ही आवंटित किया जायेगा। हॉस्टल में छात्राओं को घर से बाहर घर जैसा वातावरण एवं सभी सुविधायें बहुत ही न्यूनतम शुल्क में उपलब्ध करवाई जा रही हैं एवं छात्राओं के लिये विभिन्न प्रकार की गतिविधियों का भी आयोजन किया जाता है। हॉस्टल का संचालन माहेश्वरी कॉलेज द्वारा किया जाता है।

- **Ultra Modern Safe & Secured Campus**
- **SINGLE STUDENT IN EACH ROOM**
- **Furnished Spacious AC Rooms**
- **Sports (Indoor/Outdoor) Facilities**
- **Wi-Fi Enabled Campus**
- **Affordable Fee Structure**
- **Reading Room for Group Study**
- **Recreation Room for Cultural Programs**

माहेश्वरी पब्लिक स्कूल, जवाहर नगर

आगामी सत्र 2021-22 से Co-Education (सह-शिक्षा) प्रारम्भ

इंटरेक्ट क्लब द्वारा जरूरतमंद लोगों को वस्त्र वितरित

माहेश्वरी पब्लिक स्कूल जवाहर नगर में इंटरेक्ट क्लब द्वारा जरूरतमंद लोगों को वस्त्र वितरित किए गए। विद्यालय के प्राचार्य श्रीमान अशोक वैद जी एवं प्राथमिक विभाग की इंचार्ज श्रीमती रीटा खुराना जी ने पवित्र भाव रखते हुए वस्त्र वितरित कर परोपकार की मिसाल कायम की। इंटरेक्ट क्लब की संयोजिका श्रीमती मोनिका गोविल एवं श्रीमती सविता गोदारा का विशेष योगदान रहा।

माहेश्वरी पब्लिक स्कूल जवाहर नगर के दसवीं कक्षा के होनहार छात्र संयम जैन ने साइंस ओलंपियाड में राजस्थान प्रांत में तृतीय स्थान प्राप्त किया यह विद्यालय के लिए बहुत ही गौरव की बात है। इस प्रतियोगिता मंव आपको 2500 ₹ की धनराशि प्रदान की गई। विद्यालय के मानद् सचिव श्री कमल सोमानी, भवन मंत्री श्री संजय बांगड़ एवं प्राचार्य श्री अशोक वैद ने शुभकामनाएँ प्रेषित कीं।

सौर ऊर्जा संयंत्र

माहेश्वरी पब्लिक स्कूल, जवाहर नगर के कक्षा आठवीं के छात्र शिव मित्तल ने साइबर ओलंपियाड में सातवाँ स्थान प्राप्त किया। इस प्रतियोगिता में उन्हें ₹1000 का गिफ्ट कूपन भी प्रदान किया गया। विद्यालय के मानद् सचिव श्री कमल सोमानी एवं प्राचार्य श्री अशोक वैद ने शुभकामनाएँ प्रेषित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

माहेश्वरी पब्लिक स्कूल जवाहर नगर में 'सौर ऊर्जा संयंत्र' लगाया गया है। 350 किलो वाट की क्षमता वाला यह संयंत्र विद्यालय की खपत को पूर्ण करने में अधिकतम सक्षम होगा ऐसा अनुमान है। सौर ऊर्जा संयंत्र का कार्य नए सत्र से पूर्व ही पूर्ण करवाने के लिए विद्यालय के मानद् सचिव श्री कमल सोमानी एवं भवन मंत्री श्री संजय बांगड़ कटिबद्ध हैं।

माहेश्वरी पब्लिक स्कूल जवाहर नगर में सत्र 2020 21 से प्रारंभ होने वाली 'सह-शिक्षा विद्यालय' हेतु बालिकाओं के लिए आधुनिक सुविधाओं से युक्त शौचालय का कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है इसमें आवश्यकता अनुरूप सभी बातों का विशेष ध्यान रखा गया है भवन मंत्री श्री संजय बांगड़ के द्वारा विशेष दिशा निर्देशानुसार कार्य प्रगति पर है।

बालिकाओं के लिए आधुनिक सुविधाओं से युक्त शौचालय

अपने अभिनय का दिखाया दम और सितारे सी चमक बिखेरी

कहते है 'पूत के पाँव पालने में ही दिख जाते हैं'-और इसी कहावत को चरितार्थ किया कक्षा-1 की छात्रा अविरल तिवारी ने। 2 नवंबर को अपने अभिनय के हुनर के बल पर अविरल को चर्चित टीवी कलाकार गौरव वाधवा से मिलने का मौका मिला। अवसर था 'मीट एण्ड ग्रीट विद गौरव वाधवा' कार्यक्रम का। अविरल तिवारी ने गौरव को भी अपने अभिनय से चकित कर दिया।

दोहराया सुनहरे पलों को

कठिनाई के कठोर धरातल पर मजबूती से रख कदम
नए जमाने के नए आयाम सीख कर
सुनहरे ताज को फिर अपना सिरमौर बनाया

mgps लगातार अपनी विशिष्टताओं से अपनी पहचान को कायम रखने में सक्षम रहा है। सफलता के क्रम को जारी रखते हुए विद्यालय ने एज्यूकेशन वर्ड द्वारा घोषित श्रेष्ठ विद्यालयों की श्रेणी में अपना स्थान पुनः स्वर्णिम अक्षरों में लिखा। mgps ने बालिका विद्यालय(दिवस) की श्रेणी में राजस्थान में 4 स्थान व जयपुर संभाग में द्वितीय स्थान प्राप्त कर अपनी विशिष्ट उपस्थिति को साबित किया। विद्यालय के मानद सचिव ने विद्यालय की टीम को उनकी इसकी सफलता पर हार्दिक बधाई दी।

बाल दिवस की मची धूम

विद्यालय के आँगन से प्रत्यक्ष रूप से दूर रहकर भी बच्चे उसकी जान बने रहते हैं और यही बात साबित हुई 14 नवंबर को बाल दिवस के अवसर पर। बच्चों के प्रिय चाचा नेहरू के जन्म दिवस को बाल दिवस के रूप में मनाते हुए विद्यालय के शिक्षक वृंद ने बच्चों के लिए अपने वात्सल्य को वीडियो के माध्यम से व्यक्त किया। वही इस अवसर पर बच्चों ने भी अपनी खुशियों और उल्लास को व्यक्त करते हुए उम्मीद जताई कि अगले बाल दिवस के अवसर पर विद्यालय का प्रांगण पुनः चहक उठेगा।

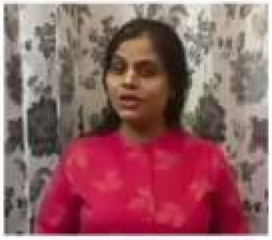

नए आयाम की खोज में बढ़े कदम

जिंदगी के कर्मक्षेत्र में नए मुकाम हमारी पहचान बनाते हैं। उम्र तो बस एक पड़ाव है।

20 वर्षों के अथक परिश्रम और सेवा भाव के बाद यह मौका था विद्यालय की संस्कृत अध्यापिका अमिता माथुर के सेवानिवृत्ति के अवसर का। 2001 से विद्यालय में सेवारत अमिता जी के सेवानिवृत्ति के अवसर पर ECMS के अध्यक्ष श्री प्रदीप बाहेती, शिक्षा सचिव श्री नटवर लाल अजमेरा, विद्यालय के मानद सचिव श्री मुरारी लाल बिड़ला, प्रधानाचार्या डॉ सुनीता वशिष्ठ, उपप्रधानाचार्य श्री विवेक भार्गव, विद्यालय के शिक्षक वृंद व मैम अमिता माथुर के परिवार जन उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरुआत अमिता जी के स्वागत से हुई। इस अवसर पर प्रबंधन समिति ने उनके सेवाभावी व्यक्तित्व की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। मैम अमिता विद्यालय की अपनी यात्रा का वर्णन करने हुए अत्यंत भावुक हो गई। इस अवसर पर उनकी सहयोगी अध्यापिकाओं ने उनके साथ बिताए अपने समय को याद किया।

माहेश्वरी पब्लिक स्कूल, प्रताप नगर

दीपावली महोत्सव सम्पन्न

विद्यालय द्वारा दिनांक 12 नवम्बर 2020 से 16 नवम्बर 2020 तक ऑनलाईन पंच दिवसीय दीपावली पर्व मनाया गया। इस अवसर पर बच्चों को प्रत्येक दिन की प्रांसगिकता बताते हुए वॉट्सअप ग्रुप के माध्यम से शुभकामना संदेश भेजे गए। वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए सभी बच्चों को ''ग्रीन दिवाली-सेफ दिवाली'' मनाने हेतु प्रेरित किया गया। विद्यार्थियों को दीपावली पूर्व आनॅलाईन कक्षाओं में 'प्राकृतिक रंगों व फूलों से रंगोली बनाकर घर को सजाने, घर की बनी मिठाइयों का ही उपयोग करने, मिट्टी से बने दीयों से घर को रोशन करने तथा साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखते हुए त्यौहार को प्रेम व हर्षोल्लास से मनाने को कहा गया। वर्तमान समय में त्यौहार की सार्थकता बनाए रखने हेतु जरूरतमंद लोगों की सहायता करके उनके जीवन में भी खुशियों के दीपक जलाने हेतु बच्चों को प्रोत्साहित किया गया। बच्चों को पटाखों से निकलने वाले धुएँ से स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों से अवगत करवाते हुए पटाखे न जलाने का संदेश भी दिया गया। कोरोना महामारी के दौरान सामाजिक दूरी का पालन करते हुए घर से ही शुभकामना संदेश देने हेतु प्रेरित किया गया।

विद्यालय की विभिन्न उपलब्धियाँ व गतिविधियाँ

एज्यूकेशन वर्ल्ड इंडिया स्कूल टॉप रैंकिंग 2020-21 में विद्यालय को सह शिक्षा संस्थान (Co-Educational Insitute) स्कूल कैटेगरी में जयपुर शहर में दसवाँ स्थान घोषित करके सम्मानित किया गया। विद्यालय के मानद् सचिव श्री मुकेश राठी व भवन मंत्री श्री अशोक अजमेरा ने विद्यालय की प्रधानाचार्या व इसमें कार्यरत शिक्षकों को श्रेय देते हुए हार्दिक बधाई दी ।

दिनांक 21 व 22 नवम्बर 2020 को केजीपी विद्यालय में आयोजित 5वीं जिला स्तरीय ''योगा प्रतियोगिता'' में विद्यालय के 7 विद्यार्थियों ने भाग लिया जिसमें से 6 विद्यार्थियों ने 3 स्वर्ण पदक, 2 रजत पदक व 1 कॉस्य पदक प्राप्त कर विद्यालय को गौरवान्वित किया ।

इंटेल कम्पनी ने सी.बी.एस.ई. के साथ मिलकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंसी पर एक सेशन आयोजित किया जिसमें अधिकतम विद्यार्थियों को 24 घण्टे के अन्दर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंसी पर विविध वक्ताओं के द्वारा व्याख्याना देते हुए गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड बनाया गया। इस सेशन में विद्यालय के कक्षा 12 ए-1 के छात्र आर्यन सक्सैना ने इस सेशन में भाग लेकर गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड में प्राप्त करने में सहायता की।

रोटरी क्लब, जयपुर की पहल पर प्रथम बार सामाजिक सेवा हेतु अन्तर्राष्ट्रीय रोटरी यूथ क्लब बनाया गया जिसमें विद्यालय के 12 विद्यार्थियों ने इस सेवा कार्य में अपने आपको रजिस्टर कर सेवा भाव का परिचय दिया।

सीबीएसई सीईओ, अजमेर द्वारा आयोजित ऑनलाईन ट्रेनिंग कार्यक्रम में विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती रीटा भार्गव ने ''ब्लूम्स टैक्सोनॉमी इन इंग्लिश लैंग्वेज'' व ''एक्सपिरियंशल लर्निंग इन इंग्लिश'' विषयों पर आधारित 2 सैशन में अपना व्याख्यान दिया।

विद्यालय में कक्षा 6 से 8 के विद्यार्थियों हेतु स्किल एजूकेशन पर आधारित डिजाईन थिंकिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंसी, इन्फॉर्मेशन टैक्नोलॉजी ऑनलाईन कक्षाएं प्रारम्भ की गयी।

विद्यालय के शिक्षकों द्वारा सीबीएसई द्वारा आयोजित दीक्षा पोर्टल पर विविध विषयों पर आनलाईन ट्रेनिंग ली।

'नेशनल एज्यूकेशन डे' पर विद्यार्थियों को दी शुभकामनाएँ

विद्यालय में मौलाना अब्दुल कलाम आज़ाद के जन्मदिवस 'नेशनल एज्यूकेशन डे' पर विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ प्रेषित की गईं।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के मुख्य बिंदुओं पर विभिन्न सत्रों का आयोजन

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के मुख्य बिंदुओं पर विभिन्न सत्रों का आयोजन किया गया। इस पर विषयानुसार सभी शिक्षकों ने अपने विचार अभिव्यक्त किए व महत्त्वपूर्ण जानकारियाँ अपने शिक्षक साथियों से साझा की। आगामी सत्र में नई शिक्षा नीति की महत्त्वपूर्ण गतिविधियों को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए विभिन्न योजनाओं पर विचार-विमर्श हुआ।

दीपावली पूजन

विद्यालय में दीपावली के अवसर पर माँ लक्ष्मी, गणेशजी व सरस्वती जी का पूजन उपाध्यक्ष श्री रमेश जी सोमानी, महासचिव शिक्षा श्री नटवर जी अजमेरा, विद्यालय सचिव श्री निर्मल दरगड़ व प्राचार्या श्रीमती अर्चना सिंह ने किया। विद्यार्थियों ने दीपावली मनाने का कारण व उसकी विधि बताई। विद्यार्थियों को ग्रीन दीपावली मनाने व पटाखों के निषेध के संदेश के साथ दीपावली की शुभकामनाएँ प्रेषित की गई।

चाचा नेहरू के जन्मदिवस पर विभिन्न गतिविधियाँ

चाचा नेहरू के जन्मदिवस 'बाल दिवस' पर विद्यालय सचिव श्री निर्मल दरगड़, प्राचार्या श्रीमती अर्चना सिंह व उप प्राचार्या श्रीमती मंजू शर्मा ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ प्रेषित कीं। शिक्षकों ने विद्यार्थियों के लिए 'बम-बम भोले मस्ती में डोले' सुमधुर गीत प्रस्तुत किया। शिक्षकों ने विद्यालय में विद्यार्थियों की कमी को महसूस करते हुए एक रोचक नाटिका प्रस्तुत की।

विशेष दिनों की विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ प्रेषित की गईं:-

विद्यालय में विशेष दिन धनतेरस, गोवर्धन पूजा, भाईदूज, गोपाष्टमी, देवउठनी एकादशी, संविधान दिवस व गुरुनानक जयंती के अवसर पर विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ प्रेषित की गईं।

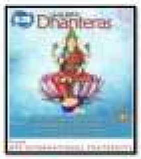

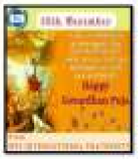

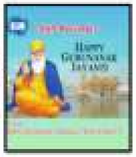

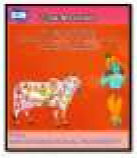

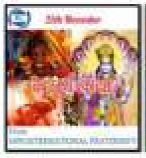

दीपावली और बाल दिवस की धूम

14 नवंबर, 2020 को विद्यालय में दीपावली का त्योहार धूमधाम के साथ मनाया गया। साथ ही पं. जवाहरलाल नेहरू का जन्मदिन बाल दिवस के रूप में मनाया गया। विद्यार्थियों ने विडियो के माध्यम से राम स्तुति तथा श्रीराम के अयोध्या लौटने की कथा प्रस्तुत की। शिक्षकों द्वारा एक नाटक की प्रस्तुति दी गई जिसके माध्यम से पटाखे न जलाकर प्रदूषण मुक्त दीपावली मनाने के लिए प्रेरित किया गया। बाल दिवस पर शिक्षकों द्वारा एक गीत की प्रस्तुति दी गई।

दीपावली के अवसर पर कक्षा 1 व 2 के लिए रोल प्ले, कक्षा 3 से 5 के लिए थाली डेकोरेशन, कक्षा 6 से 8 के लिए रंगोली मेकिंग तथा 9 व 10 के लिए बंदनवार मेकिंग गतिविधि रखी गई। विजेताओं को ई-प्रमाण-पत्र दिए गए। विद्यालय मानद् सचिव श्री मनोज बिड़ला तथा प्रधानाचार्य श्री ओ. पी. गुप्ता ने सभी को दीपावली की शुभकामना दी तथा प्रदूषण मुक्त दीपावली मनाने का संदेश दिया।

गुरुपर्व

30 नवंबर, 2020 को सिक्खों के प्रथम गुरु गुरुनानक देव कर जयंती प्रकाश पर्व के रूप में मनाई गई। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने विडियो के माध्यम से शुभकामना संदेश दिए।

संविधान दिवस

26, नवंबर, 2020 को संपूर्ण देश में संविधान दिवस के रूप में मनाया गया। वर्चुअल कक्षाओं के माध्यम से विद्यार्थियों को भारतीय संविधान का महत्व समझाया गया तथा प्रधानाचार्य श्री ओ. पी. गुप्ता द्वारा संविधान की प्रस्तावना का वाचन शपथ के रूप में करवाया गया। इसी के अंतर्गत शिक्षकों तथा विद्यार्थियों के लिए गूगल फॉर्म के माध्यम से प्रश्नोत्तरी का आयोजन भी किया गया।

सपनों का घर

3 नवंबर, 2020 को विद्यालय के संस्कृति विद्यार्थियों के लिए 'माई ड्रीम हाउस' गतिविधि रखी गई। इस गतिविधि के अंतर्गत विद्यार्थियों ने चित्रकारी के माध्यम से अपने सपनों के घर को कागज़ पर उकेरा।

प्रकृति प्रेम की भावना

25 नवंबर, 2020 को संस्कृति के विद्यार्थियों में प्रकृति प्रेम की भावना विकसित करने हेतु 'नेचर क्राफ्ट' गतिविधि का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने अपने घर में पाए जाने वाले फूल-पत्तियों का उपयोग कर अपनी कला का प्रदर्शन किया। इस गतिविधि का उद्देश्य विद्यार्थियों में प्रकृति के प्रति प्रेम भावना का विकास करना था।

माहेश्वरी पब्लिक स्कूल, बगरू

पत्तों पर भावात्मक चित्रांकन

एम.पी.एस संस्कृति अजमेर रोड, जयपुर में दिनांक 04 नवंबर 2020 को ऑनलाइन कक्षाओं के माध्यम से विभिन्न पेड़ों के पत्तों पर भावात्मक चित्रांकन गतिविधि का आयोजन करवाया गया। इस गतिविधि के माध्यम से नन्हे-मुन्ने बाल-गोपालों ने सहर्ष भाग लेते हुए विभिन्न प्रकार के पेड़ों के पत्तियों पर मनुष्य मन के अनेक भावों का चित्रों का निर्माण करते हुए अपनी रचनात्मकता का परिचय दिया।

दीपावली सेलेब्रेशन

07 नवंबर 2020 को एम.पी.एस अजमेर रोड, जयपुर में ऑनलाइन माध्यम से दीपों का त्योहार दीपावली बड़े ही हर्षोल्लास व धूमधाम से मनाया गया। इस पंचोत्सव पावन पर्व के शुभागमन पर ऑनलाइन कक्षाओं के माध्यम से विद्यार्थियों के लिए अनेक गतिविधियों का आयोजन किया गया जिसमें विद्यार्थियों ने सानन्द भाग लिया। इस प्रकाश पर्व के शुभ अवसर पर बालक-बालिकाओं ने अपनी रचनात्मकता के सुंदर मनमोहक उदाहरण पेश कर सबके मन को रोमांचित कर दिया।

प्रथम गतिविधि- कक्षा दो से पाँच के विद्यार्थियों के लिए 'पेपर दीया मेकिंग प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया। जिसमें छात्र-छात्राओं ने अपनी सृजनात्मकता का परिचय देते हुए रंगीन पेपर्स का प्रयोग करते भव्यतम व आकर्षक दीपक बनाकर आँगन को सजाया।

द्वितीय गतिविधि- कक्षा छः से आठ के विद्यार्थियों के लिए 'दीया डेकोरेशन गतिविधि' का आयोजन रखा गया जिसमें बालक-बालिकाओं ने मिट्टी के दीपकों पर आकर्षक चमकीले रंगों का प्रयोग करते हुए सुंदर चित्रांकन कर भरतीय परंपराओं का निर्वहन किया।

तृतीय गतिविधि- भारतीय संस्कृति में मांगलिक अवसरों पर घर के तोरण-द्वार पर लगने वाली बांदरवाल के निर्माण व भारतीय परंपराओं से अवगत करवाने हेतु कक्षा नौ से बारह तक के विद्यार्थियों के लिए एक 'बांदरवाल मेकिंग गतिविधि' का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्याथियों ने घर पर ही आसानी से उपलब्ध होने वाली विभिन्न प्रकार के सजावटी सामग्री का प्रयोग करते हुए भव्यतम बांदरवालों का निर्माण किया व बांदरवालों के निर्माण में प्रयुक्त होने वाली सामग्री तथा बनाने की क्रियाविधि की जानकारी भी सांझा की। इस गतिविधि के माध्यम से विद्यार्थियों ने घर पर ही सामान्य सामग्रियों से आवश्यक वस्तुओं का निर्माण कर उपयोग में लाने का संदेश दिया। विद्यार्थियों ने इन सभी गतिविधियों में भाग लेते हुए के फोटो व वीडियो कक्षा समूह पर अध्यापकों के साथ सांझा कर अपनी खुशियों का इजहार किया।

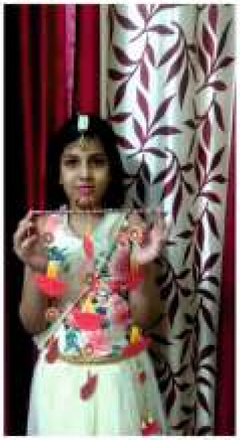

वृक्षों के अंग

एम.पी.एस संस्कृति अजमेर रोड, जयपुर में दिनांक 27 नवंबर 2020 को ऑनलाइन कक्षाओं के माध्यम से विद्यार्थियों को अनेक वृक्षों को बताते हुए उनके विभिन्न आकार के पत्तों, बनावट, फूल, फल आदि की जानकारी दी गई। इस गतिविधि में विद्यार्थियों ने शीट पर वृक्षों का चित्रांकन करते हुए उस पर वृक्षों के विभिन्न अंगों को दर्शाते हुए मनमोहक सुंदर चित्र बनाए।

दी एज्यूकेशन कमेटी ऑव् दी माहेश्वरी समाज (सोसायटी) जयपुर

श्री माहेश्वरी उच्च माध्यमिक विद्यालय, तिलक नगर

दीपावली स्नेह मिलन समारोह

दीपावली के पुण्य अवसर पर विद्यालय के लाहोटी सभागार में 10 नवंबर को दीपावली स्नेह मिलन समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में विद्यालय के मानद सचिव अशोक कुमार फलोड़ व कार्यवाहक प्राचार्य अजय कुमार गुप्ता ने विद्यालय प्रबंधन तथा 'दी एज्यूकेशन कमेटी ऑव् दी माहेश्वरी समाज (सोसायटी)' की ओर से स्टाफ के सभी सदस्यों को मिठाई के साथ दीपावली की शुभकामनाएँ दी तथा समस्त कर्मचारीगण के लिए धन-धान्य, सुख, समृद्धि व स्वास्थ्य की मंगलकामना की।

मानद सचिव ने अपने शुभकामना संदेश में कहा कि दीपावली खुशियों और सुख-समृद्धि के साथ असत्य पर सत्य की जीत और अंधकार पर प्रकाश की विजय का प्रतीक है। दीपावली के अवसर पर सजने वाले दीपों की पंक्ति हमें एकता के सूत्र में बंधे रहने और हमारी परंपराओं को जीवंत रखने का संदेश देती हैं।

कार्यवाहक प्राचार्य अजय कुमार गुप्ता ने अपने उद्बोधन में पंच दिवसीय महोत्सव के इस पावन पर्व के सांस्कृतिक और आध्यात्मिक महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रकाश का यह पर्व ज्ञान के आलोक से स्वयं को आलोकित करने और सामाजिक विषमताओं के अंधकार को दूर कर, दूसरों के पथ को आलोकित करने की सीख देता है, साथ ही उन्होने अपने साथियों को दीपावली के दौरान होने वाली साफ-सफाई से घर में संचरित सकारात्मक ऊर्जा का महत्त्व बताया।

दीपावली पर महालक्ष्मी का किया पूजन

धार्मिक, पौराणिक, ऐतिहासिक और आर्थिक महत्त्व के साथ सामाजिक सौहार्द को बढ़ाने वाले पर्व दीपावली के शुभ अवसर पर 14 नवंबर को विद्यालय प्रांगण में महालक्ष्मी की आराधना की गई तथा विधि-विधान के साथ श्रीगणेश, माता लक्ष्मी व माँ शारदे का पूजन किया गया।

दीपावली के दिन विद्यालय के मानद सचिव अशोक कुमार फलोड़ और भवनमंत्री अजय नोवाल के साथ कार्यवाहक प्राचार्य अजय कुमार गुप्ता और कार्यालय प्रमुख दिनेश कचौलिया ने समवेत रूप से लक्ष्मी पूजन किया तथा माता लक्ष्मी से संस्था की सुख-समृद्धि की पुष्पित और पल्लवित होने की मंगलकामना की तथा बाल दिवस के अवसर पर विद्यार्थियों को शिक्षकों द्वारा शुभकामनाएँ भेजी गई।

इस अवसर पर विद्यालय भवन को झिलमिलाते दीपों और रंग-बिरंगी रोशनी से सजाकर माँ लक्ष्मी का आह्वान किया गया।

कोरोना को मुँहतोड़ जावाब देती ऑन लाइन कक्षाएँ जारी

वैश्विक महामारी कोविड-19 के दौर में विद्यार्थियों का शिक्षण सुचारू रूप से चलता रहे और उन्हें घर पर ही सीखने का अवसर मिले, इसे ध्यान में रखते हुए, विद्यालय में अप्रैल माह से ऑनलाइन कक्षाओं का संचालन आरम्भ हो गया था।

कोरोना प्रोटोकॉल और स्वास्थ्य विभाग की गाइड लाइन को ध्यान रखते हुए, विद्यालय में डिजिटल डिवाइसेज के द्वारा ऑनलाइन कक्षाओं का संचालन निर्बाध रूप से जारी है। इन वर्चुअल कक्षाओं में विद्यार्थी सोशल मीडिया एवं विभिन्न मीटिंग एप के माध्यम से नियमित कक्षाओं में भाग ले रहे हैं और अपने पाठ्यक्रम के अनुसार विषय अध्यापकों से अपनी सभी शंकाओं का समाधान करते हैं। इस दौरान शिक्षकों द्वारा गूगल फॉर्म के माध्यम से टेस्ट पेपर तैयार कर, विद्यार्थियों का समय-समय पर मूल्यांकन भी किया जा रहा है तथा छात्रों की समस्या समाधान हेतु विशिष्ट विषयों की अतिरिक्त कक्षाएँ सफलता पूर्वक संचालित की जा रही हैं, साथ ही जूम प्लेटफॉम पर अभिभावकों के साथ पाक्षिक मीटिंग नियमित रूप से हो रही है तथा प्रत्येक अध्यापक द्वारा प्रतिदिन अपनी कक्षाओं के पाँच छात्रों से सम्पर्क कर उन्हें अध्ययन के लिए प्रोत्साहित कर समस्या का समाधान किया जा रहा है, इससे करोना काल में भी छात्रों व अभिभावकों का अध्यापकों एवं विद्यालय से सतत सम्पर्क बना हुआ है।

बोर्ड परीक्षाओं के 100 प्रतिशत फार्म भरे गए, अभिभावकों ने दिया विद्यालय प्रशासन को धन्यवाद

18 नवम्बर से विद्यालय प्रशासन द्वारा बोर्ड कक्षाओं के आवेदन पत्र कोरोना प्रोटोकाल का पूर्ण अनुसरण करते हुए भरवाए गए। इस अवसर पर कक्षानायकों व कक्षाध्यापकों के साथ प्रधानाचार्य ने माँ सरस्वती का पूजन किया तथा शुभमुहूर्त में बोर्ड फॉर्म

माहेश्वरी गर्ल्स सी. सैकण्डरी स्कूल, चौड़ा रास्ता

दीपपर्व का आयोजन

11 नवम्बर 2020 को विद्यालय में कोविड-19 के समस्त नियमों का पालन करते हुए दीपपर्व का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का प्रारम्भ विद्यालय के मानद् सचिव एडवोकेट श्री द्वारकादास मालू, भवन मंत्री श्री अनिल कचौलिया, कार्यवाहक प्राचार्या श्रीमती दीप्ति श्रीवास्तव, उपप्राचार्य श्री प्रमोद जाजू द्वारा माँ शारदे के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया एवं माल्यार्पण किया गया।

विद्यालय के मानद् सचिव श्री द्वारकादास मालू ने वर्तमान परिवेश में स्वस्थ वातावरण में रहते हुए प्रदूषण रहित दीपावली मनाने का संदेश दिया। अध्यापिकाओं द्वारा रोचक सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ प्रस्तुत की गई। विद्यालय प्राचार्या ने सभी को दीपावली की शुभकामनाएँ प्रेषित की व उपप्राचार्य श्री प्रमोद जाजू द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

योग भगाए रोग

वर्तमान भागदौड़ व तनाव भरी जिन्दगी में आज सभी को शान्ति की, सुकून की आवश्यकता है, और इसकी प्राप्ति हमें मेडिटेशन व योग से हो सकती है। इसी भाव को लिये नवम्बर 2020 के प्रथम सप्ताह में छात्राओं का मनोबल बढ़ाने हेतु विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती दीप्ति श्रीवास्तव द्वारा मेडिटेशन व योग की उपयोगिता बताते हुए ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया जो कि छात्राओं और उनके अभिभावकों के लिए स्वास्थ्यवर्धक रही है।

शैक्षणिक गुणवत्ता हेतु कार्यशाला

समय की महत्ता, उपयोगिता व शैक्षणिक उन्नयन हेतु विद्यालय में नवम्बर माह में समस्त विषयों की कार्यशाला का आयोजन किया गया। विद्यालय के मानद् सचिव एडवोकेट श्री द्वारकादास मालू ने व्यवस्थित रूप से चल रही ऑनलाइन कक्षाओं की प्रशंसा की व विद्यालय शिक्षकों को प्रोत्साहित करते हुए प्रभावी शिक्षण कला की प्रासंगिकता व महत्ता बताई। मानद् सचिव ने समस्त विभागाध्यक्षों के कार्यों की प्रशंसा करते हुए अध्यापकों को विद्यालयो की कीर्ति के नवीन सोपान स्थापित करने के लिए प्रेरित किया। शैक्षणिक गुणवत्ता व ऑनलाइन शिक्षण को अधिक प्रभावी बनाने हेतु विद्यालय प्राचार्या श्रीमती दीप्ति श्रीवास्तव द्वारा हिन्दी, अंग्रेजी, वाणिज्य व विज्ञान संकाय के समस्त विषयों की कार्यशाला का आयोजन कराया गया। नवीन शिक्षण विधियों के प्रभावी अनुप्रयोग पर बल दिया। समस्त शिक्षकगण ने इस कार्यशाला में पूर्ण मनोयोग से भाग लिया।

सहशैक्षणिक गतिविधियाँ

Best out of waste- विद्यालय में कक्षा 9 व 10 की छात्राओं के लिए Best out of waste प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें छात्राओं ने अपने हुनर का परिचय देते हुए घर पर रखे waste सामान को नया रूप दिया। उन्होंने कागज से गिटार गुलदस्ता, फूल, व गुड़िया आदि बनाये व अपनी कला का उत्कृष्ट परिचय दिया।

कुकिंग विदाउट फायर- विद्यालय की कक्षा 6 से 8 की छात्राओं के लिये कुकिंग विदाउट फायर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। छात्राओं ने प्रतियोगिता में पूर्ण मनोयोग से भाग लेकर विभिन्न स्वादिष्ट व्यंजन चाट पपड़ी, भेलपुरी, नारियल के लड्डू आदि बनाये व सुन्दर रूप में प्रस्तुत किये।

बोर्ड परीक्षा हेतु रजिस्ट्रेशन

विद्यालय की कक्षा X व XII के सत्र 2020-21 के बोर्ड परीक्षा फार्म शुभ मुहूर्त में माँ शारदे की पूजा अर्चना एवं मंत्रोच्चार के साथ भरवाये गये। इस दौरान कोविड-19 के सभी नियमों का पालन किया गया। विद्यालय की कार्यवाहक प्राचार्या श्रीमती दीप्ति श्रीवास्तव ने इस अवसर पर छात्राओं को बोर्ड परीक्षा के लिए कठोर मेहनत व परिश्रम के लिए प्रेरित किया। सभी छात्राओं को उत्तम परीक्षा परिणाम प्राप्त करने की शुभकामनाएँ दी गई।

कोविड-19 सेन्टर एक सार्थक पहल

श्री माहेश्वरी समाज की ओर से अनुभवी चिकित्सकों की देखरेख में शुरू किए गए कोविड-19 सेंटर की भूरि-भूरि प्रशंसा हुई है। सैकड़ों लोगों ने इस सेंटर के जरिए परामर्श लेकर अपने स्वास्थ्य और जीवन को सुरक्षित किया। इनमें से कुछ लोगों के उद्गार यहाँ प्रस्तुत है :-

I was suffering from COVID-19. Ankur Chitlangia is one of my friend who immediately action on this matter, he conyance to cure and suddenly my situation was critical due to diabetes. I remember that night Ankur aarange immediately arrange hospital to admit me. Due his action i got immediately treatment in Apex Mansrovar hospital and i cured. I really Ankur Chitlangiya for his efforts and his humbleness. Thanks a lot my Ankur.

Rajkumar Somani

• • • •

समाज द्वारा संचालित COVID HELP DESK का मैं और मेरे परिवार के सदस्य Dr. V. D. Maheshwari के द्वारा अपनी चिकित्सा करवा कर समय से स्वस्थ हो गए।

शिव रतन चितलांगिया

• • • •

Maheshwari Samaj Covid Helpline is a clear reflection of the thought leadership at Maheshwari Samaj and how the Samaj sets the right examples for the whole society. In between the pandemic, I have seen lots of households getting completely clueless as soon as one of the family members was infected by Covid-19. For us the helpline really made things simple and straightforward. I got infected alongwith my parents and we decided to call helpline as soon as we got our test results. The helpline was corteous and were prompt enough to provide a very quick turnaround and connect us with Dr. G D Maheshwari ji, one of the several experienced doctors in their panel. We were well adviced and then had facility for daily consultation for any queries. I strongly believe it helped us recover faster with peace of mind.We Thank Maheshwari Samaj and the whole Team for the great support!

Divye Tela

• • • •

कोरोना महामारी का विचार ही मन को हिलाने वाला होता है। जब स्वयं इस महामारी के शिकार बनते हैं तो मन की दशा और दिमाग की दशा काम करना बंद कर देती है उस समय कोई मददगार मिल जाए तो उसका यह दुख सहनीय हो जाता है। मैं भी इस बीमारी से ग्रसित हुआ, मुझे यह समझ में नहीं आ रहा था कि अब आगे क्या किया जाए। उसी समय माहेश्वरी समाज द्वारा स्थापित कोरोना हेल्पलाइन का ध्यान आया एवं उससे फोन से संपर्क किया। व्यवस्थापक ने मुझे सहायता का आश्वासन दिया और तुरंत डॉक्टर से संपर्क साधने में मदद की। डॉक्टर भी बहुत ही सहायक और मददगार रहे। आधा भय तो उन्होंने अपने सलाह से ही दूर कर दिया। बाकी दवा लिखकर प्रिसक्रिप्शन भेज दिया और 5 दिन में ही मैं स्वस्थ हो गया। इस दौरान हेल्पलाइन का व्यवस्थापक व डॉक्टर द्वारा प्रतिदिन संपर्क करके सलाह एवं मदद की। मैं व मेरा परिवार कभी भूल नहीं सकता। माहेश्वरी समाज ही ऐसा समाज है जिसने इस समय सबकी निशुल्क मदद की है चाहे वह डॉक्टर से संपर्क करने की बात हो दवा की बात हो या एंबुलेंस की व्यवस्था करना हो अथवा अस्पताल में भर्ती कराने की मदद हो। इसके लिए माहेश्वरी समाज व उसकी कोरोना हेल्पडेस्क की टीम तथा सभी डॉक्टर बंधुओं की टीम को मैं हृदय से साधुवाद देता हूं। आशा करता हूं कि भविष्य में भी समाज आवश्यकता पड़ने पर इसी प्रकार के उचित कदम उठाएगा। समाज व उसके पदाधिकारीयों को मैं इस दूरदृष्टि को रखते हुए उठाए कदम की सराहना करता हूं एवं धन्यवाद देता हूं।

ओम प्रकाश तेला

• • • •

कोरोना के दौरान समाज के कोविड सेंटर द्वारा घर बैठे मुझे जो चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हुई, निश्चित ही सराहनीय रही, धन्यवाद सहित।

सीमा शारदा

• • • •

I, Vikash Somany, would like to show my gratitude from the bottom of my heart to Maheshwari Samaj Ambulance Service which is fully equipped with high class facilities and helped to reach hospital in this pandemic situation when I was affected with covid 19. I would also like to thank the entire samaj for facilitating us with such services. Thanks and Regards.

Vikash Somany

I must say that Maheshwari samaj's covid helpline centre did prompt service when i needed to do my RT-PCR testing & Lungs' CT Scan . Their Doctor prescribed testings on Paper n sent me clicked pic . and sent ambulance on minimum fare charges, as i avoided to go by taxi . many thanks , for this helping hand.

Jyoti Nogja

• • • •

माहेश्वरी समाज, जयपुर द्वारा कोरोना महामारी के शिकार लोगों को राहत पहुंचाने के लिए 'कोविड सेंटर' के माध्यम से अनुभवी चिकित्सकों से परामर्श उपलब्ध कराने के लिए एक परोपकारी पहल की है, इसके लिए समाज के पदाधिकारियों की जितनी प्रशंसा की जाए, कम है।

निशा असावा

• • • •

माहेश्वरी समाज द्वारा स्थापित कोविड-19 हैल्पलाइन के माध्यम से घर बैठे मुझे उपचार सम्बन्धी वरिष्ठ डॉक्टर से सलाह मिली, उसके लिए आभार।

मोहित मालपानी

समाज बंधुओं को नि:शुल्क कोविड उपचार हेतु चिकित्सा सेवाएं देने के लिए ''कोविड वारियर्स'' चिकित्सकों का एवं जरूरतमंद बंधुओं को उपचार हेतु आर्थिक सहयोग प्रदान करने वाले सभी महानुभावों का हार्दिक आभार एवं धन्यवाद।

समाज के जरूरतमंद महानुभाव कोविड उपचार संबंधी जांचें, दवाइयां एवं आर्थिक सहयोग प्राप्त करने के लिए हैल्पलाइन नं. 9024177987 पर संपर्क करें।

मैरिज ब्यूरो द्वारा 8 जोड़ों का सम्बन्ध तय

माहेश्वरी इंटरनेशनल मैरिज ब्यूरो द्वारा हाइटेक डिजिटल टेक्नोलोजी पर आधारित विवाह योग्य माहेश्वरी युवक-युवतियों के बायोडाटा की डिजिटल बुक नवम्बर, 2020 में निःशुल्क उपलब्ध करवाई गई थी। जिसके परिणामस्वरूप 8 जोड़ों का सम्बन्ध निश्चित हुआ।

समाज बन्धु मैरिज ब्यूरो के माध्यम से अधिक से अधिक लाभान्वित हो। **इसी क्रम में मैरिज ब्यूरो ने नए बायोडाटा की PDF डिजिटल बुक फरवरी 2021 में उपलब्ध करवाने का निश्चय किया है।**

अतः सभी समाज बन्धुओं से निवेदन है कि विवाह योग्य युवक-युवतियों के बायोडाटा व फोटो व्हाट्सएप नं. 8619530451 या ई-मेल mimbjpr@gmail.com पर प्रेषित करने का श्रम करें।

विष्णु लड्ढा
मंत्री-विवाह प्रकोष्ठ
(9829017635)

घनश्याम भण्डारी
समन्वयक-विवाह प्रकोष्ठ
(9414991967)

कृष्णधाम

1. श्री मधुसुदन मांधना ने अपनी सुपुत्री पलक की सगाई दिनांक 08.11.2020 के उपलक्ष्य में आश्रम को लंच के लिए सहयोग किया।
2. आश्रम निवासी श्रीमती गीता देवी धर्मपत्नी श्री रतन लाल गगड़ ने आश्रम को एक फुल साइज अलमारी भेंट की।
3. श्रीमती सुधा धर्मपत्नी श्री गोविन्द (महेश) परवाल ने आश्रमवासियों को अखरोठ गिरी भेंट की (प्रत्येक के लिए 250 ग्राम), प्रेरक-श्री श्याम परवाल।
4. श्रीमती मीता धर्मपत्नी श्री प्रमोद लखोटिया ने शादी की वर्षगांठ (दिनांक 19.11.2020) के उपलक्ष्य में आश्रम के प्रत्येक निवासी को 500 ग्राम गजक भेंट की।
5. श्री लक्ष्मी निवास राठी इमली फाटक निवासी ने प्रत्येक आश्रमवासियों के लिए दर्द निवारक तेल (रोलर) एवं लाल तेल दर्द निवारक भेंट किये। प्रेरक- श्री ब्रजेश लड्ढा।
6. जयपुर जिला माहेश्वरी सभा समिति द्वारा आश्रम के प्रत्येक निवासी को 250 ग्राम अंजीर भेंट की गयी । प्रेरक- श्री ब्रजेश कुमार लड्ढा, (अध्यक्ष-श्री एन. के. झंवर, मंत्री श्री सुरेंद्र बजाज, अर्थ मंत्री- श्री महेश (गोविन्द) परवाल।
7. श्री सुभाष तोतला (चिरायु फार्मेसी) ने आश्रमवासियों के लिए 30 किलोग्राम च्यवनप्राश व 30 दर्द निवारक ऑइनटमेंट भेंट किये।
8. श्रीमती गीता धर्मपत्नी श्री रामअवतार आगीवाल ने आश्रम के प्रत्येक कर्मचारियों के लिए कैनवास जूते (लिबर्टी) भेंट किये।
9. श्रीमती सुलोचना धर्मपत्नी श्री परमेश्वर लाल नागोरी ने अपने दामाद श्री संजय प्रकाश मंत्री के जन्मदिन के उपलक्ष्य में आश्रम में 5100/- रुपए भेंट किये।
10. श्रीमती उषा बिहानी, मेजर शैतान सिंह कॉलोनी, शास्त्री नगर निवासी ने आश्रम को एक मैन्युअल बी.पी मशीन, एक स्टेथिस्कोप एवं 3 गरम पानी से सिकाई वाली थैली भेंट की।
11. श्री ब्रज मोहन सारडा सुपुत्र स्व. श्री पन्ना लाल सारडा ने लंच हेतु आश्रम को 7500/- का सहयोग दिया।

सभी दानदाताओं और सहयोगिओं का आभार एवं अभिनन्दन।

मालचंद बाहेती-वरिष्ठजन आवास एवं कल्याण मंत्री
Mob. 9829461340, 8078635596

निःशुल्क दुर्घटना बीमा योजना का चैक भेंट

श्री कृष्णा सोनी के माता-पिता (श्री अरूण सोनी व श्रीमती गीता देवी उर्फ स्वाति सोनी) का सड़क दुर्घटना में आकस्मिक निधन होने के उपरान्त श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर की **निःशुल्क दुर्घटना बीमा योजना** के अन्तर्गत प्राप्त **2 लाख रुपये** (प्रति सदस्य 1 लाख रुपये) की राशि का चैक समाज महामंत्री-श्री गोपाल लाल मालपानी एवं महासचिव शिक्षा- श्री नटवर लाल अजमेरा द्वारा समाज कार्यालय में दिया गया।

सभी समाज सदस्यों की जानकारी के लिए पुनः यह उल्लेख करना जरूरी है कि **'दुर्घटना बीमा योजना'** के अन्तर्गत सभी पंजिकृत समाज सदस्यों की 'बीमा प्रीमियम' समाज द्वारा वहन की जाती है। यह योजना केवल आकस्मिक सड़क दुर्घटना में मृत्यु होने पर ही लागू है।

मकर संक्रान्ति के दिन सूर्य के एक राशि से दूसरी राशि में हुए परिवर्तन को अन्धकार से प्रकाश की ओर हुआ परिवर्तन माना जाता है। मकर संक्रान्ति से दिन बढ़ने लगता है और रात्रि की अवधि कम होती जाती है।

मकर-संक्रान्ति पर्व के विविध रूप

भारत में समय-समय पर हर पर्व को श्रद्धा, आस्था, हर्षोल्लास एवं उमंग के साथ मनाया जाता है। पर्व एव त्योहार प्रत्येक देश की संस्कृति तथा सभ्यता को उजागर करते हैं। यहाँ पर पर्व, त्योहार और उत्सव पृथक्-पृथक् प्रदेशों में अलग-अलग ढंग से मनाये जाते हैं।

मकर-संक्रान्ति पर्व का हमारे देश में विशेष महत्व है। इस सम्बन्ध में संत तुलसीदास जी ने लिखा है-

माघ मकरगत रबि जब होई। तीरथपति आव सब कोई॥

(रा.च.मा. १। ४४।३)

ऐसा कहा जाता है कि गङ्गा, यमुना और सरस्वती के संगम पर प्रयाग में मकर-संक्रान्ति पर्व के दिन सभी देवी-देवता अपना स्वरूप बदलकर स्नान के लिये आते हैं। अतएव वहाँ मकर-संक्रान्ति पर्व के दिन स्नान करना अनन्त पुण्यों को एक साथ प्राप्त करना माना जाता है।

मकर-संक्रान्ति पर्व प्राय: प्रतिवर्ष 14 जनवरी को पड़ता है। खगोलशास्त्रियों के अनुसार इस दिन सूर्य अपनी कक्षाओं में परिवर्तन कर दक्षिणायन से उत्तरायण होकर मकर-राशि में प्रवेश करते हैं। जिस राशि में सूर्य की कक्षा का परिवर्तन होता है, उसे '**संक्रमण**' या '**संक्रान्ति**' कहा जाता है।

मकर-संक्रान्ति पर्व में स्नान-दान का विशेष महत्त्व है। हमारे धर्मग्रन्थों में स्नान को पुण्यजनक के साथ ही स्वास्थ्य की दृष्टि से भी लाभदायक माना गया है। मकर-संक्रान्ति से सूर्य उत्तरायण हो जाते हैं, गरमी का मौसम आरम्भ हो जाता है, इसलिये उस समय स्नान करना सुखदायी लगता है।

उत्तर भारत में गङ्गा-यमुना के किनारे (तट पर) बसे गाँवों-नगरों में मेलों का आयोजन होता है। भारत में सबसे प्रसिद्ध मेला बंगाल में मकर-संक्रान्ति पर्व पर 'गङ्गा सागर' में लगता है। गङ्गा सागर के मेले के पीछे पौराणिक कथा है कि मकर-संक्रान्ति को गङ्गाजी स्वर्ग से उतर कर भगीरथ के पीछे-पीछे चलकर कपिल मुनि के आश्रम में जाकर सागर में मिल गयीं। गङ्गाजी के पावन जल से ही राजा सगर के साठ हजार शापग्रस्त पुत्रों का उद्धार हुआ था। इसी घटना की स्मृति में गङ्गा सागर नाम से तीर्थ विख्यात हुआ और प्रतिवर्ष 14 जनवरी को गङ्गा सागर में मेले का आयोजन होता है, इसके अतिरिक्त दक्षिण बिहार के मदार-क्षेत्र में भी एक मेला लगता है।

मकर-संक्रान्ति पर्व पर इलाहाबाद (प्रयाग) के संगम स्थल पर प्रतिवर्ष लगभग एक मास तक माघ मेला लगता है, जहाँ भक्तगण कल्पवास भी करते हैं तथा बारह वर्ष में कुम्भ का मेला लगता है। यह भी लगभग एक मास तक रहता है। इसी प्रकार छ: वर्ष में अर्धकुम्भ का मेला लगता है।

विभिन्न परम्पराओं और रीति-रिवाजों के अनुरूप महाराष्ट्र में ऐसा माना जाता है कि मकर-संक्रान्ति से सूर्य की गति तिल-तिल बढ़ती है, इसलिये इस दिन तिल के विभिन्न मिष्टान्न बनाकर एक-दूसरे को वितरित करते हुए शुभकामनाएँ देकर यह त्योहार मनाया जाता है। महाराष्ट्र और गुजरात में मकर-संक्रान्ति पर्व पर अनेक खेल प्रतियोगिताओं का भी आयोजन होता है।

पंजाब एवं जम्मू-कश्मीर में '**लोहिड़ी**' के नाम से मकर-संक्रान्ति पर्व मनाया जाता है। एक प्रचलित लोककथा है कि मकर-संक्रान्ति के दिन कंस ने श्रीकृष्ण को मारने के लिये लोहिता नाम की एक राक्षसी को गोकुल भेजा था, जिसे श्रीकृष्ण ने खेल-खेल में ही मार डाला था। उसी घटना के फलस्वरूप लोहिड़ी का पावन पर्व मनाया जाता है। सिन्धी समाज भी मकर-संक्रान्ति के एक दिन पूर्व इसे '**लाल लोही**' के रूप में मनाता है।

तमिलनाडु में मकर-संक्रान्ति को '**पोंगल**' के रूप में मनाया जाता है। इस दिन तिल, चावल, दाल की खिचड़ी बनायी जाती है। नयी फसल का चावल, दाल, तिल के भोज्य पदार्थ से पूजा करके कृषि देवता के प्रति कृतज्ञता प्रकट की जाती है। तमिल पञ्चाङ्ग का नया वर्ष पोंगल से शुरू होता है।

राजस्थान की प्रथा के अनुसार इस दिन सौभाग्यवती स्त्रियाँ तिल के लड्डू, घेवर तथा मोतीचूर के लड्डू आदि पर रुपया रखकर वायन के रूप में अपनी सास को प्रणाम कर देती हैं तथा प्राय: किसी भी वस्तु का चौदह की संख्या संकल्प कर चौदह ब्राह्मणों को दान करती हैं।

इस प्रकार देश के विभिन्न भागों में मकर-संक्रान्ति पर्व पर विविध परम्पराएँ प्रचलित हैं।

भारतीय ज्योतिष के अनुसार मकर संक्रान्ति के दिन सूर्य के एक राशि से दूसरी राशि में हुए परिवर्तन को अन्धकार से प्रकाश की ओर हुआ परिवर्तन माना जाता है। मकर संक्रान्ति से दिन बढ़ने लगता है और रात्रि की अवधि कम होती जाती है। स्पष्ट है कि दिन बड़ा होने से प्रकाश अधिक होगा और रात्रि छोटी होने से अन्धकार की अवधि कम होगी। यह सभी जानते हैं कि सूर्य ऊर्जा का अजस्र स्रोत है। इसके अधिक देर चमकने से प्राणि जगत् में चेतना और उसकी कार्यशक्ति में वृद्धि हो जाती है। इसीलिये हमारी संस्कृति में मकर-संक्रान्ति पर्व मनाने का विशेष महत्त्व है।

मध्यम वर्ग

अजीब कशमकश में उलझा रहता
सही-गलत में झुलता रहता
मध्यम वर्ग का सरस होता जीवन
ये है ईश्वर का विशेष सृजन
जीवन भर ढोता अच्छा बनने का बोझ
मध्यम वर्ग को प्रभावित करती सबकी सोच
बडे लोगों के दिखावें में मरता
खुद के अस्तित्व को चोट पहुंचाता
अच्छे-बुरे की जद्दोजद में
खुद को खुद से ही दूर करता
संस्कृति का मान बढाता
परम्पराओं का निर्वाह करता
सब रस्मों रिवाजों को
सर माथे सजाता
देश की सेवा में योगदान है देता
खेल, विज्ञान, सेना में परचम फहराता
परिवार की छत्र-छाया में ये पलता
सुख-दुख से रहता है इसका नाता
सबकी मुश्किलों का बोझ है ढोता
हिमालय सा अटल खडा रहता।

■ विनिता काबरा

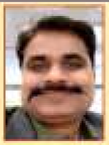
Pankaj Dhoot
+91 9829050286
AAYUSH ASSOCIATES
RASHHI ENTERPRISE
MICROTEK
OKAYA JAPANESE
EXIDE
15, Indra Colony, Near Pani Pech
Bani Park, Jaipur, M. : 9829014948
G-3, Venkteshwara Complex
Central Spine, Vidhyadhar Nagar, Jaipur
M.: +91 9929090286
e-mail : pankaj_dhoot@yahoo.com
Deals in Inverter, UPS , Battery , SOLAR .

गुरु कृपा
मालपानी मैरिज ब्यूरो
समाज में वैवाहिक सम्बन्ध करवाने का 15 वर्षों का अनुभव
ऑल इण्डिया विवाह योग्य
लड़के-लड़कियों हेतु सम्पर्क करे
तलाकशुदा (विधुर व विधवा) भी मिलें
राजेन्द्र मालपानी : 6377275813
304, वैशाली नगर, जयपुर
राजेन्द्र मालपानी : 8387064577 (व्हाट्सएप) अन्जू मालपानी : 8946939394 (व्हाट्सएप)

Sparklez

Sharad Bagree
+91-9269099995
+91-9214145888
Weddings | Corporate | Photography
Catering | Birthday | Anniversary
Baby Shower & All Type of events
Registered in Utsav Maheshwari Bhawan
Address : F-255, Priyadarshini Marg, Shyam Nagar, Jaipur
E-mail : sparklezaura@gmail.com | https://m.facebook/sparklezjaipur/

Deepak Bhandari
+91-9829051091
+91-9460951091
WE CREATE MEMORIES
Satkaar
Event & Decorators
Satkaar
Caterers

Rahul Jajoo
+91-9828112085
Your Trust & Safety is Our Responsibility
Service Available
Wedding Planner & Event Management (Sangeet, Birthday Parties, Get Togethers)
Outdoor Food Catering, Online Sweets & Food Service's
1000/- के ऑर्डर पर डिलीवरी फ्री
Place Your Order (Before One Day):
Payment : Paytm 9024643576 or Cash on Delivery
Off. Add. :- 1156, Nirwan Marg, Jhotwara Road, Jaipur • Ph.: 0141-2282229
Workshop Add. :- 21, Dayal Nagar, Gopalpura Bypass, Jaipur
e-mail : rahul@satkaarevents.com • Web. : www.satkaarevents.com

Shades SKIN & HAIR CARE
AMBABARI
NOW IN AMBABARI
25% DISCOUNT FOR MAHESHWARI'S
Manish : 9928887072
Add.: C-55, Shubh Laxmi, Above AU Bank, Near Maharishi Arvind College, Ambabari, Jaipur-302039

नई जनगणना-2020 प्रारम्भ

सूचना

समाज द्वारा नवीन जनगणना हेतु एक समिति का गठन कर दिया गया है। मोबाइल ऐप के माध्यम से जनगणना सम्पन्न कराने हेतु मोबाइल ऐप भी तैयार कर लिया गया है। परिवार के मुखिया को SMS भेजकर मोबाइल नम्बर के सत्यापन की प्रक्रिया चालू हैं। सत्यापन के बाद परिवार के मुखिया को उनके रजिस्टर्ड मोबाइल पर ऐप का लिंक भेजा जाएगा एवं मोबाइल पर उन्हें ओटीपी प्राप्त होगा। ओटीपी डालने पर उन्हें अपने परिवार के प्रत्येक सदस्य की डिटेल मिलेगी जिसे जांचकर अथवा ठीक करके OK कर सकेंगे। जरूरी दस्तावेज जैसे आधार कार्ड / नवीन मतदाता पहचान पत्र / नवीन पासपोर्ट / फोटो एवं हस्ताक्षर आदि भी इस ऐप के माध्यम से सबमिट कर सकेंगे।

यदि परिवार के मुखिया का मोबाइल नम्बर समाज में रजिस्टर्ड मोबाइल नम्बर से भिन्न है तो कृपया अपना नया मोबाइल नम्बर, नाम, एवं पता जोन सहित व्हाट्सएप नं. 9414049441 पर जानकारी भेजें।

जनगणना से सम्बन्धित किसी भी प्रकार की जानकारी के लिए निम्न से सम्पर्क कर सकते हैं:

संयोजक – श्री सुनील अजमेरा –9414049441

उप संयोजक :

(1) श्री सत्यनारायण काबरा (श्रीमाधोपुर) – 9829019451
(2) श्री बृजमोहन बाहेती – 8696934095
(3) श्री सुमन लढ्ढा – 9314501973
(4) श्री गोविन्द मालपानी – 9829014308

जोन–1 : संयोजक– श्री आशीष चौधरी – 9414046602

चौकडी संयोजक

1. चार दिवारी दक्षिण – श्री मुकेश कालानी – 8005752657
2. चार दिवारी उत्तर – श्री अतुल लोहिया – 9829213701
3. मोती डूंगरी – श्री दीपक जी भूतड़ा – 9829014913

जोन–2 संयोजक– श्री रमेश परवाल – 9314870491

चौकडी संयोजक

1. विद्याधर नगर – श्री संदीप लढ्ढा – 9928518656
2. शास्त्री नगर – श्री प्रकाश मालानी – 9829056624

जोन–3 संयोजक– श्री गिर्राज राठी – 9887173208

चौकडी संयोजक

1. मुरलीपुरा – श्री मनीष गगरानी – 9460633892
2. झोटवाड़ा – श्री माधव भूतडा – 9024772728

जोन–4 संयोजक– श्री मनीष मांधना – 9414055412

चौकडी संयोजक

1. बनीपार्क – श्री प्रवीण परवाल – 9660045272
2. वैशाली नगर – श्री विकास मंत्री – 9829063396

जोन–5 संयोजक– श्री लक्ष्मी नारायण मोदानी – 9460069917

चौकडी संयोजक

1. श्याम नगर – श्री गौरव गट्टाणी – 9950149315
2. मानसरोवर – श्री महेश अजमेरा – 9414071279

जोन–6 संयोजक– श्री कपूर चन्द्र तोतला – 9828262860

चौकडी संयोजक

1. बापू नगर – श्री पवन लखोटिया – 8329041167
2. टोंक फाटक – श्री मेहुल जाजू – 9636808981
3. सांगानेर – श्री राकेश जी झंवर – 9829217880

रमेश चन्द जाखोटिया
(संगठन मंत्री)–9784449950

हार्दिक बधाई

ऑल राजस्थान पटाखा मैन्युफैक्चरर्स एंड डीलर्स एसोसिएशन के चुनावों में महेश सेवा कोष के सह–संयोजक श्री महेन्द्र कुमार शारदा (एम.के. पटाखे वाले) को निर्विरोध अध्यक्ष बनने पर।

महेश सेवा कोष

दुर्गालाल, कन्हैयालाल, रामप्यारी देवी कचौलिया सेवा कोष एवं **कमला देवी रामरतन कचौलिया स्कॉलरशिप सेवा कोष** की स्थापना हेतु श्री राजेन्द्र जी, नरेन्द्र जी माहेश्वरी (कचौलिया) ने प्रत्येक कोष हेतु 1,11,000 के दो चैक (कुल 2,22,000) प्रदान किये। बहुत–बहुत आभार।

मृत्युपरान्त देहदान संकल्प

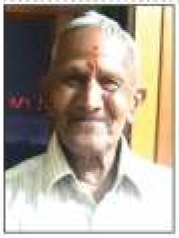

श्री रामेश्वर जी सुपुत्र स्व.श्री हनुमान प्रसाद जी बियानी, बरकत नगर, जयपुर निवासी द्वारा मानव कल्याणार्थ स्वेच्छा से देहदान का संकल्प लिया गया है एवं मेडिकल कॉलेज के छात्रों के परीक्षण एव रिसर्च हेतु एस.एम.एस. के 'शरीर रचना विभाग' में अपना नाम भी पंजीकृत करवा लिया है। हम सभी के लिए अनुकरणीय एवं प्रेरणास्पद उदाहरण प्रस्तुत करने पर समाज की तरफ से बहुत–बहुत आभार एवं साधुवाद।

जयपुर जिला माहेश्वरी सभा समिति, जयपुर

'अपने लिवर को जाने' विषय पर वेबिनार

जयपुर जिला माहेश्वरी सभा समिति, जयपुर के तत्वावधान में समाज बन्धुओं के उत्तम स्वास्थ्य के लिए यह निश्चय किया गया था कि समय–समय पर विभिन्न अस्पतालों के सीनियर डॉक्टरों के साथ विभिन्न रोगों के कारण एवं निवारण व अन्य स्वास्थ्य सबंधी विषयों पर टॉक शो का आयोजन किया जायेगा। इसी क्रम में नारायण मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल, जयपुर के डॉ. राहुल राय, कंसलटेंट–हिपेटोलॉजी एवं लिवर ट्रांसप्लांट फीजिशियन द्वारा 'अपने लिवर को जाने' विषय पर विभिन्न प्रश्नों का जवाब 'वेबिनार' के माध्यम से दिये जायेंगे। जो कि **रविवार, दिनांक 27 दिसम्बर 2020 को सायं 5 बजे** होगी। वेबिनार से जुड़ने के लिए लिंक शीघ्र ही व्हाट्सएप पर शेयर किया जायेगा।

श्री माहेश्वरी डायलिसिस, डायग्नोस्टिक एण्ड रिसर्च सेन्टर के निर्माण हेतु प्राप्त राशि

श्री माहेश्वरी डायलिसिस, डायग्नोस्टिक एण्ड रिसर्च सेंटर, निर्माण नगर के लिए श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर के भामाशाहों से प्राप्त सहयोग राशि की सूची गत अंक में प्रकाशित की गई थी। सूची के प्रकाशन के बाद निम्न भामाशाहों की ओर से निम्न राशि और प्राप्त हुई :

सभी दानदाताओं का हार्दिक आभार व अभिनंदन।

श्री मुरारी लाल जी बिड़ला	1,11,000.00
श्री दामोदर जी फलोड़	1,11,000.00
श्री गोविन्द जी मालपानी	1,11,000.00
श्री लेखराज जी लद्दड़	1,01,000.00
श्री हरक चन्द जी भाला	1,00,000.00
श्री अजय जी नोवाल	1,00,000.00
श्री किशन जी डागा	1,00,000.00

भवन का लोकार्पण अतिशीघ्र होने जा रहा है अतः इस पुनीत कार्य में मात्र 1,00,000 रुपयें या इससे अधिक की सहयोग राशि देकर आप भी भागीदार बन सकते हैं। एक लाख रुपयें या उससे अधिक सहयोग देने वाले सभी दानदाताओं के नाम शिलालेख पर अंकित किए जाएंगे।

आपकी सहयोग राशि आयकर अधिनियम की धारा 80 जी में छूट के लिए मान्य होगी। कृपया सहयोग जारी रखें।

Ghanshyam Birla (Jimmy)
Mob. No. 9829013154
9314501179

BE

Birla
ENTERPRISES
44, Gangori Bazar, Jaipur-302 001
Phone : (O) 91-141-2315324 ® 2322324
Website : www.birlaenterprises.com
Email : birlaenterprises@hotmail.com

9887896797
अनिता एंड अनिता
Sarees
Exclsive & Primium
Collection
सिन्थेटिक ऑल ब्राण्ड
सुभाष, लक्ष्मीपति, विशाल
शॉल, आसन, नेपकीन, टॉवल
काकड़ डोरा भी उपलब्ध है।
नाइटी
Visit Now

TLISHMI MOTI
HELPS TEETHING BABIES
चारमीनार-कुमकुम, मोली
हैदराबाद-चीड की फेन्सी राखी
मांगलिक एवं शुभ कार्य

Add : G-9-10/103 Anmol Residency, Path No.6, Vijaybari, Sikar Road, Jaipur

MAKE IN INDIA
PURE STONE
TOPSTAR GRANITES
a Unit of Top Star Elect. (India) PVT. LTD.
F-596, Road No. 6, Vishwakarma Industrial Area, Jaipur-302013 (Raj.)
Ph. +91 9414074924, 0141-2280720
www.topstargranites.com
sanjaytopstar@gmail.com
sales@topstargranites.com
topstareipl@gmail.com
Sanjay Kabra

LIC
भारतीय जीवन बीमा निगम
- Pension Plan
- Income Continuity Plan
- Children Marriage / Education many more attractive plan
- Loan Liability etc....
- Religare Health Insurance (Mediclaim) (Free Health Check-up Facility Available)

Our belief create and save
Free Policy Servicing also Available
Call : 9309337880

आलोक कुमार माहेश्वरी अम्बाला सेक्टर-5, प्रताप नगर, सांगानेर, जयपुर
email: alokkumarmaheshwari@gmail.com

SRSP
COLOUR ROOF™
RELIABLE • DURABLE • ECONOMICAL
Colour Coated Profile Sheets
Kailash Mimani +91- 8824118281
Harshit Mimani +91- 8302003095
RESIDENTIAL | COMMERCIAL | INDUSTRIALS
Colour Coated Sheets | Gutters | Flashings
Corners | Ridges Crimps | Installation Accessories
Road No.9A, VKI Industrial Area, Sikar Road, Jaipur - (Raj.)

Shree Krishna Group
आपका विश्वास... हमारी पहचान...
॥ जय श्री कृष्णा ॥

भवानी माहेश्वरी (छापरवाल)
93146-51206
जय श्री कृष्णा प्रोपर्टीज एण्ड बिल्डर्स
सी-11-बी, दाधिची नगर, खाटू श्याम मंदिर के पास, एच.टी. लाईन रोड
रोड नं. 5 के सामने, सीकर रोड, जयपुर-302039 Ph.: 8766111100
E-mail : skgroup.jaipur@gmail.com I www.shreekrishnagroupindia.com

Pradeep Somani

9352488758
NIRMIT PROPERTIES
TO-LET • SALE • PURCHASE
NIRMIT OPTICIANS
20% Discount
G-43, Dwarika Tower, Vidhyadhar Nagar, Jaipur
E-mail : nirmit.opticians@gmail.com

Mukesh Baheti +91 98290 48022
Give A Missed Call on
02261883537
& Get an Exclusive Offer
BAHETI OPTICIAN
Ray-Ban ELLE fastrack VOGUE LACOSTE TOMMY HILFIGER ESPRIT
A-13, Mall Road, Sector-1,
Vidhyadhar Nagar,
Jaipur-13 M : 9929076022
15%

Madho Bihari Kabra
+91-9314800716
K.K. MEDICOS
Special Discount for Maheshwari Samaj Members

OPP. ZANANA HOSPITAL, STATION ROAD, JAIPUR
Tel.: (S) 4919968, 2365229, Mob.: 8890905769

श्री माहेश्वरी डायग्नोस्टिक सेन्टर

(श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर द्वारा संचालित)

87, सरतीनगर, जनपथ, श्यामनगर, जयपुर • फोन : 0141-4924112, 701074559

समय : प्रातः 8 बजे से सायं 4 बजे तक (सोमवार से शनिवार) • प्रातः 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक (रविवार)

Blood Sugar 30/-	Cholesterol 30/-	Creatinine 40/-	SGOT 40/-	SGPT 40/-
Urine R/E 40/-	Uric Acid 50/-	Calcium 50/-	Sodium 50/-	CBC 100/-
Electrolytes 120/-	PSA 220/-	Hb A1C 200/-	Liver Function 200/-	Thyroid Profile 200/-
Lipid Profile 250/-	RFT 400/-	Vitamin B-12 400/-	ECG 60/-	Vitamin D-3 750/-

जाँचें बहुत किफायती दरों पर की जाती हैं एवं रिपोर्ट व्हाट्सएप नं. 9645044777 से भेजी जाती हैं।
नोट : घर से सैम्पल कलेक्शन की सुविधा उचित दरों पर उपलब्ध

Dr. VISHWAS PRABODH
MD Radio Diagnosis
4:30 pm to 7:00 pm

ULTRA SONOGRAPHY
- Whole abdomen
- Obstetrics & gynaecology including Anomaly scan, color Doppler, fetal echocardiography etc.
- Limb Doppler
- Small parts (thyroid, testes, breast etc.)

Dr. VIJAYETA SULTANIA
Consultant Radiologist
10:00 am to 1:00 pm

कलर सोनोग्राफी की सुविधा उपलब्ध

श्री माहेश्वरी डायग्नोस्टिक सेन्टर

(श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर द्वारा संचालित)

पी-10ए, सेक्टर 2, उत्सव भवन के पास, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 • फोन : 0141-2230511, 6376409567

आधुनिक मशीनों एवं उपकरणों द्वारा जाँचें

समय : प्रातः 8 बजे से सायं 8 बजे तक
(सोमवार से शनिवार)
प्रातः 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक (रविवार)

सोनोग्राफी
प्रातः 10 से दोपहर 1 बजे तक
सायं 4:30 बजे से 7:00 बजे

2D-ECHO प्रातः 8 से 9 बजे तक (रविवार को यह दोनों जाँचें नहीं होती)

SONOGRAPHY 300/- • DIGITAL X-RAY 150/- • 2D-EHCO 1000/- • ECG 60/-

नवदम्पत्तियों के सुखमय जीवन हेतु हार्दिक शुभकामनाएँ

दिनांक	वर	वर के पिता/माता	वधू	वधू के पिता/माता
25.11.2020	अक्षय	श्री अनिल फोफलिया	भक्ति	श्री राजेन्द्र जी कलंत्री
25.11.2020	निखिल	श्री चन्द्र शेखर लढ्ढा	गीतिका	श्री किशन जी
25.11.2020	आशीष	श्री अशोक कुमार साबू	हर्षिता	श्री अजय जी
25.11.2020	आयुष	श्री रामबाबू मालपानी	मुदिता	श्री संजय साबू
25.11.2020	गौरव	श्री राजेन्द्र बाहेती	उर्वशी	सी.ए. श्री अनिल सारड़ा
25.11.2020	राघव	श्री राजेन्द्र बियाणी	राशि	श्री राजीव मालपानी
25.11.2020	अविनाश	श्री अशोक कुमार जी	आयुषी	श्री कृष्ण गोपाल फलोड़
25.11.2020	मोहित	श्री जयकृष्ण जाजू	गरिमा	श्री पवन जी
25.11.2020	अक्षय	श्री प्रवीण जैथलिया	रिया	श्री राकेश बाहेती
25.11.2020	रोहित	श्री महेश लढ्ढा	शुभांगी	श्री महेश चांडक
27.11.2020	आदित्य	श्री रोशन परवाल	अमिषा	श्री संजय राठी
27.11.2020	साकेत	श्रीमती सरिता राठी	आकृति	श्री अशोक खटोड़
27.11.2020	श्रीयांश	श्री संजय फलोड़	नेहा	श्री राधाबल्लभ काबरा
28.11.2020	राघव	श्री दिनेश परवाल	हंसा	श्री निशू जी
30.11.2020	निखिल	श्री नवनीत तोषनीवाल	आयुषी	श्री सूर्य प्रकाश माहेश्वरी
30.11.2020	दीपक	श्री विनोद कुमार भाला	रेनू	श्री महेश कुमार चितलांग्या
30.11.2020	अभिनव	श्री सुरेन्द्र काबरा	प्रियंका	श्री ओमप्रकाश तोषनीवाल
30.11.2020	कुंज	श्री वासुदेव बाहेती	निधि	श्री लक्ष्मीकांत बियानी
30.11.2020	अक्षय	श्री अशोक जाखोटिया	पूर्वा	श्री सुरेश कुमार खटोड़
30.11.2020	सौरव	श्री राजेश गगरानी	अंजली	श्री अशोक झंवर
03.12.2020	पीयूष	श्री गिरिराज प्रसाद माहेश्वरी	सुचिता	श्री रवि जी
06.12.2020	आनन्द	श्री राजेन्द्र प्रसाद सोमानी	सुरभी	श्री दामोदर देवपुरा
06.12.2020	संकेत	श्री सुनील जी	महिमा	श्री हरीश माहेश्वरी
07.12.2020	दिव्यांशु	श्री गिरिराज प्रसाद चांडक	दिव्या	श्री जमुना प्रसाद मून्दड़ा
07.12.2020	राहुल	श्री राजेश बाहेती	सोनम	श्री आनन्द माहेश्वरी
07.12.2020	दुर्गाप्रसाद	श्री प्रहलाद राय बाहेती	आकांशा	श्रीमती शारदा देवी लखोटिया
07.12.2020	सी.ए. अभिषेक	श्री चन्द्र प्रकाश फलोड़	सी.ए. श्वेता	श्री नरेश कुमार डागा
07.12.2020	आशीष	श्री इन्द्र कुमार कचोलिया	दीप्ति	श्री प्रेम कुमार तोतला
09.12.2020	वरूण	श्री सम्पत अजमेरा	शिवांगी	श्री अनिल नवाल
09.12.2020	अर्जित	श्री देवबन्धु जी	अंजली	श्री अजय कुमार राठी
09.12.2020	अभिषेक	श्री गोपाल सारड़ा	निकिता	श्री प्रहलाद सहाय खटोड़
09.12.2020	श्रीकांत	श्री किशन	अंजली	श्री महेश गुप्ता (माहेश्वरी)
10.12.2020	केशव	श्री मनमोहन मारू	प्रिया	श्री गोविन्द प्रसाद जी
11.12.2020	प्रवीण	श्री घनश्याम चांडक	सुरभी	श्री शिव कुमार माहेश्वरी
11.12.2020	सारांश	श्री किशन मोहन मून्दड़ा	आयुषी	श्री शशि भूषण जी
11.12.2020	रवि	श्री गोविन्द नारायण बिड़ला	प्रियंका	श्री सत्यनारायण फलोड़
11.12.2020	शुभम	श्री श्याम काहल्या	अनुश्री	श्री हरि किशन आगीवाल
11.12.2020	तनुज	श्री राजेन्द्र बजाज	मेघा	श्री मनोज कुमार बाहेती
11.12.2020	सौरभ	श्री रामअवतार तोतला	शिवानी	श्री गोविन्द नारायण मून्दड़ा

RAMJIDAS MODANI FOUNDATION

508, Neelkanth, Opp. Sahkar Bhawan, Near MGF Mall, Bhawani Singh Road,
Jaipur-302001 Tel. No. : 0141-5103091, Mobile : 9414074134
E-mail : office@ambuj.com
Resi. : C-132, Rishab Path, Shyam Nagar, Jaipur-302019

माहेश्वरी समाज एवं अन्य सभी समाज बन्धु हमारे फाउण्डेशन के कार्ड से निम्न हॉस्पिटल से डिस्काउन्ट प्राप्त कर सकते हैं लेकिन कार्ड भर्ती होने के 24 घंटे में देना होगा।

Fortis Escorts Hospital Jawahar Lal Nehru Marg, Malviya Nagar, Jaipur-302017 Contact No. : 0141-4097109 **(Mr. Arvind Saxena 9057574454)**	**OPD :** Doctor Consultations - Pathological Investigations - Radiological Diagnostics Preventive, Health Check up Packages, Dental Procedures - Ophthalmology Procedures-OPD - Procedures (eg-Endoscopy Dialysis etc. **IPD :** Room/ICU Rent - Doctors Consultation, Pathological Investigations-Radiological Diagnostics-Procedure/Package Charges.	**15% Discount** **10% Discount**
Eternal Hospital Jagatpura Road, Near Jawarhar Circle, Jaipur Contact No. : 0141-5174000 **(Mr. Abhishek Choudhary 9251650989)**	**OPD :** Doctor Consultations, Pathological, Investigations-Radiological Diagnostics-OPD Procedures Health Check-up Packages. **IPD :** On Gross IP Bill (Excluding drugs Consumables & implants, stents etc.) Max Limit is 20,000/- on Packages.	**10% Discount** **5% Discount**
Narayan Multispeciality Hospital Sec.-28, Kumbha Marg, Pratap Nagar, Jaipur Contact No. : 0141-7122233 **(Mr. Praveen Budakia 8596904076)**	**OPD/IPD :** Consultations ICU Charges, Room Rest Diagnostic Investigations, Radiology Service, Emergency Service OPD & IPD Procedures/ Services. Surgical and Day Care Packages. on Fix Packages	**10% Discount** **5% Discount**
CK Birla Hospitals (RBH) Gopalpura Bypass Road, Jaipur-302018 Contact No. : 0141-3090309 **(Mr. Brijesh Gupta 9829416533)**	**OPD :** First Consultations to all the members & dependents at 50% Discount, Doctor consultation. Dialysis Procedure, Preventive Health Check Packages Endoscopy/ Colonoscopy, Physiotherapy, Dental Procedures. Echo-TMT/ECG Laboratory and radiology services. IPD on Total Bill on Packages Free Ambulance Service incase any Medical Emergency within Jaipur City Limits.	**10% Discount** **10% Discount** **5% Discount**
Shalby Multi Speciality Hospitals Sec.-3, Near Gahndi Path, Under Pulia, 200ft. By Pass Road, Chitra Koot, Vaishali Nagar, Jaipur-302017 Contact No. : 0141-7123889 **(Mr. Sanjay Mishra-7412063314)**	**OPD :** Doctor Consultation, Dental Procedures-Physiotherapy. Radiological Diagnostics Daycare Procedures (e.g. Dialysis) Laboratory Investigations **IPD :** Surgery & Procedures Charges Room Rent. Discount shall not be applicable on Joint Replacement Surgery (Dr. Vikram Shah & Deepak Saini.)	**20% Discount** **10% Discount** **10% Discount**

निर्धन एवं असहाय 18 साल तक के बच्चों के दिल में छेद (ASD/VSD-TOF) का ऑपरेशन 70 प्रतिशत रियायती दरों पर
Narayana Multispeciality Hospital, Jaipur में कराये जाते हैं हमारे फाउण्डेशन से सम्पर्क करें।

Satya Narain Modani
Chairman
94140 74134

Dr. Ravi Modani
Secretary

स्मृतिशेष—
स्वजनों को श्रद्धांजलि एवं श्रद्धासुमन

विगत दिनों हमारे समाज के कुछ बंधु/बहनें हमसे बिछुड़ गए। समाज अध्यक्ष, महामंत्री, पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों की ओर से उनके शोक संतप्त परिवारों को हार्दिक संवेदनाऐं प्रेषित हैं। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिव्यात्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान दे।

श्रीमती अनिता देवी मांधना
16.11.2020

श्रीमती कमला देवी परवाल
16.11.2020

श्री घनश्याम मोहता
20.11.2020

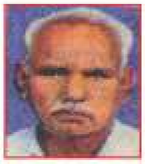
श्री हरिराम झंवर
22.11.2020

श्रीमती राधा बिरला
23.11.2020

श्रीमती रमेश देवी काबरा
23.11.2020

श्री सागरमल परवाल
23.11.2020

श्री राजाराम सोनी
24.11.2020

श्री राधेश्याम मालपानी
25.11.2020

श्री श्रवण कुमार लड्ढा
28.11.2020

श्रीमती तारा देवी फलोड़
28.11.2020

श्रीमती गोविन्दी बाई काबरा
30.11.2020

श्री सुशील मंडोवरा
01.12.2020

श्री श्याम सुन्दर सोमानी
02.12.2020

श्रीमती प्रेम काबरा
02.12.2020

श्रीमती रतन देवी फोफलिया
03.12.2020

श्रीमती शांति देवी मानधनिया
04.12.2020

श्री बालकृष्ण लड्ढा
04.12.2020

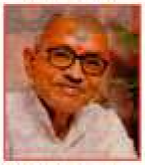
श्री केदारनाथ माहेश्वरी
05.12.2020

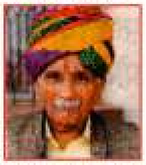
श्री गोरधनदास शारदा
05.12.2020

श्री नृसिंह लाल खटोड़
08.12.2020

श्री किशन लाल सोडानी
10.12.2020

श्री सुनील राठी
12.12.2020

कमल डाइग्नोस्टिक एवं रिसर्च सेन्टर

KDRC JAIPUR

O-5, हॉस्पिटल मार्ग, एस.एम.एस. हॉस्पिटल के सामने, सी-स्कीम, जयपुर-302001

फोन : 0141-6452922, 2374777, 4039727

सुविधाएँ

★ M.R.I. 1-5 Tesla ★ सी.टी. स्केन

★ सोनोग्राफी (3D/4D) ★ कलर डॉपलर ★ डिजिटल एक्सरे

★ ईको ★ ई.सी.जी. ★ ई.ई.जी. ★ सी.टी.एम.टी. ★ एन.सी.वी. ★ बायोप्सी ★ एफ.एन.ए.सी. ★ ऑडियोमेट्री

एम्बुलेंस सुविधा उपलब्ध

सभी प्रकार के बायोकेमिकल, हेमटोलोजिकल लेबोरेटरी टेस्ट की सुविधा

डॉ. कमल अग्रवाल 98291-59029

निर्मल मूंदड़ा 98290-50202

डॉ. गौतम शर्मा 94140-74005

माहेश्वरी बंधुओं के लिये विशेष रियायत

"उत्सव"

श्री माहेश्वरी समाज जनोपयोगी भवन

(अन्तर्गत : श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर)

पी-10, सेक्टर 2, विद्याधर नगर, जयपुर

फोन नं. 0141-2236743-44

Website : www.utsavjaipur.in | E-mail : utsavjaipur@yahoo.com

सेवा त्याग, सदाचार

श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर

किट्टी व बर्थ डे पार्टी एवं अन्य आयोजनों के लिये रियायती दरों पर बैंक्वेट हॉल

Block-A

- ★ 1000 व्यक्तियों के लिए सुसज्जित ए.सी. बैंक्वेट हॉल
- ★ 40 सुसज्जित ए.सी. रूम एवं 4 ए.सी. डोरमेट्री
- ★ डायनिंग हॉल व इक्विप्ड रसोई घर
- ★ शादी समारोह व भोजन व्यवस्था के लिए उपयुक्त लॉन
- ★ दो पैसेन्जर एवं एक लोडिंग लिफ्ट

Block-B

- ★ 200 व्यक्तियों के लिए सुसज्जित ए.सी. बैंक्वेट हॉल
- ★ 11 सुसज्जित ए.सी. रूम ★ रसोईघर व पूजा घर
- ★ पैसेन्जर लिफ्ट

अग्रिम बुकिंग का समय

प्रातः 9:00 बजे से सायं 6:30 बजे तक

- ★ सभी शुभ कार्यक्रमों के लिये देवउठनी एकादशी दिनांक 24.11.2020 तक किराया राशि में 50% छूट।
- ★ माहेश्वरी बंधुओं एवं अन्य परिवारों के सभी शुभ कार्यक्रमो के लिए अग्रिम बुकिंग खुली हुई है, किराया राशि में 50% छूट का लाभ उठावें।
- ★ यूनिट III व IV में कमरों, मिनी हॉल, डाईनिंग हॉल व किचन की बुकिंग अलग-अलग भी की जा सकती है।
- ★ यूनिट III व IV में मिनी हॉल के लिए किराया राशि रूपये 5000/- के स्थान पर रूपये 3000/-, डाईनिंग हॉल के लिए रूपये 1500/- व किचन के लिये रूपये 1500/-, मिनी हॉल में खाना रखने के लिये जाने वाले चार्ज रूपये 3000/- की 100% छूट।
- ★ यूनिट II मुख्य हॉल में खाना रखने पर लिये जाने वाले चार्ज को माहेश्वरी बंधुओं के अतिरिक्त अन्य के लिये रूपये 10000/- की 100% छूट।
- ★ माहेश्वरी परिवारों को बर्तन भण्डार, कुर्सी, सोफा, कार्पेट, इनबिल्ट म्यूजिक सिस्टम व डीप फ्रीज के किराये में 50% की छूट।
- ★ माहेश्वरी परिवारों को धार्मिक आयोजनों हेतु एसी हॉल (भूतल) सहित 4 दिन या उससे अधिक दिनों के लिये आरक्षण करवाने पर 60% की छूट।

लगभग 70 व्यक्तियों की पार्टी के लिये हॉल, 50 कुर्सी, 6 टेबल मात्र रु. 2500/- में (विद्युत खर्च अतिरिक्त) : 6 घण्टे के लिये

मनोहर लाल सारड़ा	**विनोद कुमार तोतला**
चेयरमैन	सचिव

RDB GROUP

Rera No. : RAJ/P/2020/1316

RDB CITY MAHESH VATIKA (Phase-1)

Your Dream....Your Home

₹ 45 Lakhs onwards

JDA APPROVED

Actual Site Photograph

KEY FEATURES

- Premium 3 BHK Luxury Duplex Villas
- Gated Community
- Sustainable Eco Friendly Design
- Rain Water Harvesting
- 24 hours water supply
- 10,000 sq ft Recreational Park with Kid's Play Area and Outdoor Gym
- 10,000 sqft Garden + Walking Track (KANTA VATIKA)
- Badminton Court
- Security Cameras
- Wide Internal Roads

SIDDHI

Site Adress : Opp. Maheshwari Public School, Kalwar Road, Jaipur

FOR MORE DETAILS CONTACT : 9829015050, 9799922227

श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर

जनोपयोगी भवन

''अभिनन्दन''

कृष्णा सागर कॉलोनी, पत्रकार कॉलोनी रोड

वी.टी. रोड के सामने, मानसरोवर, जयपुर-302020

सम्पर्क : फोन : 0141-2980658-60, मो.: 7414038883

अत्याधुनिक सुविधा सम्पन्न

- 70 कमरे (8 डॉरमेट्री सहित)
- भव्य बैंक्वेट हॉल (105'x 78'-डबल हाइट)
- मुख्य डायनिंग हॉल (ग्राउंड फ्लोर पर)
- 2 मिनी बैंक्वेट हॉल, 2 डायनिंग हॉल
- 4 किचन (2 बड़े व 2 छोटे)
- 2 पैसेंजर लिफ्ट, 1 लगेज लिफ्ट

ग्राउण्ड फ्लोर : डायनिंग हॉल, लॉन व किचन

द्वितीय तल : 22 कमरे (4 डॉरमेट्री सहित)

चतुर्थ तल : 13 कमरे, 1 मिनी हॉल, 1 डायनिंग हॉल, किचन

प्रथम तल : मुख्य बैंक्वेट हॉल (डबल हाइट)

तृतीय तल : 13 कमरे, 1 मिनी हॉल, 1 डायनिंग हॉल, किचन

पंचम तल : 22 कमरे (4 डॉरमेट्री सहित)

★ सम्पूर्ण 'अभिनन्दन' भवन का किराया 1,68,000/- रु. प्रतिदिन + जीएसटी (माहेश्वरी बंधुओं के लिए 50 प्रतिशत छूट)

'अभिनन्दन' में आपका हार्दिक अभिनन्दन है।

बजरंग लाल बाहेती	बिहारी लाल साबू	प्रदीप बाहेती	गोपाल लाल मालपानी
चेयरमैन	सचिव	अध्यक्ष	महामंत्री
98290 79200	98290 11181	98290 55050	99823 33103

अभिनन्दन (जनोपयोगी भवन) श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर

श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर द्वारा

कोविड-19 हेल्पलाइन

(प्रातः 8 बजे से रात्रि 8 बजे तक) सहयोगकर्ता : APEX HOSPITALS

अनुभवी चिकित्सकों द्वारा टेलीफोन पर निःशुल्क परामर्श

- डॉ. वी.डी. माहेश्वरी
- डॉ. बी. के. मालपानी
- डॉ. देवेन्द्र लढ्ढा
- डॉ. शैलेष झंवर
- डॉ. अभिनव राठी
- डॉ. अवध बिहारी मारू
- डॉ. जी.डी. माहेश्वरी
- डॉ. सचिन झंवर
- डॉ. ललित भराड़िया
- डॉ. छवि काबरा
- डॉ. गणपत देवपुरा
- डॉ. सुधीर शारदा
- डॉ. मुनीष माहेश्वरी
- डॉ. नटवर परवाल

रियायती दरों पर संबंधित जांच सुविधाएं एवं दवाइयां

घर से हॉस्पिटल में भर्ती होने के लिए एम्बुलेंस की निःशुल्क सुविधा

यदि कोरोना संक्रमण से मुक्त हुए आपको 14 दिन हो गये हैं तो अपना IgG Antibody (Free of cost, who can and want to donate) करायें और प्लाज्मा बैंक के हिस्सेदार बनें।

अन्य सुविधाएँ

- हॉस्पिटल में यथासम्भव भर्ती
- चिकित्सकीय परामर्श पर यथा संभव Home Quarantine सुविधा

उपरोक्त सभी सुविधाएं हमारे पैनल ऑफ डॉक्टर्स के द्वारा प्रिस्क्रीस्पशन पर ही उपलब्ध होगी।

CALL : 9024177987

निवेदक : **TEAM COVID HELPLINE CENTRE**

स्वत्त्वाधिकारी श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर के लिए प्रकाशक- मुद्रक गोपाल लाल मालपानी, महामंत्री द्वारा रेनबो प्रिन्टर्स, जयपुर से मुद्रित एवं श्री माहेश्वरी भवन, सिंधी जी का रास्ता, चौड़ा रास्ता, जयपुर-302003 से प्रकाशित। सम्पादक- रामदास कोठ्यारी